







⊸ঃ% হামদো নাথ ঋঃ৽ঃ>

* लघू जिलानी * कित्र शक् कात, जश्माद्वत मात्र, जवार আদি অস্ত সবং সকলের রব, মাবুদ কাদের গনি * একাসে যোক্তার, নাহি পরিবার, নেঘা তার সর্বব ঠাই॥ দাতা পরোহিতা, সকলের কত্তা,ক্ষেমতার হদ নাই * যত চরাচর, স্থাবর অস্থাবর, সব তার হইল বসে॥ আজ্ঞা অনুসারে, তারকির্তি জোরে, নৌকা বেড়ায় ভেদে * তরো২ কিন্তি, কুপায় ভূপতি, **পাপি** পার করে আপনি॥ সংস্কটে সদয়, বিপদে সদয়, অধ্যের কাণ্ডারি তিনি * তিনির মহিমা, কে করিবে সীমা, অসিম মহিমা ভার॥ পীর পয়গম্বরে, না পারিল জারে, কার সাধ্য পারে আর 🗱 আছ্মান জ্বিনে, জত হুরিত্তে, না পারিল হামদে। ছানা॥ কেবা शास्त्र निला, (करा (वास्त्र (थला, (करा दास्त्र कात्रथाना * जार्ल बाल्ला भाक, स्निम बाक्नाक, भग्ना किन जात्रमात्न॥ मशक्रम त्रष्ट्रमः, चार्याप यक्तूम, (क्वा चार्ष पाकाशान * जिनिना भातिम, क পातिरव वल, शभरमा ছाना कतिवारत ॥ कतिया शियातः शार्ख्य कार्यत, भग्नना किल এ गश्मार्त * वािश अ नानान, মুক্ষের প্রধান, কি জানি তারিফ তার॥ এক মুথে মেরা, শত মুখ ছারা, দেয় জদি পরোয়ার * পানি দরিয়ার, ছেহাই ভাহার, হয় मत्व किनि मिला। शाष्ट्र शाना जानि, कनम इय किनिया कार्शिष्ठ टेश्टल * जुर्शिया जात्र, ना श्रुत् भागात्र, लिथियात (म गश्गा। कात माम्न पाष्ट्र, धूनियात विष्ठ, कतिवात जात मिया 🗱 আমি হিন সান্দি, নাহি আছে বুন্দি, দেহ সান্দি সাধিবার॥ তুমি चार्का माकि, नारि पितन माकि काव माबि भाष भाष *

* (कब्हा अक अ गर्शन महित्र व्याम *

* রাগ পয়ার *

আজাএব কাহিনি এক-সোনো বেরাদার॥ লিখিয়া জানাই কিছু বয়ান তাহার * পশ্চিম দেনেতে ছিলো মহোন নামেতি ৷ তার ছানি সাধু নাহি ছিলো সে দেসেতে * ছাখাওত ছিলো বড় কি কবে। বয়ান॥ কি লিখিবো হাল তার হাতেম সমান 🐝 আলা তালা মাল এতো মহোনে দিইলো॥তাহার হেছার আমি কি लिथिरवा वरला ऋ चाছिर ला चाउँ थाना हाल्लिम माकान ॥ अदिव কাঙ্গালে খানাখেলান পেলান*কোন বাতে গম নাহি আছিলভাহার চাকর নকোরে দেখে জান বরাবর * এক সতো ছিল থালি হাবসি ুগোলাম। অন্দোর মহলে তারা থাকিতো মদাম * লেঙ্গৌ আর দাই বান্দি তিন সও ছিল॥ খাদেম সত্তর জোনা হাজের আছিল * চার সওছিল থালি চাকোর নফোরা। হাতি উঠ ঘোড়া ঘুড়ি ছিলেক বিশুর अ কত বাগ বাগিচা ও সুন্দর দেখিতে॥ মনো সোগদুরেজায় গেলে সে বাগেতে * চিড়িয়া খানার বিচে অবলা জানওারাবাকে থেলিতেছে দেখিতে বাহার * কাকাতুয়া হিরা মোন ভোভা বুক বুকি॥ নাচে থেলে আমোদেতে কতো জাতি পাকি * খণ্ডান খণ্ডানি আর মউর মউরি॥সারি শুক খেলে আর কতনর নারি*এইসব চিজে माश्रू जानिक्टि छिल॥ (कान वाटि शम नाहि प्रतिक जाहिल * কিন্তু এক বাতে তার দেলে ছিল দাগ॥ অন্ধকার ছিল ঘর নাছিলো (চরাগ ¾ (विधात कार्तार्य वर्षा ছिल (विकातात ॥ दौरियमा मालिएका দোওা দরগাতে আলার 🗫 না আওলাদ কৈলে মুঝে আয় পাকবারি সোকর ছবোর বিনে আর নাহি পারি * এই বাতে দেলে বড়া রহে মোনস্তাপে॥আল্লা জাকে রাজিহয় রাখে কার বাপে* হাক্ষেলহইল বিবি এলাহির চাহা॥ পয়ারে রচিয়া অধিনেতে কহে এহা *

% शान %

অগো কে বুঝিতে পারে প্রভু মহিমা তোমার।
সকোলি করিতে পারো অগো নৈরাকার *
পাহাড়কে করো আবাদিঃ জজোল কে করো নদি॥
তোমার কির্তি বোঝে বিধিঃ সার্কো আছে কার *

बीर्भ जिल्लिक इन अस् नय माम (शाकादितना, शाना (इस पिन चार्टिना, রহে বিবী বড়া পেরেসান॥ 'शानाছ হইলো वियो, (जन म देउछक नवि, श्रामा क्लारित मान * এয় ছাই ছুরাত হেনো, ছুরাতের বান জেনো, সাগরেতে আদিয়া পৌছিলো॥ চাঁদ সুৰ্জ্জ তার সাতে, না পারে তুলনা দিতে, সরো ষেতে ছাপাইয়া গেলো * বান্দিগন তার পরেঃ কহে ছওদাগর ठरत्र, मोिएया कशिला थवत। ছওদাগর এহা সোনে, দৌড়া ইয়া তভোকোনে, আইলেন মহোল ভিতর * দেখিয়া পুত্রেরমুখ পাসোরিলো সব তুথ, খুসিতে অন্ধদ ফুলে গেলো॥ এতো খুসি रेश्ता मारा, यशान करिएंड छारा, कलाम एक बाएक रहेला ভার পরে গেলো চোলে, খুসিতে ভাণ্ডার খুলে, করিলেন বছাতি থয়রতি ॥ চাহিয়া বেটার খুবি, ছওদাগর আর বিবী, দোওা মাজে ওঠাইয়া হাত * গরিব কাজাল গন, পাইয়া বহুত ধোন, তালেবর হৈলো মরেই॥ তুথ নেভাইয়া গেলো, দকোলেতে খুসি হৈলো; দোওা কতো জোনেং করে * সরদারে তার পরে, ডাকিয়া হুকুম করে, করিবারে খুসির ছামানা॥ শুনিয়া সরদার জতো, খুসির ছামানা কতো, ঠাই২ সান আমি রানা * নাচ বাজা ঠাই২, তাহার সোমার নাই, নওবত বাজে মিনা রাতে। সহোরের চারি ধারে ই দিলো আয়না বন্দি কোরেঃ আহা কিবা বাহার দেখিতে * সহো রের জতো জোনাঃ ঘরেতে না খায় খানাঃ মন মতো সকলেতে খায় ॥ আপনার ঘর ছেড়েঃ এখানে রহিলো পড়ে: চায়েনেতে ফেরেন স্বায় * হেথা ফের মহোলেতেঃ পায় গিত খোসালিতেঃ (अत्रा मिन थुमि रेट्य़। (मला। नार्ष्ट्र भाय ছत्म वत्मः बादा किवा পরি বন্দেঃ কেন্ড লাড়ক নিইয়া জে কোলে শুই থানি চরো নেডেঃ (नशूत निरुष्त! তাতেঃ नाष्ट मत्व (পকোম ধরিয়া পিন্দে বানা त्रमी मास्टिश यन (জনো লেয় কাড়িঃ রসিকের মন ভোলাইয়া * বারো তেরো বরছেরঃ ছেন সাল তাহাদেরঃ কি লিখিবো তাহাদেরছানা। कुल्लि कर्यान किन ३ (प्रशिल म ভোলে অनि প্রেমিকের গলে দেয় ফাদ * এরপেতে নাচে গায় ঃ খুসির মৌজাতায় মারিলেক স্বার দেলেতে॥ মহাক্ষদ মুনসি বলে, মরসে,দর পাও তলেঃ গান अक (मार्गा मरकारमण्ड *

* 8 *

দেখো দেখোই সিধ দেখ লো আদি

জেন নব চক্র ভূমে পরেছে সিদা।
আহা কি নাসিকার রেখা; কিবা ছটী চক্ষু বাকা

দেখে মন জায় না রাখা, এ বাকা শশি॥
জিদি পেতাম এ সামেরে, রাখিতাম হৃদ্ধমাঝারে,
স্বণের ডোরা করে রাথিতাম খুনি *

মহাক্ষদ মুনসি বলে, ঐজলনে মরি জলে,
পরে এই মায়া জালে লিয়াছি ফাসি *

স্বাগ পয়ার *

এরপেতে নাচ ওালি মহলেতে গায়॥ কোদরত এলাহি রাজ গোজারিয়। জায় * জে জাহার মকানেতে গেলেন চলিয়া।। ভার পরে নজ্জুমেরে আনে বোলাইয়া ঞ্চকহে মোহন ছওদাগর নজ্জু শ मक्ला। लाएकाর আহওাল দেখ তালে নামা খুলে * আর নেক ছায়েত দেখে রাখা চাই নাম ॥ নজ্জুম সকলে স্থূনে করে সেই काश * थूरल তাৰে नामा महर (प्रथम छनिया,॥ मालूम क्रिश्ना কহে সাধুর লাগিয়া * কিন্ধর হইল নাম বিছারাশি হয়। নছিব (वारमाना वड़ा (कडार्विड क्य * चारम्य श्टेर्व क्ट जिनिड নারিবে॥ আর এ তারিফ বড়া দেখির কেতাবে * তাহাবাদে নজ মেতে পাইয়া এনাম।। চলিয়া আইলো সবে জার জে মোকাম 🗯 এখানেতে ছওদাগর পুত্র পালিবারে॥ তুই দাই মোকরোর ত্র (अलाईवाद्य * लालान भालान मारे नाशिला क्रिटालास्या ভর কেন্ত্র নাহি তালিতো জমিতে ্ দাই মামা এরপেতে পালিতে मागिला।। भार माल भार कर्य किश्वत मिरेला *भारकार थानात्र তবে দিইলো পড়িতে॥কাবেল ওস্তাদ পেয়ে পড়ে দিন রাতে ঋদশ বরোছের জবে ওক্ষোর হইলোগা আলাতালা এলেমের দরিয়া তায় पिला * वाकि ना दिला किছु। होमा अलग ॥ अकर मिस्सा জে হইলো তালেমঃ ছনুর হেকমত ফের দিখিতে লাগিলো কেছ ना जिनिए भारत अग्रहारे र्रेला * (थाए। ताज मिथिमन এলেয় তায়াম আলেমের কাছে বড়া হইলেক নাম * হরুর হেক মত কাম সিখিলো তারুত॥ লড়ায়ের ফলে বড়া হইল মজরুত 🗱

শহদছদাপর এহা দেখিয়া খোসাল॥ আপনার মনে সাধুকরে এ পিয়াল * এমছা বেটা মোরতরে দিইলো গফফার॥ সবকামে দেখি বড়া হলো ছানিয়ার * এই রূপে ভাবে সাধু আপনার মোনেতে॥ লাডকারে ভেজিবো এবে বানিজ্জো করিতে * এতেক ভাবিরা সাধু কিঙ্করে ডাকিয়া॥ ছওদাগরি কামে জাহো জাহাজ লই রা* এ কথা কিঙ্কর শুনে আরোজগোজারে॥ থরিদ করিয়ামাল দেহোনা আমারে * ছওদাগরি কামে জাবো সোনো বাবা জান॥ প্রারে রচিয়া কহে অধাম নাদান *

् * ছওদাগর জাদা কিন্তর ছওদাগরিতে জায় *

পয়য়য় ছদদ য় ছওদাগয় জাদা কহে কদমে বাপেয়॥ ছাতিপরে হাত দিয়া করেন জাহের # ছফোরের ছরোঞ্জাম খরিদ করিয়া॥ দেহো আপে বাবা জান আমার লাগিয়া * ছওদাগর এই কথা বেটার শুনিয়া * বাগে২ দেলবিচে খোসাল হইয়া * ভালো২ চিজ বস্তু পরিদ করিয়া॥ সাত খান জাহাজেতে দিলো চাপাইয়া *ভার পরে ছায়েত বুঝিয়া ছওদাগর॥ মালিক কাপ্তান দিয়া চাকোর নকোর * বিদায় করিয়া দিলো কিষ্ণরের তরে॥ মানাইয়া বছতর স্পান্ধার দরবারে * বাদ বান থেচে বান্দে নঞ্চর তুলিয়া॥ হাওাভরে চলে কিন্তি শুহাওা পাইয়া * রাত দিন চলে কিন্তি দরিয়া *উপরে ॥ सारा विटि कान शान जाताम ना करत * এই क्रि এक माम शाक विश्रा (शत्ना॥ (माष्ट्राता मर्टात এक कार्रेश (शोहित्ना क्ष कार्रेश পৌছিলো জদি দরিয়া কেনারে॥ জাহাজ নজোর কৈলভাবিয়া श्वार्थित अ मरशदात्र (लाश क्रांचा थवत शाहेशा। यहाकन (लाश **শতে।** পৌছিলে। আসিয়া 🛪 সকলে করিলো দেখা কিন্ধরের শাতে। ভালা বুরা বাত চিত করে নানা মতে * তাহা বাদে জে জাহার চিজের দরকার॥ খরিদ করিয়া লিলে। থোসাল হাজার * ছাহাতে বহুত নাফা কিঙ্করের হৈলো। সে দেসের চিজ ফের খরিদ করিলোঃ নম্বর তুলিয়া দিলো জাহাজ খুলিয়া৷ ওঠাইয়া দিল পাল চলিল তা দিয়া * কতে। দিন এরপেতে তা সিয়া চলিল।। বন্ধোর বিচেতে এক জাইয়া পৌছিল * সেই দেসে বাদসা এক বড়া শামদার। হাসমত দাবদবা আর জোরে জোরোয়ার ঋথানং বলিয়া

नाम वाममात्र चाहित्ना । जाहात्र (कार्त्तत्रकथा करजा हृत (शत्ना क्र ভলতার ধরিলে বাদদা পাহাড় ফাড়িতো॥ দেরনর ছর পেয়ে ভাপিয়া জাইতো * ভার পরে কিন্ধর আড়ায় উঠিয়া ॥ দামামার চোট মারে এলাহি ভাবিয়া * তামাম সহোরে তার হইলো থবর আসিয়া পৌছিলে। এক নামি ছওদাগর 🛠 খানং বাদসাজদি খবর শুনিলো॥ কোতওালে ভেজিয়া দেহো উজিরে কহিল 🕸 উজির 🤝 নিয়া দিল ভেজিয়া কোতণ্ডালে॥কোতণ্ডাল ছকুম পেয়ে সেই যড়ি চলে ধ্যেথানেতে কিন্ধরের জাহান্ত ঘাটেতে॥ কোতওাল পৌছিন গিয়া জাহাজঘাটেতে *বাদসার হুকুমজাহা কহিল তাহায়৷৷আলম্পা ना এই यति বোলায় তোমায় * স্থান ছওদাগর জাদা খুসিতে ভরিয়া॥ কোডওালের তরে কহে ছালাম জে দিয়াঞ্জ বাদসারস্কৃষ भिताजाक मिक्नाति॥ এই १ए कार्वा वािश ना कतिरवा (निति अधक र्गाल এक श्रान लहेशा व्याक् जावा ॥ लाल यां यां मालाहेशा कार् लाश সোবা* তার পরে কিঙ্কর লেবাছ পিনিয়া॥ সেই থাঞ্চা গোলামের মাথা পরে দিয়া * চাকোর নফোর লিয়া জাহাজ হইতে॥ ছওদা গর জাদাওতারিলকেনারেতে # আগেতে কোতওালচলে পিছেতে किञ्चत ॥ जारेया (शोहिल मद वापमा वदावद * विमया जारह्य বাদসা তক্তোরোণ্ডা পরে॥ চারদিগে উজির নাজির আছে খিরে 🗯 নকিব চোবদার কত ঘিরে চৌদিগেতে॥ চামোর ফেরায় কেন্ত বাদ্ সার গায়েতে *দেখিয়া উজিরজাদা আদোবরাখিয়া। ছালামতছলিম করেছের ঝোকাইয়া * তার পরে হাতে২ নকিব চোবদার॥ ছপ্ত গাত পৌছাইল হুজুরে বাদ্দার *ছওগাত দেখিয়া দাহা হাজার খোসাল ॥ কিম্মতের ওর নাই সেই সব মাল * তার পরে বাদসা কহে কিন্ধর লাগিয়া ॥ কোন দেসে ঘর বাবা কহে। বোঝাইয়া 🗯 কোরনেস করিয়া কহে ছওদাগরজাদা॥ আলম্পানা বাদসা জিউ দওলত জেয়াদা * ফলানা দেসেতে মেরা জানিবে মোকাম।। ছও দাগরি পেসাএই জান মেরা কাম *মুল্লুকে২ ফিরি ছওদাগরিভেসে কেছমতের জোরে পৌছি আপনার দেসে * বাদসা স্থনিয়া ফের লাগিল কহিতে॥ এমন বয়েসে ফের দেস বিদেসেতে * সাবাস মা বাপ তেরা কলেজা ধরিয়া॥ বিদেশে ভেজিয়া দিল তোমার লাগিয়া এতেক বলিয়া সাহা কিষ্করের তরে॥বসাইলসাধুবরে কুরছির উপরে

* 1 *

বছত পেরার করে ছওদাগর জাদায়॥বানা পানি নিয়াযত আনিয়া বৈশায়*তাবাদে কিন্ধরে কহে বেডর হইয়॥আমার সহোরেফেরো বেবসা করিয়া *আর জদি থাকিবারে চাহো বাবাজান ॥ থাকিবারে দিই এক পাকিজা মাকান * কিষ্কর শুনিয়া কহে জভ দিন রবো॥ শহোরে ছায়ের কোরে লাহাজেতে রবো* আপনার দোওা হৈতে সোনো নামদার। কোনো বাতে কমিনাহি জাহাজেযামার *বাদসা শুনিয়া ফের লাগিল কহিতে॥ জতো দিন রবে বাবা মেরাসহো-রেতে * রোজ ং দেখা দিয়া জাবে একবার॥ খোদাল হইবো তেরা দেখিলে দিদার * তাহাবাদে জামা জোড়া কিক্ষতি আনিয়া॥ সাধু ব্যেআলম্পানাদিল পেন্দাইয়া শ্লছওদাগর জাদা তবে এনামপাইয়া ছালাম করিয়া চলে রোখছত হইয়া * পৌছিলেক আপনার জাহা জের পরে॥ খুসি খোসালিতে রহে গম নাহি করে * রোজ্ই জায় মর্ক হজ্বরে বাদাসার॥ দেখা দিয়া জাহাজেতে আসেআরবার*এক षिन वरमिष्ठम वाषमावरुष्ट्रवाद्याद्या काटन अकमर्प (भोष्टिनपववाद्व বাদ্দাকে ছালামকরে আদোব রাখিয়া৷আপনার হাল কৈল বাদ্দার লাগিয়া * নও জয়ান কহেফের বাদসা বরাবরে ॥সরকারে নওকরি নামের ছেফোত লোগ মুখে সোনা জায় * এখাতেরে আদিয়াছি मान नामनात्र॥ कर्पारम चार्त्राष्ट्र এই मान नामनात्र * वानमा वर् খোড়া রোজরহ মেরা ডেরে॥নওকরি দেলাব আমি ভোমার খাতেরে এরছাই সুনিয়া মৰ্দ্ধ ভরিল খুশিতে॥ হাজের থাকিত রোজ বাদসার আগেতে * এই রুপে কতো দিন খুশিতে গোজারে॥ মহাক্ষাদ মুনশি কহে রচিয়া পয়ারে *

* এক বিদেসি জওানের জবানি কমলা বতির ছুরত

* স্থানিয়া কিন্তুর বেকারার হয় ও আথেরে ফ্রি

* রের ভেসে তালাসে জায় তাহার বঁয়ান

*

* প্রার ছন্দ *

এই রুপে সেই মর্ফ বাদসার দরবারে॥ রোজ দরবারেতে আসা জাওা করে * কিঞ্জের সাতে বড় মহন্বত হৈল॥ লহজা ভর

কেন্ত্র কারে ছাড়িতে নারিল * কথন জাহাজে আসে লইয়া তাহায় দরবারেতে কভুং চুজনাতে জায় * এক রোজ কিন্তুর পুছিতে লাগিল॥ কোন দেশে ঘর ভাই বিবে।রিয়া বল * স্থানিয়া জভান कट्ट (मान नामनात्र॥ পশ্চিম দেসেতে ঘর জানিবে আমার * দক্ষিন রাজ্জেতে ছিন্ন করিতে নওকরি॥ অন্দর মহলে রোজ আসা জাওাকরি রুস্থনে ছণ্ডদাগর জাদা ফের তারে কয়। রাজার আহওাল কিছু সোনাও আযায় ३ কেমন সে নরপত্তি কেমন বিচার॥ কেমন পালোন করেরায়েত প্রজার * পুত্র কন্যা কয় জোনা কহ মোর তরে॥ এ কথা জন্তান শুনে কহেন কিন্ধরে * কি কবো তারিফ তার সুন ছওদাগর॥ এক মুখে নাহি হয় বয়ান ভাহার 🗱 আবহাওা মিঠা২ বহিছে হামেন॥ খুসি খোলালিতে সবে করেন আয়েশ * জতেক রায়েতগন খুশি ঘরেই॥ গম পেরেশানি কেহু জানিতে না পারে * কি কবো হাশমত আমি সেইত রাজার॥ সেই দেসে কাম চলে হোকুমে তাহার * বেশোমার মাল মাতা আর হাতি ঘোড়া॥ ছেপাই কেল্লার বিচে কতো আছে খাড়া * বাগ ভাল কতো সতো মহিষ গাণ্ডার॥ মেড়া মেড়ি গর গাধা কে করে সোমার * গলি কুচা কিবা ঢাচা শান আমিরানা॥ রোগ সোগ তুরে জায় দেখে ষেই জোনা * চৌদিগেতে গড়বন্দিনহর পানির॥ঝলকমারিছে এয়ছাদুধের তাছির * চার্দিগে কুরছি ফেলা সোনা জড়া তায়॥ অতি সু গঠন চক্ষু ধরা নাহিজায় 🗱 আর তার চারদিগে ফুলের কিয়ারি॥ কুসুম মালোতি ফুটীয়াছে সারি২ * কতো জাতি ফুল তায় রহিয়াছে ফুটে ্মধু লোভে ভ্রমরা জে বেড়াইছে ছুটে * গন্দরাজ জুই জবা মল্লিকৈ মালোতি॥ মাধোব সেউতি আর কতোনানা জাতি 🕸 গোলাব हेशत हाला क्रिहिष्ट हार्याला। यशुषारम छन छन कतिराहिष्ट ওলি * আর শুন ছদাগর আরজ আমার॥ এক বেটা বিনে তার किटा नाहि जातक्षवादा वर्षा कद कद रहन एकन मान ॥ कि कदा রূপের কথা সুর্ভের মেছাল *ধপ ধপ জলে হেন আন্ধারার বিচে॥ মুত্তন জৌবন তাহে বাহার দিয়াছে * কি কবো মাধার কেস কাল নাগ হেন॥ যুক্তরি বালেতে খোদরু আতর জেমন * আদিয়া পড়েছে কেদনিচেতে জারুর॥ পেশানি উপরে জেন চমকিতেছে রুর * কি क्टिव पूछी आँथि वंशान कितिशा॥ (क्रांनी व्र क्रिक्ट भानि कलाइ

বহিয়া * আহা কি চক্ষের পরে ভুরু তৃটি জোড়া॥ সেকারিতে কামানেতে দিইয়াছে চড়া * না সিকার কথা আর কি দিবো সাবা সিরাধিকার মোন লোভা প্রীক্ষের বাসি * কিদিবো তুলনা আমি সে দৃটী ঠোটের ॥ জেনো আলতা গোলা আছে উপরে মুথের * আর'সে বত্রিস দ"তে কি কহিব হায়॥আনারের দানা হেনো আয়না চমকায় * কি কব গলার কথা নাহি জায় লেখা ॥ পান থেলে লালি তায় সব জায় দেখা * আর তার তুটী হাত বেলুন মতন ॥ কুন্দিকারে কুন্দে কাট রাখিল জেমন * আর কমর তার এমন বা কিক ॥ ধরিলে পাঞ্জায় তার ধরা জায় ঠিক * তুইটি চরন তার কি কব বাখানি।চলিলে চলন তার জেমনথঞ্জনি*কি রুপে কহিব আমি সে রুপের বানি ॥ সে রুপ দেখিলে তপ ছেড়ে দেয় মনি * অধ্যনাপাক কহে জনাবেসবার॥ মধ্র সুরেতেগান সোন বেরাদার

* গান রাগিলি বাহার তাল আড়া থেমটা *
ধন্ন ধন্ন বিধি সেযে ধন্ন কারিগর ॥
কি গড়ন গড়েছে বাঁকা, বাঁকা চমৎ কার *
কিবা সে নয়নের রেখা, কিবা ছটী চক্ষু বাঁকা, আহা মরি
কিবা বাঁকা, চলন তাহার ॥ কি দিব রূপের তুলনা,
আমি তাহা খুজে পাই না, দেখুলে পরে মনি জোনা;
অমনি প্রানে হয় সংহার * হিন কবিকারে বলে, মোর
সেদের পদতলে, না দেখির ভুমগুলে, হেনরূপ ভিজিকার *

& রাগ পয়ার *

কিন্ধর তামাম হাল জখন শুনিল। কান লাগাইয়া মন্দ স্থানিতে আছিল* একে জোণ ছের পরে চড়িল আসিয়া। মজবুতের সাতে তারে লইল বান্ধিয়া * না দেখে বিবির তরে সাধুর কুমার। বেগ ড়িয়া গেল দেল না মানে কারার * থাওা পেওা নিন্দ ভুক সকলি ছাড়িল। সদাই জে নাম তার জপো মালা হৈল * শুনিয়া বিবির কথা নিন্দ নাহি ধরে। দেলের চক্ষেতে কান্দে ফোকারিতে মারে * জাহাজ হৈতে কল্প নাবিয়া আড়াতে। কমলা বতির তরে লাগিল

চুড়িতে 🗱 কথন জাহাজে মদ্দ দৌড়িয়া জায়॥ মনে করে আইন বুঝি চুড়িতে আমায় ঃ এ রূপেতে কিন্তুর মাশুক খাজির। ছেলে पूर्ण भूर्य जाश इंडेल जिंदित अ थिरतर कार्म माधू खरत विष् নাতে॥ বালিস জিয়া গেল চক্ষের জলেতে * সে হেন সোনার ছবি বেগড়িয়া গেল॥ ভাবিতে২ রঞ্জ মিটা তার হৈল * জেয়ছা ফজরের ওজেচেরাগের রৌশনি॥ক্ষে জায় নাহিরয়তেমনি নেসানি*তেমনি হইয়াগেল সাধুর কুমারাজসানা ছিলরাংহৈল মরন আকার 🕸 ভেবে ভেবে কিঙ্কর হইল বেতাৰ॥ বিবির গমেতে জান হইল কাবাব * নাহি জেনে ছিল মর্দ্দ পিরিতি কেমন ॥ পিরিতের এতো জালা জানে কোন জোন % আর এরছা মনে মনে মাধ বর ভাবে॥ কেবা তার অন্যাসন আমাকে বলিবে* এ রিত ঘটিবে জিদি আপে জানিতুন॥ কেনোবা ভাহার নাম কানে স্থনিতুন ঃ এই কথা বলে আর হায় হায় করে॥ এক্ষের খারাবি কভো দেখ বেরাদ্রে জারতরে এক্ডেলোন আদিয়াচড়িল॥সেই জানে তার দক্ষ জাহাকে বিতিল 🕸 চাহার দর্বেণে দেখা হাল বেরাদর॥ এক্ষেতে মজিয়া কতো হৈল ছার্থার 🔆 ছওদাগর, তিল কেহু কেহু বাদসা ছিল॥ কেহোবা সে সাহাজাদা ফকির হইলঞ্চকওছার বাদসার বেটাহরমুজ নামেতো কতো দুক্ষ খেচিলেক গোলের পিরিতে * ফরহাদ সিরিব পরে মায়েল হইয়া॥ আপনা মাথায় মারে বাইস তুলিয়া 🛪 মজহ লায়লির পরে আছিল এমন॥ আসকে কোন্তার মুখে খাইল চুম্বৰ* জোলেখা ইউছুফ পরে আদক হইয়া। ছুরিতে জাপন হাত ডালিল কাটিয়া 🕸 এয়ছা২ কতো জোনা পিরিতে মজিয়া। কতো দৃক্ষু পাই য়াছে মাশুক লাগিয়া * জার তরে বিতিয়াছে জানে সেই (জামে॥ জাহাকে না বিতিয়াছে জানিবে কেমনে ক্ষ মহাক্ষদ অধিন কহৈ এলাহি ভাবিয়া॥ হাকিকি মাশুক সাতে মজো মন পিয়া *

※ 引可 ※

জে জোন জানে না প্রেম সে মজা জানে কি তার॥
তে মজেছে সেই জানে অন্নে কি জানিবে আর
জি প্রিমের রাখো আস, আপনার করো সর্বনাস, তবে
হবে বসবাস, নইলে কিবা ধার ধারো॥ কংহ মহাদ্ধাল

মুনসি, প্রিয়েজদিরাথে। খুসি, তবে হবে হাঁসি খুসি,রুঝে শুজে প্রেম করে। *

* প্রার % এক্ষের নেসাতে জেবা হয় রেপ্তার॥ নাহি हिला है कि कि निम ना इस मि कि अब (मार्थ कार्य माधू निता লাগ বিদি॥ দৰো আঁথে আঁছে তার বহে দিবা নিসিঃ এয়ছা ভাঁতে কৈতো রাভ জায় গোজারিয়া॥ মছলত করেন সাধু একেলা ্রিসিয়া % মাল মান্তা লোক জোন কি কামে আসিবে। মাসুকের শাষেজদি জান মেরা জাবে * সকলে ছ'ড়িয়া জাবো ফকির হইয়া লইব আল্লার নাম গলে ভছবি দিয়া ঋ এয়ছাই মছলত করি দেলে আপনার॥ আছ্মানের পানে মদ তাকে বারেবার * এই কথা দেলে দেলে ভাবিতে ভাবিতে॥ আফতাব গাএব হৈল পশ্চিম দিগেতে 🕸 সাম হৈয়া গেল জদি মরজি এলাহির। বিবির তালাসে জেতে করেন ফিকির * সাহানা লেবাছ জতো, গায়েতে আছিল॥ ্রিজ্বদ হইতে সব ফেকিয়া জে দিল * তাহা বাদে ফকিরি লেবাছ লিলে। তুলে।। ফকির হইল সাধ্র জুৱা দিয়া গলে*ধোড়েক লিলো মাল কিক্ষতে জেয়াদা। আখেরে ভারিয়া লিলো ছওদাগর জাদা * सिकलिल श्रीमनाय रिक्ट गार्टि कारन ॥ मङ्त ছाডिया চल मयुनारन মঞ্জানে * কতো তুর এয়ছা ভাঁতে নেকলিয়া গেল। রাত গোজা রিয়া জিপি ফজর হইল 🕸 এই রূপে চলে মদ্দ ময়দানে২॥ আজিম সহর এক দেখিল ছামনে * জাইয়া বস্তির বিচে খাতা পেতা কোরে। কমর বান্ধিয়া ফের হাঁটে রাহা পরে * এয়ছাভাতে রাত দিন রাহা পরে জায়॥ কোন থানে জানে মদ আরাম িনা দেয় 🗱 কখন কাটার আচনা সহে জানেতে।। হয়রান হইল সাধু না পারে সহিতে 🕸 বেবাহা জন্ধলে এক জাইয়া পৌছিল॥ জ্ঞাল দেখিয়া মদ্দ হুস হারাইল * একে মাশুকের দায়ছিল পেরে माम ॥ জঙ্গ म ময়দান দেখে হারাইল জ্ঞান ঋ বাঘ ভাল চারদিগে ৰূরে সোরসার। জান বাচাইতে আল্লা তুবো লাগে বার * ভাই বেরাদর কোথা, কোথামাতা পিতা॥ এয়ছা বালা মুছিবতে কে করে সোমতা ঋ এত বলে সাধু বর কান্দে জারে জার॥ আফছেছে করিল কত হয়ে বেকারার ¾ তাহা বাদে আপনায় বোঝায় এমত॥ ভাবিলে কি হবে গার করনা হেক্ষত ঋহেক্ষত ৰান্ধিলে আল্লা মদুত হইবে॥ বে হেক্ষত হৈলে পরে জানে মারা জাবে ¾ ফের এরছা
সাধু বর ভাবে মনে মন॥ না মেলে মাসুক তবে হইবে মরন শ
এতেক ভাবিয়ামর্দ্দ রাহাগির হয়॥ খুধা পেলে মেণ্ডাজাতে তুড়িয়া
যে খায় শ জকলে ২ এয়ছা জায় নেকলিয়া॥ রাত হৈলে গাছ পরে
থাকেন উঠিয়া শ ফজর হইলে ফের রাহাগির হয়॥ এই রূপে ছয়
মাস রাহা পরে জায় শ বন্তির বিচেতে মর্দ্দ জেখানে সেখানে॥
বিবির খবর পোছে নরম জবানে শ লোগ মুখে শুনিলেক বিবির
খবর॥ দক্ষিণ দেশেতে ঘর রাজা কংস ধর শ বিবির খবর জিনি
কিন্তর পাইল॥ হিন কবিকারে এহা পয়ারে রচিল শ

স্থা তাল কাল আপনাকে পাগল বানাইয়া রাজ বাটিতে জাইবার বয়ান স্কল স্কল

* পয়ার ছন্দ * ছওদাগর জাদা এয়ছা রহে পেরেসান।
হাটু পরে রেথে মাথা ভাবিয়া হয়রান * তুক্ষের ভাবনা কতাে
ভাবিয়া আথেরে॥ ধিরে ধিরে গেল মর্দ্দ সহর ভিতরে * নেষাও
করিয়া দেথে বাদসার মহল॥ পাথরের ঘর সেই করে ঝলমল *
চক্ষু নাহি ধরা জায় উপরে তাহার॥ ঝিকমিক করে সেই
দেখিতে বাহার * হিরা মতি কাল্বুরাতে গাথনি তাহায়॥ কিবা সোভা মন লোভা মরি হায় হায় * জেয়ছাই শুনিয়া ছিন্ব মোছা কের মুথে॥ তাহার চৌশুন ঘর দেখিলাম আথে * দরওাজার ধারে
এক গাছের তলাতে॥ সাধু বর বিসিয়া জে ভাবেন দেলেতে *
জার দায় এতাে আমি পেচি পেরেসানি॥ কেমনে পাইব তায় কেবা
দিবে আনি * আর এয়ছা দেল বিচে ভাবেন নেহাত॥ কোথায়
আহেন বিবি না হইবে হাত * একে সে রাজার কন্যা তাহে রূপে
বতি॥ পথের ভিথারী আমি আছিত নিয়তি * নাহক তাহার
আসা করা মোর মিছে॥ হীন কবিকারে এহা পয়ারেতে রচে *

* शान धूशा *

মিছে কর আশা, তার দিসা পাবেনারে মন॥
সে জে রাজ কন্যা, পরম যান্না ভাবা অকারণ *
জার জন্যে হেতা আসা, ও মন পাবিনারে তার দিসা॥
ছাড়ো তুমি সে ভরসা, ব লি তোরে মন *

अत्रात्र भतात अस् माधू यत मत्यर (ভ(वें এই कथा॥ (भारत) সান হালে রহে হেট কোরে মাধা * কতো কথা মনে মনে ভাবে আপনার। কেমনে বিবির আমি পাইব দিদার * হায় গোল কোথা গোল অগে। গোল জানি॥ তোমার কারনে এতো থেচি পেরে শানি * একবার এসে দেখা দেহ যোর তরে॥ বে আজলে জান জায় তোমার থাতেরে * এ হালেতে জান জদি জায়গো আমার॥ হাসরেতে দাদ আমি লইব এহার * এতো বলি গাছ তলে রহিল বিসিয়া॥ নিমা সাম কালে সাধু দেখে তাকাইয়া * মজব খানা হৈতে সেই গোল জানি॥ আপনা মাকানে জায় জেমন খঞ্জনি * কিষ্ণর আন্দান্ধ তার চিনিতে পারিল॥ বার্গে গোলেস্তার মতো ফুটিয়া উঠিল * সাহাজাদির নজর গেরে কিষ্করের পানে॥ ছুরত দেখিয়া বিবিদয়া হৈল মনে * আহা এ মহন রূপ কোর বংসি ধারি॥ কেমনে ছাড়িয়া দিল আহা মরি মরি Ж কেমনেতে প্রান ধরে আছেন সহিয়া॥ পালাইয়া আসিয়াছে কারে ফাকি দিয়া * ছিন্ন ভিন্ন দেখি রূপ বেগড়িয়া গেছে॥ পাগলের মতো জেন বাসয়া রয়েচে * চেহরায় গাওাহি দেয় হইবে আমির॥ জগি ভেসে আসি য়াচে হইয়া ফকির * এতো ভেবে সাহাজানি ধিরে২ গিয়া॥ আজব ডেউলে বিবি দাড়ায় আসিয়া * কহে বিবি সোন ওহে বিদেশি পাগল ॥ কার লাগি লইয়াচ কান্ধেতে কম্বল 🐲 বোধ হয় কোন অভা গিরে সাতাইয়া॥ নহে কোন অবলায় আইলে মজাইয়া * সোনহে পাগল তুমি ঝুট না কহিবে॥ খোদার কচম তুঝে নাহি ভাড়াইবে* कान यम कथो माध किছू नाशि कय़॥ ছन ছन नृष्टि घाँचि চারদিগে চায় * আর সাহাজাদির পানে চাহিয়া রহিল॥ মনে২ মন আগুনে পুড়িতে লাগিল* এইরপে কতক্ষন গুজরিয়া গেল॥ নেজাম আমার नाम विविदक कहिल * এ कथा चूनिया विविधातिल जानिए ॥ পাগল হইলো এই কাহারছুরতে*পাগল বলিয়া বিবি সাতে কোরে लिया॥ निक याकारनव विरु (भोछिल व्यामिया 🗯 यार्यत एक्ट्रब বাত কহেন সকল॥ সোন আশা নাম এর নেজাম পাগল * মহা রানি শুনে তারে রাখিল অন্দরে॥ কমলা বতির কাছে খেদমতের ত্রেঞ্জস্থন কমলা জাগ্ন মক্তব থানায়॥ কেতাব বহিয়া তার সাতে সাতে জায় * এ রূপেতে রোজ্ ক্যলার সাতে॥ নেজাম সঙ্গেতে জায় মক্তব থানাতে * কখন আগেতে জায় দৌড়িয়াই। কভ সে পিছেতে এসে কান্দে ফোকারিয়া * কভ পাগলের মতো বকিতে লাগিল। কভ বলে সাহাজাদি কেবা তুমি বল *এইরুণে কতো দিন শুজারিয়া জায়। পাগলের হাল এবে সোনহে হেতায় *

* উজিরের বেটার উপরে কমলা বতি আশক হয়* * তাহার বয়ান *

সোগ, লিখিকিছু রসের কাহিনি॥ সাহাজাদি পড়িবারে, মক্তব খানার পরে, জার ধনি রূপ দোহাগিনি * নেজাম বিবীর সাতে, পাজি পুথি লিয়া মাথে, মজবৈতে লইয়া জেজায়॥ আর সোন বেরাদার, উজিরের বেটা আর, জায় দেই মক্তব খানায় * তুই জোনে একদাতে, পড়ে খুসি খোদালিতে, দু জোনায় বড়া মহৰত দুজনার পিরিভি পরে, এক লহজা কেন্ত কারে, না দেখিলে হয়ত মওত 🛪 তার পরে হৈলে ছুটি. ছল ছল আঁখি ছুটি, জায় দোহে জে জার্মাকানে।। এক্ষ এসে দোহাকারে, বান্ধিল মজৰুত কোরে, হিলি বারে না দেয় দুজোনে * এ খাতেরে সাহাজাদি, তু চক্ষে বহায়ে निष्, এक निष উছ लिया (গল॥ জখन সে একে এসে, বিদল बिरीत পাদে, রগবত দেলাতে লাগিল * একে ছিল রদে ভরা, ছুফ্ট এক্ষে िन भारा, (मन जार निन (वर्गाएशा।। ना ज्वान मा **मूरन** विवी, খায় কভো হাবি ছুবি, একে জোসে গেলেন মাতিয়া * মনে মনে কতো কথা, ভাবেন এস্কের বেথা, কতো কথা লাগিল বকিতে॥ কথন মক্তবে জাবো, সে মুখ দেখিতে পাবো, কথা কৰোমিলে তু জোনাতে * হেখা সে উজির জাদা, জিতা জানে হয়ে মুদ্দা, এক্ষে (दशा ভাবে মনে ।। पू চক্ষেতে বারি বছে, কারে কিছু নাহি কছে, ঝর ঝর মদনের বানে * এক্ষের লাগিল তির, ক্ষেনেকনাহয় স্থির, পিঠ দিয়া পার হৈয়া গেল॥ করে মর্দ্দ হায় হায়; কখন বাহিরে জায়, বলেবুঝি ফজর হইল * সারা রাভ এ প্রকারে; সদা ওঠা বসা করে; ভার পরে ফজর হইল। কোকিল ঝঞ্চার মারে, কুহুৎ রব করে, উদ্ধির জাদা চেতুন পাইল * কোকিলের রব স্থান

ছুক্ষিত হইয়া মনে, ফ্রিহত করিতে লাগিল। কঠিন তোমার হিয়া, भिन्। फिला जाका देश, किवा लाज देशल (र्जश वल * भागद কোফিল রায়, ধরিছে তোমার পায়, কেনা কর না কর চঞ্চলা॥ ক্ষেমাকরো রতি রাজ্ঞ, কি হবেভোমার কাজ, হিন জোনেদিতেএত জালাঃ ভোমারশ্বনা গড়ো, কেন জালাদেহ এতো, অতএ ভালো কি তোমার।। একে আমি আছি হিন, যোগি ভেষে চিরো দিন, ক্ষিন হৈল জিবন আমার্ক্ষ মৃত দেহে মারো খাড়া, পৌর্য নাহিক বাড়া, কিবা তোর কঠিন হৃদয়। আমারে পাইয়াএকা, হইয়া সমন সকা, মোরেবোঝিনাহি করে৷ ভয়*ধিকহে ভোমার বানে, আমারে विधित थानि, धिक थाकूक তোমার পৌর্ষে ॥ कि विनव जूत्या আমি, কারো ভাল নহে তুমি, শ্বনের আঘাত করে৷ সেষে * কেমন পৌরশ আছে, গিয়া কমলার কাছে আসকের বান মারো ভারে॥ বিন্দিবে কাথের ফাঁনে,জেনো মোর কাছেআনে, দুই জোন পুজিব তোমারে * উজির জাদা এ প্রকারে,লান তান কোকিলেরে, করিয়া **८** थारमाय रहेल॥ करह हिन किविकार्त्र, भान भाउ मध् एर्त्र, कािक (लादा (वावाहेश वल *

※ 키기 ※

আর ডাকিসনা ওরে কোকিল এ বশস্ত কালে।।
তার ডাকেতে ও রেকোকিল দিশুন আশুন উঠে জলে *
একে তোর রূপ কাল, কার তুমি নহে ভাল, ভোরসুরেতে প্রান আকূল, মজাইলে একে কালে।। নিবেদন ভোমায় করি, মেরনা বিচ্ছেদের ছুরি, ওলি কুলে জন্ম ভোমার, কলঙ্ক ডালি মাথে দিলে *

রাগ পয়ার * এ রূপে ভাবিতে ছিল গালে হাত নিয়া॥ এলাহির মরজি গেল ফজর হইয়া *পুর্ব্বাদিগে অংপ্তাব হইল জাহের বিছান ছাড়িয়া তবে বেটা উজিরের * কে তাব বগলে লিয়া বাহির হইলো॥ মক্তব খানার বিচে জাইয়া পোছিলো * রাহা তাকাইয়া মর্ল রহিলব সিয়া॥ এখানেতে সাহাজাদি পাগল লইয়া *মক্তবখানার বিচে আ সিয়া পৌছিল॥ উজিরের বেটা রাহা তাকাইয়া ছিল * ধরিয়া বিবির হাত কাছে আপনার॥ বসাইল সাজাদিরে করিয়া

थियात * भामक उभारत (पाट्य এक व विमन ॥ (म त्राक्ष (मथात ष्याद (कर नारि छिल % (नजाम পार्शल वित्न नारि (कान (जान॥ নিরালা পাইয়া কত করে আলাপন * সাহাজাদির এস্কে দেল তড় পিতে লাগিল॥ मना হাই উঠে কিছু কহিতে নারিল * বিরহের তাপ আর না পারে সহিতে॥ উজির জাদার তরে লাগিল কহিতে 🔆 শোনহে উজিব জাদা আরজ আমার॥ আনোলে পুড়ে হৈরু ছারখার * জলে ভুনে কলেজা কাবাব হইল॥ তোমার এক্ষের তির ছিনাতে লাগিল 🕸 জলন সহিতে আর নাহি 🌣 পারি আমি॥এহার এলাজ কিছু দোহো মুঝে তুমি क्रन হে বেছাজল জান জাইবে আমার॥ তখন কি ভালো কাম হইবে তোমার 🕸 একথা উष्कित कामा ज्ञथन শুनिल॥ थामन इहेग्रा मर्फ जाविए लाशिल १६ তা বাদে উজির জাদা কহে কমলারে॥ শুন শুন প্রানে শ্বরি কহি জে ভোমারে * কি করিবে এই কর্মা করা জদি হয়।। পাপ কম্ম কভু দেখো ছাপা নাহি রয় * জানা জানি হৈলে শেষে পাইব সরমাহাসিবে ভাষাম লোক না রবে ভর্ম * সবহৈতে এই কাম মুঝে লাগেভালো। হেথা হৈতে তু জনায় নেকলিয়া চলো আজ রাত দু পহর হইবে জখন॥ দু জনায় নেকলিয়া জাইব তথন * সাহাজাদি শুনে বড়া খুসিতে ভরিল। নেজাম পাগল বসে ভামাম শুনিল*কিঙ্করপাগল নহে সুনহো সকল॥ কমলার তরে খালি হইল পাপল

শব্দ এহাকে সিয়ান পাগলা সকলেতে বলে ।বাঘের ঘরে ঘোগের যাসা করিল কি ছলে *হিন কবিকারে বলে দেখনা কি হয়॥পাগল কি ধোকা দিয়া লইয়া পালায় *

* উজিরের নিকটে নেজাম চোরাইয়া থত লিখিয়া * * পৌছাইবার বয়ান *

রাগ ধামিদি
র্প এরছাই মছলত দোহে করে॥ আইর আমি জাহার
জাহার ঘরে
কারনে
ছাড়ি আমি মা বাপের তরে॥ আইর আমি যোগি ভেস
ধরে
হংগা এসে কি কাম করির ॥ আপনারে পাগল বানাইর
ক্ষের এই বিবির নৌকরি॥মহব্বতে শিকার জে করি
মুঝে বিধি ॥ দিয়া কেড়েলের যদি বিধি
ভা তইলে না বাচিবো

कारन ॥ विष्कृत्भव शृष्या चाछत्म अ शत् कारत कव (छण। কারেবা জানাব এই থেদ * এইরূপে পাগল নেজাম।। ভেবে চিত্তে করে কোন কাম * বহুত ভাবিয়া দেলেতে॥ কাগজ কলম লিয়া হাতে *উজির জাদায় বন্দ করিবারে॥লেথে থত তাহার বাপেরে * श्यामा श्रामा लिए पर्नाउ॥ निवत जातिक पाछत्रा * কমলা বতির নাম দিয়া॥লেথে থত উদ্ধির লাগিয়াঃ*শুন এই বান্দির আরজ। থত লেখা আমাকে গরজ * বাপের উজির আপে তুমি॥ কোন বাতে আছে কমি*জাহা তেরা হয় এনছাফেতে॥ সেই কাম কর এথানেতে শুআর তেরা লাড়কার সাতে।। চিরো কাল পড়ি মক্ত বৈতে * ওস্তাদ আমা দোহাকায়॥ পিয়ার করে হামেনা পড়ায় * কাল কোন কামের খাতের॥গিয়াছিল ওস্তাদ মদের*নাহক ফরজন্দ ভোমার॥ ফছাদ কৈল সঞ্জেতে আমার * বুরা জবানেতে মোর जरत ॥ शानि फिल कि करवा जायारत * (मरे कथा नाति लिथिएज কৈল মুঝে জা আইল মুখেতে * খালি আমি তেরা মুখ চাহি॥ এখা তেরে কিছুবলি নাহিঞ্কতাই আনি করে দিরু মাফাএহারুঝে করিবে এনছাফ্র আর আপে করি ধবরদার॥ এই বাতে রহিবে ছসিয়ার* व्यागातक नारक गानि पिया॥ (पनिविद्ध (शष्ट एवारेया * वाक রাতে পালাইয়া জাবে॥ এই বাত তহকিক জানিবে * খুব মতে (तथवम करवानाहि कामा शानाहेर्ड शारत्क कनना क्रिया निया शालि॥ (वरुम (वर्शाल ছिला খालिक्षपूर्वे ठात (ताक शाकातिल॥ এই কথা জাবে সেহো ভূলে * তার পরে আমার সঙ্গেতে॥ দুস্তি হবে ছিল জে রূপেতে * এই সব লিখিয়া ভাষাম॥ কুলুফ জে वािष्या (नकाम क ভाহা বাদে গেল ছাপাইয়া॥ উজিরের আগে পৌছিল জাইয়া ঋ আউ মাউ করিয়া নেজাম ৷ উজিরে জে করিল ছালান*উজির দেখিয়া নেজামেরে॥ পুছিতে ল গিল তার পরে * কেনরে নেজাম কি দরকার॥ আইলি তুই হুজুরে আমার * নেজাম ছাতিতে রেখে হাত॥ এসারায় কহে জতো বাত * তার পরে খত নেকলিয়া॥ ছামনেতে দিলেন রাথিয়া * উজির লইয়া জে খত॥ খুলিয়া জে পড়িল তাবত * মনে মনে তামাম পড়িয়া॥ সব হাল मालूम कतिया अ छिकित वाक्य जात भरता। (नकारम विनाय जिल * निकाश शानना,

করে * দেখ ভাই বোঝাই সকল। পাগলে কি খেল খেলাইল *
এমন পাগল কেবা কোথা। দেখিয়াছ বল ভাই জথা * কেয়ছা
দেখ লাগাইল ফন্দ। উজির জাদায় করে বন্দ * কবিকার বিচারিয়া
কয়। মেহনত বরবাদ নাছি জায় * জেই জাহা ভাবেন অন্তরে ।
এলাহি গোকছেদ পুরা করে *

* উজির নেজামের ফোসে পড়িয়া আপন লাড়কাকে বন্দ খানা দেয় ভাহার বয়ান *

ত্রিপদী * উদ্ধির পড়িয়া থত, গালেতে দিয়া হাত, দেল বিচেলাগিল ভাবিতে॥ হায়২ কি করিব, কোথা মুথ দেথাইব, বাদসা আগে কব কেমনেতে * ভাহাবাদে গন্ধা ভরে,কোভণ্ডানেহকুম করে বন্দ থানা দেহো এছে লিয়া॥ কোভণ্ডাল হকুম পাইল, মোলাহেলা না করিল, মোনিবের লাড়কা বলিয়া * ভাহা বাদে লিয়া ভায়, জেলা নেতে লিয়া জার, রাখিলেক বন্দ থানা দিয়া।উজির জাদা জেলানেতে, আছু বহে ছুগাখেতে, কহে মর্দ্দ কান্দিয়া কান্দিয়া * এই মনে ছুক্ষ বড়া, বাবাজি ওতন ছাড়া, করিলেক কাহার কথায়॥ হিন কবিকারে বলে, মিছে কেনো ভাব দেলে, জার ধন দেই লিয়া জার *

গান রাগিনি চেতালা

কোখা ওগো শশি, দেখা দেও আসি, নয়ন জলে ভাসি, ওগো রপিন। ভোমারি কারন, জারগো জিবন দেখা দিয়ে মন, রাথগো আসি * না হেরে ভোমায়। বুবি প্রান জায়, হায় হায় হায় হায়, কি করি রূপান। পড়ে কারাপারে, ডাকিগো ভোমারে, এ সমায় মোরে ভরাওগো আসি ৪৯ তোমার কারনে, পড়ে বন্দিয়ানে মরি মরি প্রানে, দেখনা আসি ॥ অগো বিছু মুখি, উপায় না দেখি, বারে দুটি আখি, নয়ন জলে ভাসি *

* পিয়ার * এয় হাই পাইয়া গান চুপ হৈয়া রহে॥ বরিনার মত্পানি তু চক্ষেতে বহে * নেভাম পাগল হেথা খুনি হৈয়া দেলে # 55 TW

नीश्रामत (नवाछ कडवमनिया क्रिक्स ग्राश वादन वाखावतन (भरमभ চলিয়া। ভাল এক যোড়া লিল চুনিয়া২*চৌরাস্তার পরে মর্দ্ধ গিয়া থাড়া হৈল। কমলা বতির তরে ভাবিতে লাগিল * নেজাম পাগল এয়ত্বা আছিল ভাবিভোতু পহর রাত জবে হল আছমানেতে * সাহ काणि कमला विक ना जारन मरन॥ छिकित कालात रश्या जिल विन শ্লীনৈ ঋ ভাহা বাদে সাহাজাদি আন্তাবলৈ গিয়া॥ পছন্দ মাফিক श्चाफा लहेल वाछिया * माराजानि छ अत राय वाहित वाहेल। নেজাম পাগল তাহা দেখিতে পাইল * যোড়াকে মারিয়া কোড়া বাওভরে চলে।। সাহাজানি পিছে পিছে জায় খুসি হালে * কোন কথা পোছা পুছি কেহু নাহি করে॥ এ রূপেতে কত তুর জায় বাও উরেশ্বপিছে পিছে নাহা জাদি আগেতে নেজাম। তাহা বাদে রাত ফের হইল তামাম*চাদ জে গাএব হৈল কতদ্র গিয়া।আপ্তাব পুর্ব দিগে উঠিল জাগিয়া

ভার পরে কত তুর নেকলিয়া গেলো॥ এক শহর বেলা জবে আছমানে হইল*সাহা জাদি ঘোড়া পরে রহিতে শাপোরে॥ হাকিয়া কহিল বিবি নেজামের তরে * না পারি রহিতে মামি লেহ থোড়াদম।আওরতের জাতমোরাজোর বড়াকম*নেজাম ভিনিতে পেয়ে ফাকে খাড়া হয়। কোন মতে সাহা জাদিরে মুখ না দেখায় * এই রূপে খোড়া ঘড়ি জায় গোজারিয়া॥ তার পরে খোড়া ফের চলিল হাকিয়া * বারো কোস এ রূপেতে নেকলিয়া গেল। কমলা বতি আপনাকে কম জোর হইলক্ষ আরবার কহে বিবি না পারি রহিতে॥ নেজাম এ কথা শুনে লাগিল ভাবিতে * ক্ষরিব হায়হায় কিবা করা জাবে॥দেখিলে এ সাহা জাদি কি মোরে কহিবে

এই রূপে সাতুবর ভাবা গোনা করে।। নেজাম খাতেরে বিবি কহে তার পরে * পিয়াত হইল জোর স্থন প্রান নাথ।। পিয়া-ছের জোরে গায়ে লা আছে তাকত * নেজাম এ কথা শুনে শহিতে না পারে॥ তথনি আনিয়া পানি পেলায় বিবিরে * পানি পিয়ে কমলা আরাম পেয়ে জানে॥ চাহিয়া দেখিল নেজামের মুখ পানে * চিনিয়া নেজাম তরে বেহুদ হইল॥ পাগল আনিয়া পানি মুখে তার দিল * হুসেতে জাসিয়া বিবি কহে আর বার॥ এ কেমন হৈল আয় পর প্রার দেগার * ওধিন কহেন মিছে কেন ভাব আর॥ जात जाना भागम रहेल जादूवत *

🛊 লঘু ত্রিপদী 🗱 শুনরে নেজাম, করিলি কি কাম, হায় হায় কি করিব॥ এই জন্যে তোরে; লিয়া গেন্থ ঘরে, এই কথা কারে কব * পাগল বলিয়া, দয়া তোরে কিয়া, জতন করিছ তোরে॥ নাহি জানি আগে; আমার জে ভাগ্যে; এ দশা ঘটাবি মোরে * জেয়ছা মোর তরে, তুক্ষ দিলে মোরে, এমনি তুক্ষেতে থোদা॥ তোরে দুনিয়াতে এতুক্ষ পহাতে, হবে তোরে জে সর্বদা*হায় কি করিন্ত, জহর খাইত্র হাতে তুলে আপানারামোনরে নেজাম, করিমু কু কাম, দয়া তেৰে জে তোমার* জাহার থাতেরে, ছাড়িমা, বাপেরে, সে জোন রহিল কোখা।। भागात ভুষন, ভেজিয়া এখন, বনে বনে ঘুমি হেখা * সে জিদি আসিত, তুথ তুরে জেত, দুখেতে হতাম শুখি॥ শুইলে ধুলায় ভালো হইত তায়, এ ধুলা অঙ্গেতে মাথি গুড় তাকে লয়ে জিনি, প্লায় নিরবধি, থাকিতাম অভিরত।।এ ধুলা জে সার, হইত আমার, জেনো ছলেমানি তক্ত * বিবি এই ব্লপে, কত মনস্তাপে, দেখ করে भाश कामि॥ कात्म উভরায়, করে হায় হায়, তু চক্ষে বহায় নদি * ছাড়িয়া তাহাকে, আসিয়া বিপাকে, এ দশা ঘটীল মোরে॥ মা বাপ তুজ্নে, আমার কার্নে, জিয়ান্তে জাইবে মরে * কেন তুনিয়াতে আল্লা পাক জাতে, পয়দা কৈল অভাগিরে॥ হয়ে না মরিহ্ন; কলঙ্ক করিমু, এ মুখ দেখাইব কারে * মায়ের পেটেতে, জিমানু জে ওতে (कन नाहि जाङा शिनि॥ जून पिय़ा शाल, जामारक मातिल, (थिहि কেনো পেরেসানি * জে তুথ আমার, জানে করতার, তাহা বিনে (क्वा ख्वारन ॥ (कन जाना शिद्रा, भग्नमा किन भारत, अ द्वक महिएड প্রানে * মরে জাব কবে, এ দুখ ঘুচিবে, বেচে কিবা ফল আর । সহেনা সহেনা, তুক্ষের জাতনা, কোথা আছো প্রানেশ্বর * এত থেদ করি, বহাইয়া বারি, গান গায় আক্ষেপেতে॥ কহে কবি कात, शाउना धवात, छनि धदि धरादि ।

米利可奉

কোথা ওহে প্রান নাথ দেখা দেও এ দাসিরে ॥ ভোমা বিনে দু নয়নে বারি ঝরে * ভূমি আমার প্রান পাখি, এস প্রাণ হৃদয়ে রাখি; কেনো আমায় দিলে ফাকি; বৃলহে স্বাম কিসের ভরে ॥ নল জেমন দয়মন্তি বিনে, ভামন করে বনে বনে, রাধে জেমন কৃষ্ণ বিনে, ভামা প্রানে রোদন করে * কোথা তহে প্রানকান্ত, দেখা দিয়ে কর খেন্ত, কোথা ছিল এ দ্রান্ত, আমারে লিলে হরে॥ কহে অধিনেতে বানি সোন ওগো মহারানি, তোমারও সে শুনমনি, বন্ধন জালায় জলে মরে *

* जिभनो छन्न * এয়ছাই গাইয়া গান; হৈল বড়া পেরেসান, সাহা জাদি আপনা দেলেতে॥ কি করিতে কি করিন্ন, বেওকুফ হৈয়া গেহ, আকেল খুণ্ডান্থ নিজ হৈতে * অবার নয়নে কান্দে, বুক আর নাহি বান্দে, তাহা বাদে কহে নেজামেরে॥হইয়াছে জা হবার, চারা কিছু নাহি আর, কহি কিছু তোমার থাতেরে * আর কহি তুরো আমি, ঠিক করে কহ তুমি, কেন তুমি পাপল হইলে॥ এহার ভেদের কথা, শুনিবারে চাহি হেথা, কারার হইবে ভবে দেলে * নেজাম শুনিয়া পরে, কহে বাত ধিরে২, এনছান হৈতে খাতা হয় মাফ কর ধরি পায়, না হইলে বাচা দায়, জ্ঞান দিয়া রাখনা আমায় 😵 ছুরত শুনিয়া তেরা; জিয়ান্তে হইনু মরা; তাই আমি করিতে দিদার বুঝিতে তোমার মন, এত কৈত্ব জালাতন, বেওতন না করিবে আর* সাহা জাদি তার পরে, কহে নেজামের তরে, তোর মনে এত জদি ছিল।শোনরে পাগল কহি, চারা আর কিছু নাহি, তেরা দেল জেথা শানে চল * নেজাম এ বাত শুনে, খোসালিত হয়ে মনে, কমলারে লইয়া সঙ্গেতে।জঙ্গল ছাড়িয়া জায়,শুমুখেতে বস্তি পায়, পৌছিলেন তাহার বিচেতে * কি কব বস্তির কথা, লেখা নাহি জায় হেথা, দেখে (मान (थामाल श्रेल॥ (मथा रिट्छ हल कांग्र, वाणिहा (क्थिड शाय्र, তার পরে ভিতরেতে গেল * গোলে লালা ফুলে তায়, দেখিতে বাহার দেয়, অতি সোভা গোলাবের গায়ে॥ গন্ধরাজ বেল কলি, বসিয়া ভ্ৰমর ওলি, মধু থায় তাহাতে বসিয়ে * সেউতি গোলে জুই, প্রাস আদি আর বছরাই, রাথিয়াছে বাহারের সাতে ॥ জুই আর জবা জাতি, মল্লিকে এ মালতি, অতি সোভা করিছে তাতে * মেওা গাছ কত ঠাই, তাহার সোমার নাই, কিছমিছ আনার সারিই॥ তরো তরো গাছ কত, রহিয়াছে শত্হ, এক মত আহা

यति । अति भारत । अति । अति । अति अति । अति আরাম পাইতে॥ গাছ পালা ছিল জত, কান্দে সবে অবিরত, দু জনার দেখে মহব্বতে

তল গাছ তলে, কিছুক্ষণ গোজারিলে আইল এক পরম সুন্দরি॥ পরিয়া চিকন সাড়ি, মন জেন লেয় কাড়ি, কি বাহার আহা মরি মরি * দেখিয়া যে দোহাকারে, রক্ম ঠকম করে, আইলেন হাসিয়া২॥ বলে এ কেমন রূপ, জেমন সুর্জের ধুপ, আইল বুঝি মানব হইয়া * হাত নেড়ে আখি ঠেরে, কহে কথা নাজ করে, ভোমরা কে কহ মোর ভরে॥ ঠিক করে কছ কথা, মনেতে পাইমু বেথা, দেখিয়া জে তোমা দোহাকারে * কেন ছিন্ন ভিন্ন হালে, বদে আছ গাছ তলে, মেরা ডেরে চলনা দেবায়। কেবা বল দু জোনাতে, আসিয়াছ কোথা হৈতে, সেই দুখ কহনা আমায় % গরিব মালিনি আমি, পতি ব্রথা নাহি স্বাক্ষি, এ বাগিচা জানিবে আমার॥ না ডরিবে দেল পরে, চলহ আমার ডেরে, এই দেখ বুপিড়ি আমার#শুনে দোহে খাড়া হৈল, মালেনি লইয়া গেল, আপনার ঝুপড়ির পরে॥ কহে হিন কবিকার, তুক্কু গেল দোহা কার, শুখ উপজিল এইবার *

* সাহাজানি কমলা বতি মালিনিকে আপনার * শ আহওালকহে *

* পয়ার ছন্দ * মালিনি লইয়া জিদি দোহাকে আইল ॥ আউ
ওল বিছানা পরে বিদিবারে দিল *থানা পিনা ডারপরে আনে পাকা
ইয়া ॥ থোসালিতে দুইজনে দিল থেলাইয়া * ভুকা ছিল তুই জোনা
থায় আছুদায় ॥ রাহের মান্দিগি ছিল শুয়ে নিন্দ জায় * তা বাদে
মালিনি তার ছেয়ানায় গিয়া ॥ কমলায় মুথ পানে রহে তাকাইয়া*
মনে মনে ভাবে এই ময়দ হইবে ॥ ছুয়ত বুয়ত এয় দেখি সেই ভাবে
এই কথা মালিনি জে ভাবিতে২ ॥ আসক আগুনে মন লাগিল
জানিতে * মালি কুলে জন্ম হই আমি হিন জাতি ॥ আমায়
সালেতে নাহি করিবে শিরিতি * এইয়পে মনে মনে ভাবিতে
লাগিল ॥ সাহাজাদি এয়ছা ওজে চেতন পাইল ঞ্জ ছেয়ানায়
মালিনি জে আছেত বিয়া ॥ তাহার নিকটে বিবি বিদল জাইয়া
**

याजिनी (পाष्ट्रिन माद्या कर विवदन॥ এখানেতে আ भिग्नाष्ट्र किरमद কারন * সাহাজাদি এহা শুনে কৃহিতে লাগিল। আমার কারনে তুমি মরদ না বল * সোন আমাজান আমি না জানি আওরত। নছিবের ফেরে আমি উঠাই সেদত * শুনিলে আমার হাল দুখ शार्व (मत्ना। जात कि निशिन विधि जागत कथाति * गनिनि শুনিয়া কথা হোস হার।ইল॥ আছমান টুটিয়া জেন ছেরেতে গিরিল * সাহাজাদি একে২ কহে মন দুখে॥ ঝর ঝর পানি তার পড়ে তুই চক্ষে * সোন আশা কত কব তুক্ষের কাহিনি ৷ সমস্ত श्विनिल शादि कदि कनिक्षिनि * कून मान मत (शन ऐेेेे पात्र कि कित কলঙ্কের ডালি আর বহিতেন। পারি * হায় হ কি করিব কেমনে वाहिव॥ जाभाव मत्निव छूथ किक्त्रि (नञाव * माहाजानि একে হাল আপনার।। মালিনির তরে জত কহে সারেওার * এতেক মালিনি শুনে চুক্ষিত হইয়া॥ কমলা বতির তরে কহে বোঝাইয়া* व्यात्मिमा ना कत भागा त्रक्र (भवा (फरवा। (वर्षे) (वर्षे) क्रिल् आव नार्कि মেরা যরে 🕸 নাহাজাদি এহা শুনে লেবাছ মরদানা। ওতারিয়া পিন্দিলেক লেবাছ জানানা * মালিনির ডেরে রছে খুদি খোদা-লিতে। অধিন নাপাক এহা রচে পয়ারেতে * নেজামের পরে দেখ দেইত মালিনি॥ কিরপে আসক হয় শুন সে কহিনি ঞ্জ

* নেজাম পাপল রাক্তস মারিতে জাইবার বয়ান প্র

* পয়র * নেজাম কমলাবতী মালিনির ডেরে॥ খুসি খোসা-,
লিতে থাকে গম নাছি করে * রোজং মালিনী জায় নেজামে,
দেখিতে॥ এয়ছাই কএক রোজ গোজারে তাহাতে * কিন্তু মালি
নির দেলে এক্ষের চেরাগ॥ রাত দিন জলিতেছে না মেটে সে দাগ
এক দিম মালিনি জে কাছেতে বিদিল॥ রমজের কত কথা কহিতে
লাগিল * এহাল দেখিল জদি সাধুর কুমার॥ মালিনীর তুরে মর্দ্দ
কহে থবরদার * নোনগো মালেনি সোন হুসিয়ার হও॥ কথা শুন
বুঝে দেখ খোদাকৈ ডরাও * বিদ কাম আমা হৈতে হরগেজ না
হবে॥ খোদার ওাত্তেতে মুঝে মাফ যে করিবে * হালাল হইলে
পরে করিমু কায়ার॥ জেনা কামে দু জনায় হব গেরেপ্তার *এইরূপে
মালিনিরে রাখে বুঝাইয়া॥ মালিনি চলিয়া গেল মন মরা হৈয়া *

(निकाम ভাবেন মনে এড়াইমু দায়॥ এখানেতে থাকা আর উচিত न। इय * वाशनात मत्नर कतिया विष्ठात ॥ मारुना (लवाष्ठ शिल्म इंडेस (उशाद ॥ त्राकाद पदयाद (क्या थित्रर काय ॥ এक कार्न वनाইয়া পুছিল তাহায় * - ওখানে লোকের ভিড় বলনা কিনের বোঝাইয়া কহ ভাই আমার খাতের * সেই যণ্ডা মর্দ্দ কহে এ কথা শুনিয়া॥ এমন পাগল আইল কোখায় থাকিয়া * তুমি বুঝি নাহি कान वाभारपत राम॥ এথানে ताक्रम এक वास्म श्रामश्रम * একেলা পাইলে তারে ধেরে লিয়া জায়॥ জঙ্গলে লইয়া মুজি পেট ভরে খায় * বোজহ এখানেতে আদিয়া সয়তান॥ এই দেশ সেই मुक्ति कितिन कितान * ध कात्र म महात्राक्ता करह वार्त्तर (क किन মারিয়া সেই দিবে দুরাচারে *অদেক রাজতি দিবো তাহার লাগিয়া। কহিতেছে এ কার্নে সবার লাগিয়া * আর এক কুণ্ণারি জে বেটা আছে তার ॥ তার সাতে দিবে সাদি করিল কারার * কি কব ছুরাজ তার আহা মরি২॥ তাহার ছুরতে মোহ জায় হুর পরি 🕸 এয়হা রূপ আল্লা তালা দিল বকসাইয়া॥ রূপের জুণ্ডার জেনো চলেছে বহিয়া * নবিন বয়েশ তার প্রথম জৌবন॥ সেরপ দেখিলে তপ ছাড়ে জোগিগন * निकाम পাগল कपि ए निल এ कथा॥ कर् আমি এই কাম করিব আলবতা * এতেক কহিয়া মর্দ্দ হেম্মত क्रिया॥ त्राकात पत्रवात विटि शिष्टिल कारेया * वापमारे वापन (জয়ছা করিল বাজায়॥ রাজা বলে কহ বাবা কি কাম হেপায় * किवा नाम (कार्या घत अटन कि कांत्रन॥ (कनवा आईटन (रूथा কহনা এখন * নেজাম শুনিয়া কহে শুন নামদার॥ পূর্ব দেশে বস वाम सानित्व जागात * छ अनागति (भमा काम ছ अनागत जाना এথানে কেছমত জোরে পৌছাইল খোদা *অপনারনাাম ফেরক্তেন নেজাম॥ কমিনা খাদেম এই তোমার গোলাম * লোক মুথে শুনি য়াছি মহর তোমার॥ খারাপ করেন এক এসে তুরাচার * এ কারৰে হুজুরেতে পৌছিরু আদিয়া।(খাদা চাহে তারতরে আনিব মারিয়া* ছুকুম লইতে আনিয়াছি ছুজুরেতে॥ শুন আলম পানা বাত রাখো কদ্মেতে * বাদ্যা ক্তে শুন আহ্মদ মাজাল ৷ যেহের তোমার পরে হোক জোল জালাল্ল*হায়াত দারাল তেরা করে পাক বারি॥ খোদার দরগায় এই মনাজাত করি%নামিং পাহলোওান চোনেশা

ছপ্তার॥ ভরেতে না জায় কেহ ছামনে তাহার * এয়ছাই তুরাচার রাক্তস বেপির॥ কেহ না মারিতে পারে তাহার খাতির 🛪 লাড়কাই ওশার বাবা তুমি কি করিবে॥বডা জবরদন্ত মুজি আটিতে নারিবে* নিজাম এ কথা শুনে কদম চুমিয়া॥ কহে এ গোলামে আপে দেহনা ভেজিয়াঞ্দোণ্ডা কর আলম পানা আমার থাতেরে॥ বেন্দে জেনো এনে (দই সেই তুরাচারে * বাদনা বলে ভেজিবারে ভোমার থাতের (क्म (यदा नाहि हार किट (यद (यद * किन एन एन यावा ভোমার লাগিয়া॥ মওতের হাতে তুঝে দিইব শুপিয়া শ্লু আর জিদ তেরা তরে পাঠাইয়া দিব॥ কেমনে লোগের কাছে মুখ দেখাইব * ক্রিবে দেয়ের লোগ লানত আমায়॥ বিদেশি বলিয়া তাই তেজিল ভাহায় * নিজাম কহেন এ আরঙ্গ মেরা লেহ।। সেই মুজি কোথা থাকে বাতাইয়া দে২ * বাদসা বলে কভু মেরা না শুনিলে মানা॥ **जानमात्र** कान नित्व कारक राम काना * उत् छन करि वावा ঠেকানা ভাহার॥ এই রাহে আদে সেই কমিনা গাঙার 🗱 নিজাম পাইল জিদি রাক্ষদের ঠেকানা॥ অধিন নাপাক কহে ভাবিয়া রহানা

* সাহাজাদি কমলা বতির নিকট হইতে নিজাম বিদায় হইবার বয়ান *

वाश (हो अनी अ वानमा बाश हरेंग्रा विनाय र ॥ निकाम চिनिया আইम, মালিনির ঘরে গেল, কমলা বতি ছিলেন জেথায় * ছাতি পরে রেখে দোন হাত ২॥ ছালাম তছলিম পরে, বিবিকে আরজ করে, নরম জবানে কহে বাত* শুন বিবি আরজ আমার ২॥ এইড দেশের বিচে, বড়া এক দোস্ত আছে, মোলাকাতে জাইব ভাহার * আমাকে জে দেহনা বিদায় ২॥ হপ্তা রোজের পরে, তা वादन ज्यामिव कित्त, यामाकाज निरुव जामाय़ * विवि जिन ज कथा अनिल २॥ कथा नाहि मत्त्र मूरथ, शानि यद मान चारथ, हिन्द्रा তার বেগড়িয়া গেল * কভক্ষণ গেল এরপেতে ২। তা বাদে निक्षार्य याम, এই ছिল তোর দেলে, এই দশা ঘটাবে শেষেতি * নাহি ভেত্রি ভেতে দিব আমি ২॥ দেখিয়া তোমার মুখ, পাসরিত্র निकाय शाशना,

সব তুথ, ফের কেন জেতে চাহ তুমি * জিদি তুমি জাইবে ছাড়িয়া ২॥ আগেতে আমার তরে, তলপ্তার মারিয়া ছেরে, মার তুমি আমার লাগিয়া * তাহা বাদে দেল জেথা মানে২॥ সেথানেতে জাহ চলে, থাক গিয়া খুনি হালে, জিতা জেনো রাখে ছোবহারে * নেজাম জে এতেক শুনিয়া২॥ চালাকির সাতে মর্দ্দ, আথে আছু দেলে দর্দ্দ, পাও পরে নিরিল জাইয়া * শুন বিবি আরজ আমার ২॥ বিদায় দেহনা মুঝে, কারার দিইনু তুঝে, হাপ্তা রোজে করিব দিদার সাহাজাদি এই কথা শুনে ২॥ তু আঁথেতে বারি বহে, কান্দিয়া ২ কহে, দিনু তুঝে সুপিয়া রহমানে * আর বিবি আঞ্চটি আপনার ২॥ নেজামে খুলিয়া দিল, তামাম কহিয়া দিল, বড় ফায়দা হইবে জোমার * বাগ ভাল রাক্কস দেও জতং। আফটির ব্রকতে, জেথা তাবে পাবে ফতে, সকলে হবে বিস্ভৃত * এত বলে করিল বিদায় ২ বাদ সার আগেতে গেল, ছালাম তছলিম কৈল, তাহা বাদে নেজ লিয়া জায় * একেলা জে হৈল রাহাদার ২॥ অধিন লাচার বলে, নিজাম জঞ্ললে চলে, রাক্ষ দেরে করিতে সংহার **

* तात्र भ्यात् *

নিজাম বিদায় হৈয়া চলে নেকলিয়া॥ বেবাহা জন্মলৈ এক পৌছল জাইয়া । জন্ম জন্মল বিচে জাইয়া পোছিল॥ যোর অন্ধকার হৈয়া জুফান হইল * বহিতে লাগিল হাওা ঝড়ের প্রমান। জুফানে পড়িয়া মর্দ্দ হইল হয়রান * রপ্তে রপ্তে সেই হাওা কম জিদ হৈল। আজিম রাক্ষ্ম দেও জাহের হইল * নিজাম দেথিয়া দেও গেলা ভরাইয়া॥ বলে আল্লা এ আফতে লেহ বাচাইয়া * ছওদাগর জাদা দোওা মান্সিতে আছিল॥কমিনা রাক্ষ্ম দেও টুটীয়া পড়িলঞ্জ কিন্তর দেখিয়া এহা নিকালিল তেগ॥ দেখিয়া সে দুরাচার পাইয়া দেরের পালাইয়া জায় গিমি জল্পল ভিতরে॥ সাধুবর পিছে পিছে জায় কত দুরে * সয়তান, রাক্ষ্ম গেল গায়েব হইয়া॥ নেজাম তাহার পেছু দিলেন ছাড়িয়া * জখন কমিনা দেও গায়েব হইল॥ যোর অন্ধ কার জত তামার ঘুচিল * তাহা বাদে সাধুবর গোন্ধাতা ভরিয়া॥ জে দিগে কমিনা দেও গেল পালাইয়া * সে দিগে নিজাম চলো খুলিয়া তলওার। এয়ছা ভাতে কত দুর চলে জোর আরৈ * দুই

নির কোস এয়ছা ভাতে নেক লিয়া গেল॥ তবু সে কমিনা দেও দেখা না পাইল * তার পরে ছত্তদাগর জাদা আথেরেতে॥ লাচার ইয়া বদে গাছের নিচেতে * আপনার মনে মনে কত কথা বকে॥ এ সব তুক্ষের কথা বলি আর কাকে 💠 কি করিতে কি করিন্থ আগে না বুঝিন্ত।। আপনার পায়েতে আপে কুড়ালি মারিনু * আছিলে আপনা ঘরে খুসি খোসালিতে। কু দুলা ঘট্টিল কেন ভাইলে বানি জ্জেতে * মেছি ফ্রিন সাতে কেন আলাপ করিলে॥ জবানি শুনিয়া তার পাগল হইলেঞ্জাহার কারনে এত খেচ পেরেসানি॥ (কাথাবা রহিল সেই মোর গোল জানি ৩ই রূপে আপনাকে ফজিহত করে॥ শেখা হৈতে তার পরে হাটে রাহা পরে * এয়ছা ভাতে কত তুর নেকলিয়া গেল॥ আজিম মাকান এক দেখিতে পাইল * আলিশান শে মাকান চৌদিগে প্রাচির॥ দেখিতে না পায় মর্দ্দ বসতি আদমির ভাবিতে২ গেল নিকটে তাহার॥ মাকান দেথিয়া মর্দ্দ হৈল জারে জার * বিরান হইয়া গেছে সেইত মাকান॥ নেজাম দেখিয়া মনে ভাবিয়া হয়রান * থিয়াল করিল ফের ভিতরে জাইতে। দরওাজা না খুজে পায় ঘোমে চৌদিগেতে ৪৯ বহুত চুড়িয়া শেষে দরভাজা পাইল ॥তা বাদে নেজাম তার ভিতরেতে গেল * আদ্মের গ্রাগ্য কিছু নাহি পায়॥ ভাবনাতে দেল বানা চারদিকে চায় * দেখিল পিঞ্জরা জত ঝোলে ঠাইং॥কতরঞ্জ পাথি আছে লেখাজোখা নাই* তার মধ্যে তুতি এক বড়া খুব ছুরাত॥ জবান খুলিয়া পাখি কহে এই বাত *শুন ছওদাগর জাদা আরজ আমার॥ বহুত মুদ্দত আছি তেরা মুন্তেজার

একথা বলিয়ে তুতি চুপহৈয়া রহে॥ থামোস হইল আর কিছুনাহি কহে#নেজাম শুনিয়া এহা ভাবিয়া আথেরে॥অবলা জানওার মোরে চিনিল কি করে * এতেক ভাবিয়া মনে পুছেন ত্রতিকে।কেমনেতে বল ভুমি চিনিলে আমাকে * ভুতি বলে আল্লার (श्ट्र कियात भरत॥ এ कात्र जिनिनाम (जीमात शाक्त अ নেজাম শুনিয়া কহে তুতির কারনো। এ মাকান কার তুমি বলহ এক্ষনে * আদমের গ্যাগ্য নাহি কেন হেখা॥ কাহার নাকান এই রহে দেহ কোথা

श আর এই দেশ কেন হইল বিরান ॥ একে২ কহ তুমি তাহার ব্যানঃতথন ভুতি কহে ব্য়ান করিয়া॥ শুন ছওদাগর। জাদা দেল লাগাইয়া * ছোলতান বাদসার এই মাকান জানিবে॥

কত বাদসা ফরমা বরদারি করে সবে * বেরাজ ভেজিত সবে এইউ বাদসায়॥ এই রূপে কত কাল গোজারিয়া জায় * আচসিত রাক্ষ্য এক পৌছিল আসিয়া॥ বহুত আদমে গিধি ডালিল খাইয়া * এই রূপে রোজ্য সেই দুরাচার॥ আসিয়া জে খেয়ে জায় সেইত বদকার হাতি উট ঘোড়া ঘড়ি খাইয়া ডালিল॥ বিরান করিল দেশ বাকি না রাখিল। তাহা বাদে খাইলেন বাদসার তরেতে। কেছ না বাচিল সেই মুজির জে হাতে * কিন্তু এক বেটী তার রহিল বাহিয়া॥ কব ছুরুত তার বয়ান করিয়া * আর সেই আছে বিবি জিয়াতে মরিয়া॥ আজ মরে কাল মরে এয়ছাই হইয়া শ্বিবিকে রাখিল থালি থেদমতের তরে॥ দিনে মারে তারতরে রাতে জেন্দা করে * আর হেকমতের কাটি তারে ছুওাইলে॥ আর সেই বাচে বিবি কাটি (इलाइटल * एक वावा भाव जिन विविद्य लाशिया॥ আপনা कित्रिया वाथ वाक्तिम गाविया * किक्तिथ गावित कि एक्मक जाहाव॥ কুণ্ডা এক আছে এই ঘরের মাঝার * এইত কুণ্ডাতে আছে রাক্ সের জান। মারিবারে পারো জদি শুন মেহেরবান * কুণ্ডার यायात्र जूमि काइत्व नाविया। ডिবে এক পাবে তায় नहेत्व जानिया ভোমরা আছেত সেই ডিবার মাঝার॥ কি রূপে মারিবে ভায় শুন नामपात * ছाই लिया कमा करत छाशत छे भत्र॥ मातिया छा निर्व সেই মুজির খাতের * এমন হেকমতে মারিবেক সেইত কমিনে॥ এक জाরা খুন জেন না পড়ে জমিনে * তাহা হৈতে একেতে সত্তর হবে পয়দ।।। আহওাল কহিনু তুঝে ছওদাগর জাদা * আরু জদি নাহি পারো মারিতে তাহায়॥ জিতা না রাখিবে গিধি মারিবে তোমায় * তৃতির জবানি ভেদ কিন্ধর পাইয়া॥ ছওদাপর ভাদা বড়া খুণিতে ভরিয়া * কহে এই কমবজ মুদ্ধি সে দেশেতে গিয়া। আদ্মের তরে গি্ধি খায়ত ধরিয়া # এ কারনে সেই দেশ হইল विद्रान॥ পग्नाद्व विद्या कट्ट ज्या नानान *

কুণ্ডা হৈতে রাক্ষসের জান নেকলিয়া মারেও
লালমতিকে শাদি করিবার বয়ান
 প্রার
 কুতির জবানি ভেদ পাইয়া নিজাম॥আপনার দেলে ভাবে
কিবা করি কাম
 ভাহা বাদে হেম্মত করিয়া নামদার ।। সান্দাইল

शिया (मই द्यादात्र भावात्र * कूहात्र निकरि भन कार्रेश (भोष्टिन । আজিম পাথর এক ভাহে ঢাকা ছিল * রাথিয়াছে তুরাচার মুখেতে कुष्टात् ॥ (किंक मिय जात जित माम दल कात ॥ शाथत पिथिया मिल রহিল হয়রাণে॥ বলে পাথর আমি ফেকিব কেমনে শ্বরিলে হাজার জোনা এইত পাখ্বে॥ তবু নাহি হেলাইতে পারিবে এহারে # এই ক্রপে ভাষা গোনা করে মনেই॥ তুতি পাখি দেখে বলে নেজাম কারনে শশুন ওহে ছওদাগর করনা হেম্মত। হেম্মত করিলে আল্লা হুইবে মদত *এইত পাথর তরে দেহনা ফেলিয়া॥ মকছেদ হাছেল হবে দেখনা বুঝিয়া * তুতির জবানি এহা শুনিয়া নিজাম॥ কুণ্ডার निकटि (खर्य कद्व किया काम * लहेया जालाव नाम कू निया श्रिल ॥ একদমে ওঠাইয়া ফেকিয়া দিইল ¾ তবে উত্তারিল বেয়ে কুণ্ডার সাঝার॥ চুড়িয়া ফেরেন সেই কারণে কৌটার* বহুত চুড়িয়া পাইল কৌটার লাগিয়া॥ হিরা মতি লাল কতো আছিল পড়িয়া * আপনা মতলব পেয়ে ছওদাগর জাদঃ॥ কুঙা হৈতে উঠিলেন দেলে ভেবে খোদ। **তাহা বাদে ছাই জনা বহুত করিলা। আপনি কেনারে তার গিয়া থাড়া হৈল * কৌটার তালি মর্দ্দ থোড়েক খুলিয়া॥ নেযাও করিয়া মর্জ দেখে তাকাইয়া * দেখিল ভ্রমরা এক বড়া চমৎকার॥ আর এক লাল আছে দর্মিয়ানে তার * তাহার কি জোত জানে পরপ্তার দেগার॥ তেয়ছা লাল নাহি আর তুনিয়া মাঝার * ধেই नान निया प्रक पाप्त वाथिन॥ তাহা বাদে মনে মনে ভাবিতে लागिल * (कग्रान गातिव এই किंग्नात जान॥ এই कथा पिलिश ভাবিয়া হয়রান * এত তেবে দোন পাখা ভাঞ্যা তাহার॥ ভাহাতে দেওয়ের হাত ভাঙ্গা গেল তার ক্ষ মালুম পাইয়া দেও আসিতে লাগিল।। এক পাঙ্ড ভ্রমরার নেজাম ভাজিল * এক পাঙ্জে তবু পাপী লাগিল আমিতে॥আর এক পাঙ্ক মাদু ভূড়িল মে মতে * তবু সে কমজাত দেও গোসায় ভরিয়া॥ বাঘের মতনে আইল পতিজ্যা ২ % তার পরে খুব জোরে দাবিয়া ধরিল॥ ভ্রমরার জান ত্তবে নেকলিয়া গেল ¾ জান নেকলিয়া জদি গেল ভ্ৰমরার॥ পটকান পাইয়া গেরে দেও তুরাচার * কমিনা রাক্ষস দেও মারা জদি গেল॥ নেজাম আলার কত সোকর ভেজিল * তার পরে পোছে সেই তুতির থাতেরে॥ কোগা সেই বিবি আছে কহ মেরা তরে * তুতি

কহে আছে ঐ ঘরের মাঝার। দেখ গিয়া কুলুফ তুড়িয়া এই বাঃ 🗯 এ কথা নেজাম শুনে খোদাল খাতেরে॥ দরওাজা তুড়িয়া গেল ঘরের ভিতরে * দেখিল সাদ্বর পালঙ্গ উপরে॥ শুয়ে আছে সাহা काि (पिथिन नक्दा क्र कि कर क्रिथा क्या (क्या) शूर्व गिना। नि জেনো ভুতলেতে পড়িয়াছে খদি *এয়ছা রূপ কভু আমি না দেখি চক্ষেতে।। হামরে কখিনা দেও সারে কি জন্যেতে *সওদাগর জাদা এত মনেতে ভাবিয়া|বিবির ছেরানায় মর্দ্দ বিদল জাইয়াঞ্চেরানার তুর্টি কাটি ধরা আছে তার॥ পাঙের দিগেতে এক কার্টি আছে আর

ভার

ভার বিবির গায়েতে * তখনি জে সাহা জাদি জাগিয়া উঠিল॥ আৰি थूल माराजाि (नजािन (पिथल 🗱 (नजािम पिथा। विवि সরম পাইয়া॥ সরম পাইয়া মুখ লিল ছাপাইয়া * মুম্টা হৈতে সাহাজাদি এই কথা বলে॥ রাক্ষস পুরিতে তুমি কেয়ছা ভাতে এলে 🕸 এমন তুম্মন বল কে ছিল তোমার॥ তোমাকে ভেলিয়া पिल वाक्यव गांवाव * यून्ट विष्नी किट यून (पल पिवा॥ शाला ইয়া জাহ তুনি জান বাচাইয়া * এখনি আসিবে সেই দেও দুরা চার॥ (দখা পেলে জান (তরা মারিবে গাঙার * বিবি বলে কহ তেরা নিজ বিবরন।। তোমার আহতাল বল আমার কারণ 🗱 নিজাম এ কথা সুনে কহিতে লাগিল॥ একেং সাজাদিরে তামাম কহিল * জেরপেতে আইরু আমি ছওদাগরি ভেসে॥ জেরপে আইনু ফের কমলার তল্লাসেঞ্কজেরপে শুনিনু এই রাক্ষসের কথা॥ জে রূপেতে তোমার তল্লানে আইন্ন হেথ। * জেরপেতে তুতি মুথে পাইনু সমাচার॥ জে রূপে জাগাইনু কার্নে তোমার * এছাই শুনিয়া বিবি হইল খোসাল॥ মাতার সিন্দ ক জেন পাইল काक्षान * এতেক বলিয়া বিবি আইল বাহিরেতে॥ দেখে দেও মড়ে আছে জমিন বিচেতে ॐ তার পরে পায়ে গিয়া ধরে নিজামের॥ জান দিয়া বাচাইলৈ আমার খাতের * কেমনে স্থাধিব ধার বলত ভোমার॥ আপনা করিয়া মুঝে রাথ নামদার 🕸 এতেক বলিয়া বিবি মালা হাতে লিয়া॥ নিজামের গলা পরে দিল পরাইয়া * নিজাম আপনা মালা খুলে গলা হৈতে॥পরাইয়া দিল মর্দ্দ বিবির গলেতে* व्यक्त वक्त किन भाना (पश्चित्र।। अभन पश्चत्र (पथ ছिल व्यार्भ

কার * এই দ্বাপে দোহার বিয়া জদি হৈল।। খুসির তুফান এয়ছা দোহার বহিল * বিবি বলে শুপে দিরু ইজ্জত আমার।। জান মাল তেরা নামে করির নেছার * এয়ছাই কহিয়া দোহে ভরিয়া খুসিতে জাইয়া বসিল ফের পালঙ্গ বিচেতে * বিরহ আনল জলে উঠিল দোহার।। অবস হইয়া গেল নাহি সহে আর * ছওদাগর জাদা কহে বিবির থাতের।। মিলন সরবত দেহ নাহি সহে দের * দোহে দোহাকার খোসে খুসিতে ভরিল।। সে সব খুসির কথা লেখা নহে ভাল * জে জোন রিসক হবে বুঝে ইসারায়।। খোলাছা করিয়া লেখা উচিত না হয়*শুইয়া রহিল দোন খুসি খোসালিতে।। অধিন নাপাক এহা রচে পয়ারেতে *

* রাজ কন্যা কমলাবতীর খেদ *

প্যার * রাত পোহাইয়া জদি বেহান হইল॥ ফজরে উঠিয়া দোহে গোছল করিল * তাহা বাদে খানা পিনা পাকাইয়া খায়॥ আরামেতে চৌদিগেতে ঘুমিয়া বেড়ায় *এয়ছা মহব্বত দেখ হৈল তু জনতে।। এক লহজা কেহু কারে না পারে ছাড়িতে । দিনে দিনে মহধ্বত বাড়িতে লাগিল॥ এই রূপে হপ্তা রোজ গোজারিয়া গেলঃ ভার পরে শুন সবে জত বেরাদরে॥ এখানে কমলা বতি মালিনির তরে *শুনগো মালিনি আত্মা শুন দেল দিয়া॥ পাগল করার দিয়া পেলেন চলিয়া * মেরা সাতে তু দিনের করিয়া কারার॥ আসিব विनिया (গছে ना जामिन जात * जाक (नथ जाहे (ताक (नाकातिया পেল ॥ তবু সে পাগল যোর কেন না আইল * আমার দেলেতে थाया ना लिय कातात॥ दुवि (म भागल (मता ना णामित्व णात * কৈ বুঝি তাহার তরে কয়েদ করিল।। প্রেম ছুরি দিয়া তারে বান্দিয়া রাখিল * ফাকি দিয়া মোর তরে আনিয়া হেথায়॥ ফেলে ৰুঝি পালাইল মরি হায়২ * না বুঝিয়া তার তরে সাতে করে লির।। আপনার আক্রেলেতে আপনি মরিরু * থামাথা মজিরু আমি পাগলের পিরিতে॥ কি তুক্ষেতে আইনু আমি পাগলের সাতে *

* গান রাগিনী বাহার তাল মধ্যমান *
না বুঝিয়া মজে গেলু পাগলেরী সাতে॥
পিরিডের এই কি রিতি কান্দীতে হয় শেষেতে *
আগে জদি জান্তাম মনে, না মজিতাম তার সনে
ভেবে সোরা হলেম প্রাণে, বারি বহে দু চক্ষেতে।
পুরুষ নিদয়া জাতি, দয়া নাহি কারো প্রতি, করে
আমায় এদুর্গতি, কান্দাইল পথে পথে * ভেবে ভেবে
তত্ম ক্ষিন, রাত্রকে করিন্তু দিন, না আইল সে কঠিন,
চেয়ে আছি পথে॥ হিন কবিকারে ভনে, ভেবনাগো
রাজ কন্যে, ধৈজ্জ ধর গো প্রানে, চলিন্তু আনিতে *

* মালিনি নেজামকে লইয়া কমলাবভীর সহিত
* মোলাকাত করাইবার বয়ান *

পয়ার # মালিনি ক্ছেন বাত ক্মলাব্তীরে॥ ছবর করিয়া त्रष्ट (परमत्र गायादित ३६ जाला जिप जिजा त्रां काहर्त जारात আলব্তা ভোমার সাতে হইবে দিদার * চল বিবি জাই চল বাগা (नद्र विटि॥ (पल वाङ्लाइदा) (क वाजिव जाङात लिएक माश्राकापि শুনে এয়ছা বিচলিত মনে॥ মালিনির সাতে বিবি চলিল বাগানে वाशात्म ज्यामित्रा (पाट्य घाटिट विनल॥ कुलात वाशात विवि দেখিতে লাগিল ঋ সুনহে রসিক লোগ দেল লাগাইয়া॥ উপরেতে জেই কথা আইনু ছাড়িয়া * এখানেতে সাধুবর লালমতি লয়ে। थुनिए लाजवान कर्त (প্রমেতে মজিয়ে 🛠 এক দিন নেজামের (प्रत्लिक क्वाजिन॥ कमलावकौत्र नाम ইग्नाप रहेन * कान शाल আছে সেই মাসুক আমারাকে মোরে আনিয়া দিবে খবর তাহার তু দিনের করার করিয়া তার সাতে॥ নেকলিয়া আইন্থ এই রাক্ষসে মারিতে 🔆 এতেক ভাবিয়া দেলে নেজাম পাগল॥ সাহানা লেবাছ মর্দ্দ তেজিয়া সকল * নিত ঘরের লেবাছ আগে পরিত জেয়ছাই॥ আপনা ওজ্বদে মর্দ্দ পিন্দিল তেয়ছাই * তাহা বাবে গান্তা আর नाषु शां अत्या। (नकलिल मान्यव श्रीमना रहेदा * जामामा (पश्चिमा माठू हत्ल हाहा श्रद्या श्रीहित्लन शिया (क्रश

00

वानिनित्र यत्र अभ गानिनि वाशित छिन (निकाय (निश्रा॥ थ्रित মৌজা ভার ডিটিল জাগিয়া * খুসি ভরে দেল ভার তড়পিতে लाभिल॥ (कथान्टि वाक कना) कारेया (भोष्टिल क्षकरिक लाभिन भारिंग (पर्थ अटम छूमि॥ খूमित थरत अक जानियाछि जाशि * क्रीरात्र नागिया जूमि পाইতেছ दूथ॥ कान्मिया जूमि नार्रि वान्म রুক * সেই জে পাগল তোর আদিছে রাহেতে॥ দেখিয়া আইরু আমি আপন চক্ষেতে * এ কথা শুনিয়া বিবি কান্দিতে লাগিল। व्यात्र कि शाशन (मात्र व्यामित्य (म यन 🗱 (यह किया व्याह्य (मरे আমার পাগল॥ আর কি দেখিব তার বদন কমল 🗱 মিছে তছল্লি কেনো দেহ মোর তরে ॥আর কি পাগল এদে দেখা।দিবে মোরে* यालिनि वर्णन गार्गाना कानिए जाइ॥ युष्टे नाहि कहि जागि काइरन তোমার * কছম করিমু তের। ছেরে দিয়া হাত॥ তেরা সাতে নাহি করি চাতরির বাত 🧩 সাহা জাদি কহে এহা ঠিক জদি হয়॥ এনাম বধসিম আমি দিব জে তোমায় * আমার গলেতে আছে সাত নরি हात॥ এথনি খুলিয়া গলে দিইব ভোমার * দু জনায় এই কথা হইতে আছিল॥ হাসিতে ২ হোথা নেজাম পৌছিল * সাহাজাদি নজালেরে তথন দেখিল॥ বাগে গোলেন্তার মত ফুটীয়া উঠিল * কি यनिष्ठ किया यस ठिकाना ना यस मा यात्र कार्न भरत निकारमञ्ज গলৈ * অধন নাদান কহে শুন বিবি জান। তুক্ষু ভাবে এখানেতে গাও এক গান *

* গান রাগিনি বেহাগ তাল থাছাজ *

এসহে প্রাণ, হৃদয়েরী ধন, হেরি তোমারে; ভরি তুনয়ন। তোমারি তরে, এ হৃদি বিদরে, ভাসে তু নয়ন,॥ কতদিন কেদে, আকুল হয়েছি, তোমারি তরে কত সয়েছি। এস নয়নেরি বারী নিবারী, করি আলিজন॥

* নিজাম রাজ দরবারে জায় ও লাল লইয়া রাজাকে দিবার ব্য়ান*
ক্ষ পয়ার ছন্দ ঞ্চ সাহাজাদি গান গেয়ে দুক্ষিত হইয়া॥ নেজা
নের তরে কহে কান্দিয়া কান্দিয়া * মা বাপে ভুলিন্ন আমি পাইয়া
ক্ষ নিজাম পাগনা,

* (*

'U? '4

ভোমায়॥ ভোমাকে পাইয়া ভুলি উলির জাদায় রু এতেক করিন दौन कमना सुन्नति॥ (म मव शिष्ट्रन क्था निश्चिष्ठ ना भाविक छात्र পরে থানা পিনা নিয়ামত লিয়া॥ নেজামের তরে বিবি দিল থেলাইয়া খানা পানি খাইয়া জে নেজাম মদানা॥ বাহিরে জাবার তরে করিল বাহানা * বিদায় হইয়া আইল আপনার ঘরে ৷৷ সাহানা লেবাছ মাল পিন্দে তার পরে ৪৯ জেই লাল পেয়ে ছিল কুণ্ডার মাঝার॥ সেই लाल लिया চলে হুজুরে রাজার *জাইয়া পৌছিলমর্দ্দ রাজার দরবারে জিমিন চুমিয়া পিছে ছালাম গোজারেৠদামন হইতে লাল খুলে খুমি মনোনজর ধরিল লিয়া রাজীর ছামনে * নিজামে দেখিয়া রাজা খুনি হৈয়া দেলে॥ পিয়ার করিয়া তায় ওঠাইয়া কোলে * বহুত পিয়ার করে নিজামে লইয়া। কত দোওা দিল তায় ছেরে হাত দিয়া *লাল পেয়ে রাজা বড় হইল খোসাল॥ কহ বাবা কোপা পেলে বছ মুল্য লাল* মহারাজা সেই লাল লিয়া তার পরে॥ দেখিতে দিলেন আ জম উজিরের তরে ३ আজম উজির দেখে খোসাল হাজার।। তাবাদে দিলেন লাল হাতেতে রাজার 🛠 লাল দিয়া কহে ফের উজির আজম তুনিয়াতে নাহি দেখি উড়িল ফহম*এয়ছা লাল কোন কালে নাহি দেখি আমি ॥ মূল্য না হইবে দুনিয়া বেচিয়া তামামি * তাহা বাদে কহে রাজা নিজামের তরে॥ কহ বাবা গেলে তুমি জাহার থাতেরে* নিক্ষাম রাজার জদি আদেশ পাইল॥ একে২ জত হাল কহিতে লা পিল * জেয়ছা ভাতে পৌছি এক জন্ধল মাঝার। জেয়ছা ভাঙে মাকানাত পাই দেখিবার * জেয়ছা ভাতে তোতা পাথি ভেদ বলে মরে॥ জেয়ছা ভাতে গেরু আমি কুণ্ডার মাঝারে * জেয়ছা ভাতে কৌটা তরে ওঠাইয়া লিন্ন॥ জেয়ছা ভাতে রাক্ষসেরে মারিয়া ডা লিহু * জেয়ছা ভাতে বিবি তরে জাগাইনু গিয়া॥ জেয়ছা ভাতে সাদি করি বিবির লাগিয়া *এতেক স্থানিল জদি নেজামের মুখে। পি য়ার করিয়া রাজা লাগাইল বুকে * জে কাম করিলে বাবা লাড়কাই উন্মরে ॥ হাজার সাবাসি তেরা বাজুর উপরে*এতেক কহিয়া রাজা মহলেতে গেল। রাজরাণি তরে গিয়া তামাম কহিল (ব বাহা কি শ্মত লাল পাইয়াছি আমি॥ মুল্য না হইবে তুনিয়া বেচিলে তালামি মহারাণি কহে মুঝে দেহ সেই লালারাজ। স্থান দিইলেন হইয়া খো मान * लाल (পয়ে রাজরাণি খোদাল হইয়া॥ সুমতি খেটির তরে

मिन दोनाहेश * गाथिया मिनान दिन सूम्जित गतन॥ यासादि রহিলে সেই দপং জলে

শংগ্রমনি চমক তার কি কহিব কায়॥ সে লা লের পরে নাহি চক্ষু ধরা জায়*মহারাজা কছেফের রাণির খাতেরে কারার দিয়াছিআমি জামালের তরে *সুমতির বিবাহ দিব নিজামের সাতে। ওদুল না হবে মোর জিদেগি থাকিতে * বড়া জ্বণ্ডা মর্দ্দ সেই বড়া বুদ্ধিমান॥ কি কব রূপের কথা না হয় বয়ান । বাফদে মারিলো শে একেলা জাইয়া৷৷এই লাল এনে ছিল আমার লাগিয়াঃ

সেত্র জাইয়া৷৷এই লাল এনে ছিল আমার লাগিয়া

সংজ্যেছাই সুমতি মোর জামাই তেয়ছাই॥গামার কুগাল গুনে মেলাইল সাই* মহারাণি সুনে এহা থোসাল হইল॥ তুমি রাজি আছ জাতে কি ক হিব বল * ভাল দিন দেখে কর বিবাহের দিন॥ কায়েম রাথেন জো ড়া এলাহি আলমিন*তার পরে স্থুন সবে রসিক সুজন॥পুর্বা দেশে ছিল এক নামেতে বাহমন * বেবাহা ফউজ তার বড়া জোরওার॥ জোরের বয়ান আমি কি লিখিব তার* কেহ গিয়া তার তরে কহিল থবর॥ উত্তর দেসেতে আছে রাজা কংসধর*তার এক বেটা আছে নামেতে সুমতি॥ কি কব রূপের কথা লজ্জা পায় মতিশ্লপ২্ জলে সেই আন্ধারের বিচে॥ মুতন জৈবন তাহে বাহার দিয়াছে 🕸 কি কব মাথার কেশ কাল নাগ হেন॥ যুঞ্জুরি বালেতে খোসরু আতর জেমন আসিয়া পড়েছে কেশ নিচেতে জামুর॥ পেসানি উপরে জেন চয়কি তেছে হুর * কি কহিব দূটী আখি বয়ান করিয়া॥ জেন ছুচক্ষেত্তে পানি চলেছে বহিয়া * আহা কি চকের পরে ভুরা দুটী জোড়া॥ সে কারিতে কামানেতে দিইয়াছে চড়া * নাসিকার কথা আর কি দিব সাবাসি॥রাধিকার মনলোভা শ্রীকৃষ্ণের বাসী *ক দিব তুলনা আমি म पृति ঠোটের॥ জেন আলতা গোলা আছে উপরে মুখের

अ পে বজিশ দাত কি শিখিব হায়॥ আনারের দানা জেন আয়না চম काग्न*कि कर भनात कथा नाहि जाग (नथा।।भानि (थल लालि जात সব জায় দেখা*কি কহিব তুটি হাত রেলুন মতনাকুন্দীকায়ে কুন্দে कां द्रार्थिल एकमन * छूटि চরণ তার कि कर वाथानि॥ চलिल इलन তার জেমন খঞ্জনি * কিরপে কহিব আমি সে রপের বানি॥ সে क्रि (पर्थ जि (ছ ए (प्र मणी क्र वामत्मत्र (वर्षे) जिप এ (जिक শুনিল॥ আসক আগুন তার জলিয়া উঠিল*বুকেতে লাগিল তার আসকের তির।। জলনেতে রাজ পুত্র নাহি হয় স্থির * খাওা পে

धो छात्र मिल मन। জপে माला॥ मिरु का भारत बात वितर्इत জালা * কেহ জিদ ভাল কথা কহিত তাহায়॥ আগুনের মত জেন লাগে তার গায়*ভেবে২ রাজ পুত্র হইল মলিন॥ এক্ষের বোখারে তরু হয়ে আইল থিন * এইরূপে হপ্তা রোজ গোজারিয়া গৈলে॥ বামনের আগেতে খবর কেহ বলে * রাজা শুনে ছের পাও লাজা করিয়া॥ আইল বেটার কাছে দরোদ ভাবিয়া * কহ বাবা কি হইল কারনে আমার॥ কেহ কিছু বলিয়াছে থাতেরে তোমার * এখুনি সমসের মেরে ছের জুদা করি॥ঠিক কোরে কহ বাবা মেরা বরাবরি* বাহমনের বেটা জদি এতেক স্থানিল॥ কহে মোর ভরে কেহ কিছু না কহিল। কুমি তো দেশের রাজা আমি পুত্র তেরা॥ কোন বাজে দুনিয়াতে তর নাহি মেরা * শ্রীধর নামেতে রাজা উত্তর দেশেতে॥ রূপবতী বেটি এক তাহার ঘরেতে * তাহার সঞ্চেতে মেরা দেলা हैरव माषि॥ ताका श्वरन वरन हाक भावात्रक वाषी * এই वारक দেল বিচে না করিবে গম॥ এখনি তাহায় আমি করিব পেয়গাম * এই তো পেয়গাম সেই না মানে আমার॥ পানিতে ভাসাব আমি সহর তাহার * জোরেতে আনিব ধরে তাহার বেটিরে॥ সাদি দেলাইব লিয়া তোমার থাতেরে* তাহা বাদে হুকুম কৈল পেয়গাম লিখিতে॥ উজির লেখেন থত হুকুমের মতে ৪৯ পহেলা আলার নাম লিথিয়া ছনদে॥ দেলের মতলব ফের লেখে তাহা বাদে * শুন রাজ রাজ্জেশ্বর লিখি আপনাকে॥ বছত দৌলত আল্লা দিইল ভোষাকে * সুমতি নামেতে বেটি আছেত ভোষার॥ আমার বেটার সাতে সাদি দেহ তার ঞ্চ মেরাবাত নাহি জদি শুন কোন মতে॥ আথেরে সহর তেরা ভাসাব পানিতে এমতে লিখিয়া থত কুল ফ আটিয়া।। কাছেদের তরে এক দিলেন ভেজিয়া * প্রীধর রাজার আগে কাছেদ পৌছিল॥ ছালাম করিয়া খত রাখিয়া জে দিল * व्यथिन कट्टन দেলে ভাবিয়া বিमाদ॥ नाती टेट्ट एचथ छाई घटि कि षष्टाप * नाति षष्टारित क्रष्ठ (पर्य (यतामत्र ॥ नातित लातिया জান জায় তো কাহার * নারির লাগিয়া কেন্দ্র পায়ে বেড়ি লেয়॥ এইशल হইতেছে এই জে দুনিয়ায় * মুন मि यल পানা তলে त्रिक (जानात ॥ छनिशाक जान नाशि (वाक्या (वतानत *

* শ্রীধর রাজা বাহ্যনকে খতের জন্তাব লিখিবার বয়ান *

শ ত্রিপদী প্রক্র জীবর রাজার তরে, কাছেদ ছালাম করে, খত লিয়া বাহমনের দিল॥ মহারাজা থত পেয়ে, বড়া খোসালিত হয়ে, খুলিয়া জে পড়িতে লাগিল * একে২ জত বাত, পড়িয়া জে শেক জাত; দেলে বড়া ভাবিত হইয়া। আজম উজির তরে, তখনি তকুম করে, লেখ থত বাহমন লাগিয়া * লিথিয়াছে জেই ভাতে, জণ্ডাব লিখে দেই মতে, ভেজে দেহ বাহমন রাজাকে॥ উজিরস্থনিয়া বাত, লিখিতে লাগিল খত, দেলের মতলব একে২ * শুন্থ মহারাজ পেয়ে খত সরফরাজ,হইয়াছি দেলের মাঝার॥আর যাহা খত পরে, লিখিলে আমার তরে, পড়িয়া জে খোসাল হাজার কিন্ত এক বাত আছে, লিখি কদমের নিচে, গোনা মাফ কর নাদা শের ॥কি করিব চারা নাহি, এই বাত জান ছহি, কারার দিন্ন জামাল থাতের * সাদি দিব তার সাতে, করার করিত্র এতে, কারারেতে আছি গেরেপ্তার॥ তাই তেরা বেটা তরে, বেটি জে স্থাপিতে তারে, নাহি:পারি শুন নাম দার * লিখে খত এ রূপেতে, দিল কাছেদের হাতে,কাছেদ জে বিদায় হইয়া৷৷বাহ্মনের আগে গেলশ্রীধরের খত দিল, পড়ে রাজা কুলুফ খুলিয়া
জ তামাম তাকেফ হৈল, গোশা তে ভরিয়া গেল, ক্রোধে থত ফাড়িয়া ডালিল। বালিসে চাপড় মেরে, কহেন উজির তরে, সৈন্ন গনে বল সাজি বারেঃ ছেপা গনে माजारेश, এই ঘড়ি কুচ কিয়া, তুমি আমি জাব লড়ি বারে॥ দেখিবকেমন রাজা, খুব মতে দিব সাজা, ডরনাহি করিল আমারে* উদ্ধির গুকুম পেয়ে, লক্ষরে কহেন গিয়ে, সাজ সবে লড়াই লাগিয়া॥ শুনিয়া ছেপাই সবে, গোশ্বা হৈয়া সাজে তবে, মার মার উঠিলহাঁ কিয়া * ধুধু নাকারা বাজে, তামাম ছেপাই সাজে, शूर्थ थालिवल मात्र मात्र ॥ हिन कवि कात्र त्र हिन कात्र वात्र পিছে, ময়দানেতে ফতে হয় কার *

* শ্রীধর রাজার সাতে বাহমন লড়িতে জায় তাহার বয়ান *

শ প্রার * দিন গোজারিয়া রাত পৌছিল আসিয়া॥ জার
জে জায়গায় রহে আরাম করিয়া * ফজর হইতে কহে উজিরের
তরে॥ সাজিতে কহনা তুমি তামাম লক্ষরে * উজির ছকুম দিল
লক্ষরে সাজিতে ॥ জঙ্গের তবলা ফের লাগিল বাজিতে * নেকা

लिन वार्मानत जामाम कछेल ॥ पतियात्र विटि (जन छेठीन मछेल 🛠 কুচের নাকারা ফের বাজিতে লাগিল॥ তামাম ফউজ তবে বাহির তইল 🔅 পাঁয়তারা করিয়া সবে চলিল রাহেতে॥ এয়ছাই কয়েক রোজ গোজারে তাহাতে * শ্রীধর রাজারে কেন্থ কহিল জাইয়া॥ গালেব তোমার পরে পৌছিল আসিয়া * বছত দেখির আমি ছেপাই লসক্ষর॥ তাই এসে আপনাকে কহিমুখবর * বৌদ হয় বাহমন আইল লরিতে॥ বছত লক্ষর লিয়া আসিয়াছে मार्ड * চারি লাথ আছওার চুনেনা ছরদার॥ রায় বাস ভেরে न्माक लब् हे राकात्र अधित ताका किन এ कथा सुनिल। ताया ভরে দোন অাথি লাল তার হৈল* কোন জোরে আমিয়াছে আমা त्र महापारि॥ (मत्रा (कात्र कडू त्रिया नाशि एतन कारन * এकशा বলিয়া রাজা হাঁকিয়া উঠাল॥ উজির থাতেরে ফের ছকুম করিল 🟶 লক্ষর কহনা তুমি ময়দানে জাইতে॥ দেখিব বাহমন গিধি লড়ে কেয়ছা ভাতে * উজির স্থনিয়া সবে সাজিতে কহিল॥ স্থনিয়া ছেপাই জত সাজিয়া চলিল * লড়াই নাকারা বাজে লক্ষর মা यात्।। ময়দানেতে খাড়া হৈল বান্ধিয়া কাতার * দুই দলে মোকা (वला वञ्च इहेल॥ এक वादा मव कोई लड़ारा मालिल * गात মার সোর সার হাকের আওাজ॥ মউজা উঠিল জেন দরিয়ার মাজ * জোর তালের পরে করেন লড়াই॥ কত লোগ মারা (शल खात्निन এलाই * पूप्तलित ছেপाই মারা বহুত পড়িল॥ लिएटिं किन আখের হইल * निमा माम काल मद बाहेल कि রিয়া॥ জে জার বাসাতে রহে আরাম করিয়া * তা বাদে শ্রীধর রাজা ঘরেতে আইল॥ সুমতি বেটির তরে কহিতে লাগিল া বছত আদরে তুঝে পালির পুসির॥ বাহমনের বেটার তবে তুঝে রেখে ছিন্ত * সুমতি কান্দিয়া বলে হায়রে কপাল॥ আমাকে মারিলে জাবে ঘুচিয়া জোজাল * আমি এই কুলসিনি পাপিনির তরে॥ আমার কার্নে কত পাহালাতান মরে * জ্থন জর্মিয়াছির भार्यत (পरिट् ।। (कन्ना कन्नी मदत मातिल (म व्यक्तिक क्ष এখনি মারিয়া ভাল রেখে কিবা কাম॥ সম সের মারিয়া ছের মুখে বেছো দের হাজার২, ** নানা মতে বোঝাইয়া সুমতি বেলীরে॥

তা বাদে শ্রীধর রাজা আইল বাহিরে * হিন কবি কার কহে অধ্য লাচার॥ জগলি জেলার বিচে বসতি জাহার *

* निकाम ও বাহমনের দোছরা দিনের লড়াই * পায়ার * সুমতি বেটির তরে রাথে বোঝাইয়।। দিন গোজারিয়া রাত পৌছিল য়াসিয়া 🗱 জার জে শুইয়া রহে খোসাল থাতির॥ রাত গোজারিয়া গেল মর্জি এলাহির * লড়াই नाकाता वार् वारुम्पतत पर्ण। छिब्रित चाष्म्म पूर्न এই कथा ब्राम अक्षा विषय अरे आंत्रक वामात्र॥ भगना कृतिर वात (एटल जाभनात * তোমার দামাদ (জই হইবে জামাল * বড়া জোরওার সেই বাঘের মেছাল * দেখ কেয়ছা তুরাচার রাঞ্সের তরে।। একেলা জাইয়া দেখ মারিল তাহার * নিজাম এ কথা স্থুনে ছালাম করিয়া॥ রাজার কদমে কহে মিনতি করিয়া * আ মাকে হুকুম কর জাইতে ময়দানে॥ দেখা চাই কত জোর রাখেন বাহ্মনে 🗱 স্থাি শ্রধর রাজা কান্দিয়া কান্দিয়া॥ নিজামের তরে क(इ (मलामा (क पिय़ा * अन वावा এই कथा ना विनाद (यादा॥ তোমাকে ভেজিতে মেরা জিউ কেয়ছা করে* মানা জদি নাহি সুন জাও তুমি রনে॥ জিয়ান্ত মরিয়া জাব তোমার কারনে * নিজাম এ একথা সুনে কহে আর বার॥ দোওা কর ভেজ মুঝে ময়দান মাঝার * বসিয়া তামাসা দেখ আমার লড়াই॥ ফতে জেন পাই মামি এই দোওা চাই * শ্রীধর রাজা তবে লাচার হইয়া॥ নিজামেবিদায় দিল আলাকে স্থাপিয়া 🔆 তামাম লস্কর হোতা কোন্র বান্ধিয়া॥ থাড়া আছে সকলেতে ছকুমলাগিয়া * তা বাদে নিজাম মর্দ্দ সাজিতে লাগিল। হিরামতি জড়াও এক তাজ (ছরে দিল * সোনার জেরা বন্দ মর্দ্দ পেন্দে ওজুদেতে॥ কিময়া কোমর বন্দ বান্ধে কমরেতে * আছিল পোলাদ ঢাল তাহার খাতের॥ ওঠাইয়া বান্ধিলেক উপরে পিঠের 🗱 তু ধারি তলওার এक (कागदा वाश्विल॥ हाजात्र गत्नत्र (शाङ्क कार्त्म उठाहेल * मगरमत काठोति ছूति भिक्षा ଓ कागान॥ একে একে वाश्वि लिक लड़ाई ছालाग * वड़ा জातु आत्र घाड़ा चाहिल टिव्यात ॥ কুদিয়া ছণ্ডার হৈল উপরে তাহার * কুচের নাকারা ফের वाजिए नागिन॥ निमान् थित्रिया मर्व सम्राप्त शिह्न * श्रिन्श

जक देशल घाए।त्र चाए।ज शा शाजत रहेल (जन ममनात्नत्र माज 🗱 পোর সারাব্ত এয়ছা ময়দানে ইইল। তিন কোস তক তার वां अङ (भोछिल क्ष पू पत्ल ছ आ दि एक । लागिल वां किए ॥ হাতি উঠ যোড়া নাচে তার আওাজেতে * দুই দলে মোকা বেলা বছত হইল। বাহমন ছরদার এক পাঠাইয়া দিল 🕸 আসি য়া ময়দান পরে বড়া হাক মারে॥ কুদে ঘোড়া হৈতে লাফ কাফ করে ॐ ছণ্ডারের লাফ কাফ দেখিয়া নিজাম॥ গোশ্বায় ভরিয়া গেল অজুদ তামাম * বারূদের ঘরে জেন আগ লাগাইলা খোড়ায চরিয়া यक यशकारन एक शिल क्ष पूर्व क्षारन योकारना वष्ट न जिला। নিজামেরছেরে গোজ্জ থেচিয়া মারিল*পাহালতান ঢাল দিয়া রদ কৈলতারে। নিজাম হাকিয়া বলে সামাল এবারে এয়ছাই সুনিল জিদি লোগ বাহমনের ॥তাকিদ পাতিল ঢাল বাচাইতেছের ঋগোসা য় জামাল মন্দি তলওার লইয়া॥ মারিল জোরেতে তার ঢাল তাকা ইয়া * ফাটিয়া লোহার ঢাল ঘোড়া মারা গেল॥ বাহমনের ছরদার কুদে তফাতে ভাগিল * পাহালওান যোড়া হৈতে নিচে ও তরিয়া॥ কুদিয়া মারিল তেগ ছতারে খেচিয়া * তুফাক হইয়া সেহ গেরে জমিনেতাে গুড়ি কাট কেছ জেন চিরিল করাতে জান নেকালিয়া জদি গেলেক তাহার॥ লড়িতে আইল ফের দোছ রা ছওার * সেই ভাতে তার তরে জোম ঘরে দিল॥ এক চাল্লিস ছতার এই রূপে মারা গেল * বাহমন রাজা জদি এহাল দেবিল॥ একুবারে সবা কারে ছকুম করিল * এক লাড়কা একেই চাল্লিস ছ ওারে॥ গেরাইয়া দিল ডর কিছু নাহি করে *যিরে মারো ছওা-রেরে তামাম ছরদার॥ স্থানিয়া টুটিল তবে বলে মার২্রগ্রমন জো রেতে সবে পড়িল টুটিয়া॥ জমিন কাঁপিয়া উঠে দহসত পাইয়া * পাহালওান নিজাম জদি এ হাল দেখিল॥ লইয়া আল্লার নাম हैं। किया পि फिल क्ष कूडे हा रिंड शूरल फिल फान उलाउात ॥ कू फिया পড়িল মর্দ বোলে মার মার * ছাগোলের পালে জেন বাঘ্ সান্ধাইল ময়দানের বিচে খুনে তুফান বহিল * কার হাত পাঙ কাটে কার কাটে ছের॥ দুই ফাক কৈরা দেয় মারিয়া সামসের 🛪 কেলার বাগানজেন কাটিয়া চলিল৷গোশ্বায় ভরিয়ামর্জ কাটিতে লা शिल * वशान श्री शत ताका वड़ा (भरत्मान ॥ वालात पत्राम

(मां वा याद यान यान क्ष का हा काला शांक शांव (याद व वान इ थ ॥ নিজামের বাজু পরে জোও কিছু বেও * বাহমনের তারে তুমি কর (का वात्।। এ (का वा कत्न कत शत्थात (क्यात आ का ति का क्या कर् এজ্জত মেরা চাহে জে মারিতে॥ আর আলা তরাইয়া লেহ এ আফতে * রাজা এ দোওা মাঞ্চে আলার দরগায়॥ পাহালওান নিজাম হোথা তলওার চালায় * কাটা ছের ভাসে জেন বেল গড়া ইয়া।। এক ঠাই নহে থাড়া চলিল কাটীয়া 🕸 ছণ্ডারির ঘোড়া ঘোমে क्गात्रित्र ठाक ॥ वारुमन (पिश्रिश (पत्न रुहेन धौवाक * এक এक লাফ ঘোড়া মারেন কুদিয়া॥ বিশ হাত একবারে জায় নেকলিয়াঃ জোড়া লাখি মারে ঘোড়া ছেপায়ের ছেরে॥ মগজ নেকলিয়া জায় দূ কানের পরে * তলওার মারিয়া চলে নিজাম পাহালওান॥ কারবা পোর্জের চোটে করে থান থান * কথন ডাহিনে কাটে কথন বামেতে॥ কথন সুমুখে কাটে ছেপায়ের জাতে * এই রূপে কেতা বেতে লেখে এই বাত॥ তিন দিন তিন রাত লড়ে এয়ছা ভাত * জত যারে তত বাড়ে বাহমনের ছরদার॥ কোথা কে করিতে পারে তাহার সোমার * এ রূপে নিজাম মর্দ্দ কাটিতে লাগিল॥ বাহ মনের লক্ষর জত ভাগেল হইল * পিছে পিছে কড তুর থেদাড়িয়া জায়॥ বিপাক দেখিয়া সবে কেল্লাতে সান্ধায় * চলিয়া আইল মৰ্দ थूमि (थामानिष्ठ ॥ यशक्षम मुनमी कर याला दिन कर *

* সুমতি ও নিজামের সাদির ব্য়ান *

ত্রিপদী ছন্দ * লড়াই করিয়া ফতে, নিজাম জে খোসালিতে, আইলেক ছন্ত্ররে রাজার॥ ঘোড়াজোড়া খুনে বয়ে, গেছে লাল রংগ হয়ে; খুনে লাল হয়ে তলওার * রাজা এই হাল দেখে, ওঠাইয়া লিল বুকে, পিয়ার কারয়া জামালেরে॥ গায়ের পোষাগ জত, হয়ে রাজা খোসালিত, বদলিয়া দিল তার পরে * শুনহে রাসক সবে, দেল লাগাইয়া এবে, শুন খোড়া বয়ান সাদির। ক্রীধর রাজা তা বাদেতে, স্মতির সাদি দিতে; কহে জত উজির খাতির * বেহার দম্ভর মত, ছরপ্তাম কর যত, কোন মতে কমি নাহি হয়॥ সুমাতর দিব সাদি, সাদি মধারক বাদি, আল্লা জিন রাজি হয় তায় * শুনে উলিরানে; খুনি হৈয়া সর্ব্য জনে, করে সবে সাদির ছামানা।।

मश्दात हाति धादा, मिल আয়েনা विक कर्ता, मिशियादा मान आशि वाना * वाखाव पूरे थावि, पिल जायना विन कवि, छेभदिए ছाঙ्নि আয়নার।।তার পরে এথানেতে, ঘর দবে সাজাইতে, মৌজুদ হইন জে জাহার * দেওালগির দেওয়াল বিচে, তাহে লটকাইয়া দিছে, সারি সারি ঝাড় বেলওারের॥ ফানুস কান্দিল আর, কি কব বয়ান তার, চমক জেন আছ্মানের * গালিচা ছুলিয়া কত, বেছাইল শত্ এক মত রঞ্জিন বাহার॥ তাহার উপরে ফের, রঞ্জিন আর মথমলের বেছাইল অতি ১মৎকার 🗱 বালিদ তাকিয়া আর, রঙ্গ রঞ্জ বেদো মার, রাখিলেক চার তর্ফেডে॥ হোক্কা ব্রাথে চাদি সোনা, কি কুর তাহার বেনা, দে দকল নারিমু লিখিতে * এরপেতে সাজাইয়া, রাখিল ঘরেতে লিয়া, দেখিবারে আহা কি বাহার॥ চৌরাহে মিনা রায়; নওবত বাজে তায়, কি কহিব বয়ান তাহার 🛠 মেরাদিন মহ লেতে, গায় গিত খোদালিতে, কেহু নাচে কেহু কেছু গায়॥ বারো তেরো বরছের, ছেন ছিল ডাহাদের, দেখে মন রাখা নাহি জায় * পরে বানারীস সাড়ি, মনজেন লেয় কাড়ি, তুই বেরা দিইয়াছে তায় আখে ছোরমা দাতে মিসি, কথা কয় হাসি হাসি, রসিকের মন (कर्ड़ लिय क्र अर्थे कर्भ छर्म वर्म, नार्ड भाय पति वर्म, कि यानम মধুর শুনিতে। কবিষ্ণার কহে এবে, বাইদের গান এবে, শুন সুবে রদিক জোনাতে *

* গজল মুজরা *

আজ হায় রং হায় মেরি জান আরমান সবকা হোবে॥
আরমে ছে ফার্সে জমি বুলবুলে নিজাম চামান হোবে
বাগে শুল স্থানে আলাম, কুমরিকে-রাহতা হার দায়,
হার আয় শুলআন্দায়, যুজকো গেরে বান আদান হোবে
মুজরা কারনেকো এহা, আয় সব নিমজঙা, স্থাদ রাহে
ভাত্তে রঙা; গেলে নান খোদ হাল হোবে * নিজাম
কাহতা হায় সাম, পেলা সারবতে জাম, মুজকো নিলে
গা আরাম ইমান আমান হোবে *

রাগ ত্রিপদী

নাচ প্রালি এরপেতে, গায় গিত মহলেতে,
খোসালিত হইয়া সকলে ॥ ছেতার তামুরা কত, বাজিতেছে শত২,
মনিরা বাজে তালে২

কাবা বাজে তালে২

তা বাদে মেহমান আইল, খানা খেলা

ইয়া দিল, তরং বিরিঞ্জি পোলাও॥ কোপ্তা কালিয়া আর, কাবাস জতি মজা দার, খায় সবে আলাও ঢালাও * রাস্তার দুই ধারি; নাচে বাই সারিং, মন মতে থায় সকলেতে॥ কেহ থায় কেহ গায়, কেহ সে সাবাসি দেয় কেহং ঘোমে জে রাহেতে * তামাসা দেখিয়া ফেরে, সহরের চারি ধারে, নাচ বাজা ঠাই২ হয়॥ ফেরে সবে খুসি शिल, कान गम गारि (मरल, धूमित्र भोजा माद्र लाग्न अरद्वत জত জোনা; যরেতে না খায় খানা; খেয়ে পিয়ে রহে এখানেতে॥ আপনার ঘর ছেড়ে, এখানে রহিল পড়ে; রাত দিন রহে চেয়েনেতে এই রূপে এক মাহা, গোজারিয়া গেল তাহা, সাদির দিন পৌছিল আসিয়া। শ্রীধর রাজা তবে, বোলাইয়া কহে সবে, শুন কহি সবার लांशिया * तरेष्ठ मधल जात, नामिश नामनात, तरम हिल मक्रलरे মিলৈ॥ রাজ্রা ফের কহে সবে, ফজরেতে জেতে হবে, সাদি দিতে लरेश कागाल * এ कथा मकल एत, (शामालिङ रुग्न ग्रान, তামাম বরাত মিলে জুলে॥ ফজরে চলিয়া আইল, সেই দিন জুক্ষা ष्टिल, (थामालिक रेट्सा मृद्य (प्रतल क्ष क्ट्र मृद्य जात श्रुत, मृह्या সাজাবার তরে, দেহ আপে পোষাগ আনিয়া॥ মহা রাজা শুনে বাত সেইঘড়ি হাতে হাত,জামা জোড়া দিলেন আনিয়াঃকম খাব এজা রেতে, মতি গাথা দামনেতে, সারিং ঝোলে কেনারায়॥ চোগা ও চপকান পরা, সোনালির কাম করা, কেনারায় মতি মুক্তা তায়* কি र्युवि वाशत निन, बाकादि छिङ्गाना किन, हजू नाश्किराद छात জाত ছাচ্ছা টুপি ছের পরে, আহা কিবা সোভা করে; কিক্ষতি পাথর কত তাতে * পায়েতে জরির জুতা, কি কহিব সেই কথা, মতি মুজা এরাকুত পাথর॥ ঝিকমিক করে তার, চক্ষু নাহি ধরা জায়, কিন্ধ তের নাহি জার ওর * কি দিব তুলনা তার, চমক জেন ছেতারার, তুলনা কি দিব তার সাতে॥ মুখ ফেরায় জে দিগেতে, সুর্জ্জের কিরন মতে, লাগে জোত আসিয়া চকেতে*লেবাছ আর পোষাগে তে; চৌগুনা রূপ ভাতে, জলে জেন দিপক আকার॥এই রূপে সাজা ইয়া; সকলেতে খুসি হৈয়া, সাদ্বর কারনে নওসারঞ্জলোগ লওাজে ম জত, সাজিয়া জে মন মত, খুদি দবে বাগে বাগ হৈয়া। হাতি উট ঘোড়া ঘুড়ি, সাজিয়া জে সারি সারি, রাখিলেক কাতার বাক্ষিয়া * তার পরেবেহারাগনে, মহফা ধ্চীদল এনে,মৌজুদ করিলেক লিয়া॥

নানা বাদ্দ বাজা বাজে, তামাম বয়রাত সাজে, ঠেলা ঠেলি আমদে
মাতিয়ায়তা বাদে নওসারে লিয়া, মল্লায় ছওার কিয়া, চলে সবে
নাদি দেলাইতে ॥ ছড়া ছড়ি ঠেলা ঠেলি, রাহা িচে জাল চলি, হাস
মত দবদবার স'তে য় দেখি বাবে সে ত নাসা, রড়া লিয়া হাতে
আসা, পড়িতে উঠিতে সেই জায়॥ তাকত না আছে তার, তবু সাদ
দেখিবার, তামাসা দেখিতে বড়া ধায় য় কেহবা কোলের ছেলে;
ধুলাতে দিলেক ফেলে, কেদে লাড়কা হইল আকুলাজতেক জুবতি
গনে, ফেলে নিজ পতি ধোনে, দিগে দিগে আইল বেল কুল য়
কেহ বলে এ প্রকারে, পাই জদি এ সামেরে, স্বর্ণের ভরা কোরে
রাখি॥ কেহু বলে পাই জদি, করিয়া গলার বদি, গলে রেখে নির
বদি দেখি য় কেহ বলে ওগো বুরা, পাই জদি হেন প্রিয়া, মন
ভথে পোহাই রজনি॥ মহাক্ষদ মুনসী কয় শুন ওগো রস ময়, এ
খানেতে গান গাও শুনি য়

* शक्ल शिक्ति *

কেয়া তেরা হুসমুকা খুবিসে, দেল মেরা মামুর হুয়া। একেকা খাঞ্জারমে মুজকো, আবতো চুর চুর কিয়া * কলেজা হুয়া টুকরা, কিচ্ছছে কাহু এ মাজেরা জেছম তো পারা পারা, মিদলে কাহতুর হুয়া * বদন হো চুকা জাথম, পেলাদে আবে জাম জাম, একে জারি কো আব খাম, ছাবরকা এহি মুর হুয়া *

*** সুমতির সিঙ্গারের বয়ান ***

* ত্রিপদী * সহরের চারি ধারে, ফেরাইয়া তার পরে, মঙ্গ লিসেতে নঙ্গাকে আনিল। সাহানা বিছানাতে, বসাইল লিয়া তাতে, থানা ফের পেলাইয়া দিল * মহারাজ তার পরে বোলাইল কাজি জিরে, গাওা সাক্ষি মোকরর কৈল। দম্ভর মাফিক জেয়ছা, সাদি পড়াইল তেয়ছা, আমিন আল্লা সকলেতে বল * দ্লা আর তুলহিনে, দোওা সবে জনে জনে, দেহ ভাই রসিক জনাতে। তার পরে শুন সবে, সুমতির সিজার এবে, লিখি কিছু শুন সকলেতে * সাদি হইল জিদি, দেহ মবারক বাদি; জোড়া আল্লা মিলাইয়া দিল। এখানে মহল পরে, সুমতি বিবির তরে, গোছল দিতে হাকামে

চলিল#বিবিগণ তাবাদেতে, হাক্ষামের কেনারাতে, তভোপরে বসা ইল লিয়া। মাজ অজুদেতে মলে, গায় গিত খুদি হালে, তার পরে লিল ওঠাইয়া % হাক্ষামে গোলাপছিল, তালাতে গোছল দিল, মুছে অঙ্গ রেসমি রোমালে বিবিগণ তার পরে, বসিলেক ঘিরে ঘারে, জত विवि এक जीए भिल्ल * (मानात हित्रनि निया, (कन मव बाहिष्या চুটী ফের মন মতে গাথে॥ সোনা ও রূপার ডোরা, জেমন চমকায় ভারা, খোপা ফের লাগিল বান্ধিতে * তুলিয়া বান্ধে থোপা, ভাহে গন্ধরাজ চাপা, যতি মুক্তা ঝোলে কত তায়াকপালেতে সিতা পাটি, व्यापका निल कारन पृष्टि. नथ रक्ष निल ना निकास क्ष वाशकि शास्त्र कि গলৈ, সারি২ হার দোলে, ঝলে জেন তারা আকাসেতে॥ হাত পরে বাজ্ব বন্দ, আহা কিবা পরি ছন্দ, বাক দিল ভাহার কাছেতে * বেলুন হাতের পরে, চুড় দিল থরে থরে, আহা কিবা হাতে সোভা পায়॥ দশটি আঙ্গুল বিচে, মানিক অঙ্গুটি দিছে, ফিরজ পাথর ছিল তায় * কোন্ধারেতে চন্দ্র হার, আহা কি বাহার তার, চাদ জেন চমকে আছ্মানেতে।। পায়েতে পাজেব দিল, আন্ধারে উজলা কৈল, বাজে তাহে চরণ হেলাতে *মেছদি পায়ের বিচে, কি বাহার তাহে দিছে, কি।দব রূপের ভুলনা।।কি দিব ভুলনা তার, খুজে নাহি পাই আর, দেখে জোগ ছাড়ে মনি জনা * আহা কি রূপের ছান্দ, জেন পুর্ণিমার চাঁদ, ধপধপ জলেক আন্ধারে॥ রূপের জুওার হেন, সাগর **উথলে** (জন, এরূপ বথসিল প্রয়ারে * স্ব নামের কুড়তা এনে, পেনাইল গুলবদনে, তাহাতে ওজুদ দেখা জায়॥ কিম থাপ এজা রেতে, মতি গাধা দামনেতে, সারি সারি ঝোলে কেনারায় * জে-ওর আর লেবাছেতে, চৌগুন রূপ বাড়ে ভাতে, আহা কিবা ছুর-তের থানাবিদাক সানের মতি, সর্মিন্দা পাইয়া অতি, লজ্জা পেয়ে ফিরে নাহিচান * সুমতিরে এরপেতে, সাজাইয়া মনমতে, লিয়া যরে, দেখে সবে খোদাল হাজার * কড়ি বরে বশাইয়া,জখন রাখিল লিয়া, মালিনি আইল সে সময়॥ খুসি হৈয়া নানা ফুলে, হার লিয়া णारेल हाल, पिरे वादा पिराशाद शंनाय है यानिनि निकार्य प्राथ, ভাবে বিবি আপনাকে, নেজাম পাগল কেন হেথা॥ফের এহা ভাবে মনে, রাজার জামাই কেনে, হইবেক একেমন কথা *এতেই ভাবিয়া

দেলে, হার দোহাকার গলে, পরাইয়া ঘরেতে আইল॥ কবিকার ভেবে সারা; চোর এবে গেল ধরা, আর নাহি লুকাতে পারিল 🐯

% মালিনি কমলাবতীকে লইয়া রাজ বাটীতে নেজামকে
দেখাইতে লইয়া জায় তাহার বয়ান

🝪 পয়ার ছন্দ 🗱 মালিনি আইল জদি আপনার ঘরে॥ তার পরে কি হইল শুন বেরাদরে * কমলাবতী এন্তেজারে ছিল মালি নির॥ মালিনিকে দেখে বিবি খোসাল থাতির #মালিনি বিবির তরে ক্হেন তামাম। রাজার জামাই বুঝি হইল নেজাম*তোমার পাগল হৈল পতি সুমতির॥ বর মালা পরাইরু তাহার খাতির * কমলাবতী বলে এহা কেমনে হইবে॥ রাজার জামতা কেন পাগল সে হবে* পাগলের ভরে রাজা কেমন করিয়া॥ আপনার কন্নার ভরে দিইবে সুপিয়া * ঠাটা মুঝে করিতেছ বুঝি বারে মন॥ শুন গো মালিনি আক্ষা না কহ এমন * মালিনি বলেন জদি না কর এতবার॥ দেখা ইব চল তুমি নজেতে আমার * কমলাবতী রাজি হৈল দেখিবারে वत्र॥ यालिनि कृत्लत याला शिर्थ छात्र शत * क्यलाव्छीत छत्न সাতে করে লিয়া॥ ঘর হৈতে তুই জনা চলে নেকলিয়া * কথায়২ দোহে জায় রাহা পরে॥ রাজার বাটীতে গেল অন্দোর ভিতরে 🏶 कमला मालिनि জবে জाইয়া পৌছিল॥ বিবিগণ কমলায় দেখিয়া পুছিল * কহ গো মালিনি কহ এই কোন জন॥ এমন রূপের চাদ না দেখি কখন * মালিনি বলেন মর বহিনির বেটি॥ রোজ কত আ সিয়াছে আমার জে বাটী *তা বাদে কমলাবতী দেখিতে লাগিল।। মেজামের তরে বিবি চিনিতে পারিল

মনে যনে বলে সেই পার্গল আমার॥ বুঝিতে না পারি আমি ভেদ জে এহার ৪৯ মালিনির তরে বিবি এ সারাতে কয়॥ নেজাম পাগল এই জানির নিশ্চয় * তা বাদে মালিনি সেই ফুল হার লিয়া॥ নেজাম থাতেরে ধনি দিল পেনাইয়া * নেজামের গলে হার দিইল জখন। চালাকিতে সিন্দুর কানে দিইল তখন % তাহা বাদে তুই জনা চলিয়া আইল ॥ মালিনি আপনা ঘরে আসিয়াপৌছিল ৪৯ কমলাবতীর তরে তবে কহেন মালিনি ॥ দিন্দুর দিইন্থ তার জানিতে নেসানি #জদি ওগো হয় সেই

নেজাম পাগল॥ চিন্নত কারনে তাহে জানিবে সকল * মহাক্ষদ মুনসি কহে অধম লাচার॥ নেজাম পাগল ধরা পড়িল এবার *

ক্ষরাগ পয়ার
ক্ষ তার পরে জেজাহার চলে গেল ডেরে॥ সুমতি ৰিজাম দোহে রহে এক ঘরে * তু জনায় ছিল একে রসেতে ভবিয়া। পাইয়া রসের ঢেউ চলিল ভাসিয়া * পছিনাতে সোর বোর হইল দোহায়॥ কাপড় ভিজিয়া সব গেল পছিনায় * তাহা বাদে মন বাঞ্জা পুর্ণ জদি হৈল।ফারাগতি হয়ে দোহে শুইয়া রহিল মন্ত্রর হইতে ফের ছু জনে উঠিয়া॥ পাক ছাফ হইলেক গোছল করিয়া*কো বাদে নেজাম আইল মালিনীর ঘরে।। পাগলের লেবাস यक (পर्क তाর পরে * পাগল (জমন জায় চৌদিকে চাহিয়া॥ কমলাবতী জেথা ছিল পৌছিল জাইয়া * দেখিয়া কমলাবতী নেজা শের তরে॥ আদর করিয়া তায় বসায় হুজুরে * চাহিয়া রহিল বিবী ৰেজামের পানে॥ সিন্দুরের ফোটা আছে দেখিলেক কানে ভখন এতবার হৈল কমলাবভীয়॥ গোশ্বা ভরে কহে ফের নেজাম থাতির কি আর কহিব তোরে শুনরে পাগলা।অবলারে মজাইতে করেছিলে ছল * হায় কি করিত্ব আমি আপনা খাইয়া॥ পালিত্ব পুদিন্ত তোরে পাগল বলিয়া * জেমন করিয়া ছিন্তু তার প্রতি ফল॥ তোমা হৈতে পাইরু আমি শুনরে পাগল 🕸 পুরুষ হইয়া এত ছলা কলা জানে॥ এন্ত নিদারুন নাহি শুনি কোন খানে * এতেক কহিয়া বিবি রহে **दर्हे (ছ**र्त्र॥ ष्यिन नाभाक कर र तिया भयारत *

* जिनि इन क (निकाय श्वित्या वानी, पृष्ठत्क वहाय नानी, नाधूवद लागिन कहिए ॥ कि कतिए कि कित्र, त्वकृष हहेया त्रात्र व्यादक्रन (थाश्वाहेश्च निक देहर क माहाक्षानी এ ज्वान, कहिए लागिन वानो, मित्र कवारन (उ तिक्षायात ॥ ज्विय कि श्वान श्विया, जित वन कि लागिया, भागत्वत त्वम कि थार कि शाहारेल (कन नाय, शान नाय (कन कह लाहेल ॥ वहात (ज्वाह कथा, श्वान वार्त कथा, श्वान वार्त काहि (हथा, त्महे कथा (प्रह प्रूत्य विवास जित्व कथा, श्वान हत्व क्या क्रिय क्या क्रिल नो

হবে মিলন।। এতেক ছলনা প্রিয়া, কৈলে তুমি কি লাগিয়া, কহ তুমি তার বিবর্ন * সাধুবর ভার পরে, কছে বাত ধিরে ধিরে, এন-সান হইতে থাতা হয়॥ মাফ কর ধরি পায়, না হইলে বাচা দায়, জান দিয়া রাখনা আমায়* হইয়াছে জা হ্বার, কদাচ না হবে আর, খাতা মাফ করনা আমার॥ বুঝিতে তোমার মন, এত কৈয় জালাতন বে ওতন না করিবে আর * কমলা জে এত শুনি, সাধু বরে কতে বানী, কহে শুন গরিব পরতার॥ এত জদি ভেবে ছিলে, তুকু দিবে মোর দেলে, না রাখি তুন খাতেরে তোমার
ভামাকে, পিয়ার করা, বিপরিত ঝক মারা, আকেল মেরা না ছিল দে অজে॥ कि কহিব বারে বার, শুন ওছে নামদার, কাগ কেন মিলিবে তুতিতে চিল আর বুলবুলেতে, মাহি মেলে কোন মতে, জে জেমন ভাহার ভেমন। সোকর খোদার কাছে, আর কি কপালে আছে, বোঝা গেল জার জেয়ছা মন * নেজাম এডেক শুনি, সাহজাদীরে ক্রে वानी, भविभाना कविदिक चाव॥ (क कथा किट्ल भारतः, जि য়ান্তে গিয়াছি মরে, কথা নহে জেমন তলতার 🕸 জাহা আইল তেরা দেলে, মুঝে শুনাইয়া দিলে, এতবলে সাদ না মিটীল। কমলা জে তারপরে, কহে নেজামের তরে, গোসা ভরে কহিতে লাগিল পুরুষ জেমন করে, নারি কি তেমন পারে, তা হইলে কলঙ্কিনী বলে পুরুষ ছেনালজাত, নারী জদি হয়তত, এই কথা ভেবে দেখ দেলে এতেক লাঞ্জনা জদি, করিলেন সাহাজাদি, শুনে মর্দ্দ কথা নাহি কহে॥ অজুদে নাহিক জোর, কাপে অঞ্চ থর থর, বেহুল হইয়া মর্দ্দ রহে * হোস গোস নারহিল, মউত নজদিগে আইল, লিলা পিলা হইয়া জে গেল॥ কমলা বতি এহা দেখে, কথা নাহি সরে মুখে, বলে হায় এ কেমন হৈল্প তখন উঠিল বিবি দেলেতে দরদ ভাবি, নেজা যের নজদিগেতে জায়॥ হায়া সর্মের তরে, তখন রোখছত কোরে, নেজামেরে কোলেতে উঠায় * মুখ পরে মুখ দিয়া, কহে বিবি চেলা। ইয়া, বলে হোস কর মেরা জান। ভোগার এমন দেখে, কথা নাহি সরে মুথে, উঠে বসে কথা কহ প্রাণ % কি কহিতে কি কহিন্তু, সব বুঝি হাবাইন্ব একুল উক্ল বুলি জায়॥ আহি খুলে ১৬ কথা, মুচে জাক সব বেথা, কেন কৰা ভানির ভোনার জ সভি জাদি বারেবারে বোহা (लग्न गुश পরে, খোদবো তার নগজে পৌছিল॥ निজামে

বৈছসিতে, আত্তর পোলাপ তাতে, কিছুই না দরকার করিল * বি
বির জে খোসবো এরছা, গোলাবি কারাবা জেরছা, মুখ খোসবো
আত্র সমান ॥ মগজে পৌছিল জবে, বেছসি টুটিল তবে, সাধু বর
আবি খুলে চান *দেখিয়া বিবির কোলে, খুসিতে ওজুদ ফুলে, তুই
শুনা হইল ফুলিয়া ॥ মুখ পালোটিয়া ফিরে, বোছা লেয় গলে ধরে,
সাছরর খুসিতে ভরিয়া * কমলা জে দেখে এহা, কোল হইতে
ফেলে তাহা, দিলেন নেজাম খাতের ॥ কহে বিবি শুন চোরা. বে
ছিনি নহে তেরা, বে এল্পতি মোরে করি বারে * কি মজা লাগিল
ডোরে, খামখা মক্কর কোরে, জমিনেতে গিরিয়া জে গেলে ॥পাগল
নহেক তুমি, নেহাত জানির আমি, মজাইতে মোরে ছলে কলে *
নেজাম এতেক সুনে, দৌড়াইয়া সেই খনে, সাহাজাদির তু হাতে
কিরা গোনাবাল মাফ কর, আমার তকছির ধর, জাহবার গোজা
কিরা গেল * কি আর কহিব তুঝে, মাফ কোরে দেহ মুঝে, আমি
এই অধিন নাদানে ॥ কবি কারে কহে বানি, বাহার সুরতে ধনি,
গাও শুনি মধুর বচনে *

* গান রাগিণি বাহার তাল একতালা
নধা পায় ধরিতে কেন চাও হে॥
তুমি জারে তাল বাস তার কাছে জাও হে
মজেছ হে জার ভাবে, আর কি তুমি তাহে পাবে,
মিছে কেন মর ভেবে, আমারে ভাবাও হে॥ তুমি মোরে
প্রেমে বধিয়ে, পেলে ওহে কি বলিয়ে, আজ বল কি
লাগিয়ে, এ ভুবনে এলে হে
অধিন বলে ও সুন্দরী;
করো নাকো এ চাতুরি, ভোমার হবে আজ্ঞা কারি,
ভোমার জন্যে দহে হে
**

চলিয়া ফের গেল সেখা হৈতে॥আসক মাসুক রহে ঘরের বিচেতে খুনির গোজরান করে মিলে দুজোনায়॥ রশিক লোগেতে নিবে বুঝে এসারায় * তাবাদে কমলা কছে করেছি তকছির॥ গোনা খাতা মাফ কর আমার খাতির 🗱 পাগল বলিয়া আমি কহিয়াছি কত॥ অবলা নারির জাত তাহে বুদ্ধি হত 🛪 আর কত কটু কথা কহি য়াছি নাথ। কত কুবচন কৈন্তু ভোমার দাক্ষাত * দোষ ঘাট মাফ কর আমি এ বান্দির॥ অভএব মাফ কর আমার তকসির 🕸 এ কথা নেজাম শুনে কোলেতে লইল॥ আদর করিয়া কতবোছা জে পিইল * পিয়ার করিয়া কহে শুন গোল জানি॥ তোমার কারনে আথে বহিত জে পানি * নিন্দু না ধরিত চক্ষে কার্নে তোমার।। সদাজপ মালা দেলে আছিল আমারঞ্জতোমার কারনে আমি সবাকে তেজির ॥ তোমার কারনে আমি মা বাপে ছাড়ির * শুন বিবি এখা নেতে থাকা নহে ভাল॥ হেথা হৈতে আমার দেশেতে জাই চল 🍇 কমলা হইয়া রাজি এ কথা শুনিয়া॥ নেজাম তাহারে লিয়া গেলেন চলিয়। শলাল মতির কাছে রেখে কমলার তরে॥ সুমতিরে আনিবারে গেল তার ডেরে ३ রাজার নিকটে গিয়া ছালাম করিয়া। কহিতে लाशिल गर्क विनय कित्या * (তামার বেটিকে আমি নিয়া জেতে চাই।। এজাজত পেলে বয় খোশালিত হই 🔆 রাজা বলে সুন বাবা মরজি তোমার॥ তোমাকে স্থপেছি বেটি তেরা একিয়ার ঋএ কথা কহিয়া রাজা গেল মহলেতে॥ রাণীর কারনে সব লাগিল কহিতেঞ্জ রাণী বলে মহা রাজ ক্ষতি কি তাহায়॥ খুসি হালে তুই জনে দেহনা বিদায় 🔆 মহারাজ শুনে কত দেহাজ লইরা॥ বিদায় করিল নানা রঞ্চিজ দিয়া %

* কমলাবতী ও লালমতি ও সুমতি তিন জনে ছুরতের দেমাগ করে ও তোতা পাধি এরাবতীর রূপের বয়ান করে *

* পয়ার * নিজাম বিদায় হৈল ছালাম করিয়া॥ সুমতিরে লিয়া আইল ঘরেতে চলিয়া * লালমতি সাহা জাদি জেখানেতে ছিল॥ সেই খানে তিন জনা জাইয়া পৌছিল * রূপের চমকে ঘর উজালা করিল॥ নেজাম দেথিয়া বড়া খুসিতে ভরিল * আহা কি ছুরাত আলা দিইল এ সংগয়॥ চাদ সুর্জ্জ্ব তারা গন সর্যে মুকায়ে আপনার দেলেই ভাবে এ প্রকারে॥ চাহিয়া রহিল সাধু গলক না

মীরে * তার পরে তিন জন। হাসিয়। হাসিয়া॥ রূপের দেমার কোরে বিদল আদিয়া * তিন জনা (জামেরে লিয়া করে কেলি হাতে হাতে ফেরে জেন সোনার পুথলি * কেহু সে তাম্বল দেয় কেছ চুমা থায় ৷ কেহু বলে প্রান নাথ কহি জে ভোমায় * মোদের রূপের পানে চাহ একবার॥ এয়ছা রূপের জ্ববতি তুমি না পাইবে আর রুএমন রূপের ছটা দেখিয়াছ কোথা॥ শুন শুন প্রান নাথ বল সেই কথা ৪৯ লামাদের ক্রপের মত দেখেছ কোথায়॥থাকুক মনিষ্য জেই কথা আইন্থ ছাড়িয়। * জখন নেজাম গেল দেও মারি বারে॥ পৌছিল জাইয়া লালমতির জে যরে ৪৯ সেইত ঘরের বিচে তোতা পাথি ছিল। দেয়ের আহতাল জত নেজামে কহিল * সেই পাথী লালমতি এনেছিল সাভে॥ এহাদের দেমাগ জত স্থানিয়া কানেতে খল থল করে তোতা হাসিয়া উঠিল ॥তিন জনা সেই হাসি স্থনিতে পাইল * পুছিতে লাগিল সবে তোতার কারনে॥ খামথা হাসিলে কেন বল না এক্ষনে * আয়াদের কথা স্থনে ভাচ্ছিল্ল করিলে॥ তাই বুবি ঠাটা কোরে হাসিয়া উঠিলে *ভোতা বলে সে কথায় কি আছে দর কার॥ আচস্বিতে ক্থা মোনে পড়িল আমার * তিন জনা বলে পাখি কহিতে হইবে॥ না কহিলে আমাদের খটকা রয়ে জাবে * তবু তোতা নাহি বলে বহে চুপ হৈয়া৷ এহারা সকলে রহে ভাবিত হইয়াঃশশুনিয়া নেজাম বলে ভোভাকে তথনা কেন তুমি হাসিয়াছ কিসের কারন ऋ বারে বারে এই কথা স্থানিয়া জে তোভা॥ হাসি য়াছি জে কারনে সুনহ সেক্ধাঃ রূপের গৌরব সবে করে আপনার বুটো এ গৌরব করা এ কি শবিচার ঋতাারব দেসের পানে কন্যা এক জাছে। এরাবতী বলে নাম মা বাপে রেখেছে

ভার মত রূপ णामिना (पशि (कार्याय्। (क्वल्था চाङ्या तथ यक्मिल (शापाय * কি কহিব আমি ভার রূপের বয়ান॥ মনি জনা দেখে জিদ হারা হয় জ্ঞান ¾ নতুন জৌবন ভার রসের রমণি॥ রূপে ডগমগ করে রসের তর্নি % পেট পিট ছাত্তি তার এমনি কোসাদা॥ রসিক দেখিয়া জ্বান কোরে দেয় ফেদা % নাক মুখ আমি ভার কি কবো বাথানি॥ বির্লেতে বিধি তায় গড়িল আপনি *কি কবো মাথার কেশ কাল নাগ হেন॥ ঘুষ্ণরি বালেতে খোসবু আতর জেমনঃকাসিয়া পড়েছে

কেশ নিচেতে জানুর॥ পেসানি উপরে জেয়ছা চম কিতেছে নুর *
নাসিকার কথা তার কি দিব সাবাসি॥রাধিকার মোন লভা শ্রীকৃষ্ণের
বাসি * ছ চক্ষের কথা তার কি কবো বাথানি॥ মৃগ আখি বিধুমুথি
বারিতেছে পানি * ছ চক্ষের উপরেতে ভুর ছটা জোড়॥সিকারিতে
কামানেতে দিইয়াছে চড়া * কি কহিব ঠোট দুটি জবা ফুল হেন॥
পানের লালির মত দুই ঠোট জেন * হায়রে বত্রিশ দাত কি দিব
তুলনা॥ ঠিকঠাক দাত গুলি আনারের দানা * কি কহিব ছটি হাত
বেলুন মতন॥ কুন্দি কারে কুন্দে কাট রাখিল জেমন * এয়ছাই
কোমর তার আছিল বারিক॥ ধরিলে পাঞ্জায় তায় ধরা জায় ঠিক
পাঙ ছটি সুগঠন মরি হায় হায়॥ চলিলে চলন তার থঞ্জনির প্রায়়
এয়ছানাক নক্ষা আল্লা দিইলেন তার॥ পরিগণ দেখে রূপ হয় জারে
জার * এমনি রূপের ছান্দ জেন পুর্ণ শিশ।। শশি জেন ভুতলেতে
পড়িয়াছে খিস * এতেক কহিয়া তোতা চুপ হৈয়া রহে।। পয়ার
প্রবাজে এ অধিনেতে কহে *

* পরার * ভোতার মুথেতে জদি এতেক স্থানিল॥ এক্ষ মিঞা ছের পরে আনিয়া চড়িল * গায়েবে আনক হৈল এরাবভীর পরে॥ আসকের তির লেগে পিট পার করে * নিজাম বলেন প্রিয়ে দেখাও দিদার॥ তোমার বিরহে দেল হৈল বেকারার * ছুরাত মুরাত তার হয়ে আইল থিন। এক্ষের বোখারে তন্ন হইল মলিন * দিনে দিনে निकार्मत्र तक (वंशाष्ट्रिन ॥ काठा माना छिन (शास्त्र त्रार्भ (क হইল 🔆 এক্ষ মিঞা জার ছেরে আদিয়া চড়িল। সেই জানে তার দর্দ্দো জাহাকে বিভিল 🗱 কেন্ড গিয়া রাজা আগে দিল স্মাচার জামাল জামত। তেরা আছে বেকারার র কি জানি কি হইয়াছে नाहि जाय जाना॥ जना हाय हाय करत वितन थाना शिना 🗱 🗃 शत রাজন শুনে এই সমাচার॥ দৌড়ে আইল সেইক্ষনে হয়ে জারেজার এভাব দেথিয়া রাজা তুক্ষিত হইয়া॥ পুছিতে লাগিল তবে নিজাম लाशिय़। * कर वावा कि कात्र वर्शेल ध राल ॥ त्रश त्रश फिल (माञाना शिशाल * মনের বেদনা মোরে কর'না প্রকাস॥এখুনি করিব আমি তাহার তালাস * একথা শুনিল জিদি সাধুর নদান॥ মোনের বেদনা তবে কহেন তখন * জেরপেতে তোতা মুখে বয়ান निम ॥ একে একে माध् সুতা ভাষাম কহিল * আমার আরজ ধর

শুন মহারাজ।। সেরূপ দেখায়ে মোরে করহ এলাজ 🕸 জদি তারে এক বার দেখাইতে পার॥ নইলে গরল খাব কহিলাম দার * নিজা-মের কথা গুনে বলে মহারাজ॥ এখনি তাহার আমি করিব এলাজ সেই ঘড়ি চিত্র কর বোলাইয়া লিল॥ নিজামের জত হাল তামাম কহিল 🛠 ওনে চিত্রকর বলে ভাবনা কি তায়॥ এখনি সে কাজ আমি করিব নিশ্চয় * ছওদাগর ভেসে আমি সেই দেশে জাব॥ তাহা না ইহেলে আমি কি রূপেতে পাব * জামালের রূপ আমি পটেতে আকিয়া।সেই দেশে বিবি আগে জাইব লইয়া*ক্জামালের পট আমি দেখাব তাহায়। মোন চুরি করাইব শুন মহাশয় * মহা রাজ এভ শুনি খোদাল হইয়া॥ ছওদাগিরি ছরঞ্জাম খরিদ করিয়া * ভাহা वार्ष छिळकत कान काम करता। निकारमत ছবি लिल পरित छेপत শেই পট লিয়া এক সিন্দুক ভিতরে॥ জতন করিয়া রাথে তাহায় অন্বেশ্কতাহা বাদে আল্লা ভেবে সেই চিত্র কর।ছেওদাগরি ভেনে জায় আরব সহর * সুখাওা পাইয়া কিন্তি বাও ভারে জায়॥ কত দিনে আরব সহর গিয়া পায় ¾ নঙ্গর করিয়া কিন্তি কেনারে উঠিল॥ শাকারা দেখিয়া তোপ জোরেতে মারিল * ঘাটেতে কোটাল ছিল আইল চলিয়া॥ ছালাম করিল তায় ছওদাগর বলিয়া * কোটাল কহেন সাধু কি আছে দরকার॥ চিত্রকর বলে আমি নামি ছওদাগর বেবলা করিতে আমি এদেশে আইমারাজার স্থনাম লোক মুখেতে ভিনিমুশ তাই আমি আদিয়াছি বানিজ্জ করিতে॥ রাজার ছকুম र्ट्रल थाकि ५ (म भिष्ठ क्ष काछोन এ क्श छनि त्राका जात्र (त्रम সাধুর তামাম হাল জাইয়া কহিল * রাজা শুনে বলে তাহে ক্ষেতি কিছু নাই॥ থাকি বারে জায়গা দেহ করিতে বেবনাই * কোটাল একথা শুনে চলিয়া আইল॥ছওদাগর জাদাজেথ। আদিয়া পৌছিল কোটাল কহিল আসি শুন মহাশয়॥ ছকুম দিইল রাজ। থাকিতে তোমায় * রাজার বাগান বিছে থাকিবেক সবে॥ সুথেতে বেবসা তুমি সেথানে করিবে * কভু কভু রাজ কন্যে জায় সে বাগানে॥ পুস্প তুলিবারে জায় নিয়া সখিগনে * স্থানিয়া সে ছওদাগর হাজার খোলাল॥ মাতার সিন্দুক জেন পাইল কাজাল * জার জন্যে আসা কোরে এ খানেতে আসা॥ আল্লা তালা দিইলেন তার ঘরে বাসাঃ এত ভেবে চিত্র করজাহাজে আইলাখানা পিনা খেয়ে ভবে আরাম

করিল
ত্ব তাহা বাদে বেহান হইয়া জদি পেল। তামাম নৌকরে

নাপু ছকুম করিল
ত্ব তামাম নৌকর শুনে সেই কাম করে।। লইয়া

রাখিল মাল বাগান ভিতরে
ত্ব যাটেতে বান্ধিয়া কিন্তি খোসালিত

মোনে।। জাইয়া রহিল সবে সেইত বাগানে
ভবদাগরি মাল সব

রেথে খরে থরে।। বেচা কেনা করে সাপু খোসাল অন্তরে
পাইয়া লোক আসিয়া পৌছিল।। জার জে দরকার মত খরিদ করিল

কিছু দিন এরপেতে গোজরিয়া গেল।। রাজার মহলে এই খবর

পৌছিল
ক্ব রাজ কন্যা কি রূপেতে আইল বাগানে।। তাহার বয়ান

এবে শুন বন্ধু গনে
*

* পয়ার * এইরূপে কত দিন গোজরিয়া গেল। ছিওদা**গর** আইল বোলে প্রচার হইল ¾ এ থবর দেনে দেশে পৌছিল জথনঃ এরাবতীর দাসি এক স্থানিল তথন * জাইয়া কহেন রাজা কন্যার ছজুরে॥ সুনহ রাজ কন্যা কহি জে তোমারে *ছওদাগর আসিয়াছে বাগানে তোমার॥ দেখিয়া আইন্থ আমি স্থন সমাচার 🗱 নানা রক মের চিজ লইয়া এসেছে॥ একে একে কত কব আপনার কাছে। তছবির থেলনা কত পুতলি জতাহের॥ থরে২ সাজাইয়া রাখিয়াছে ঢের * শুনিয়া সে রাজ কন্যা খোসালিত যোন। জাইতে বাগানে বিবি বিচলিত মোন * চল সখি জাই চল ছওদাগর জেখা॥ দেখিব তোমার কথা সভ্য কিবা মিথ্যা ३ তাবাদে সখিরে লিয়া আইল বাগানে।। দেখিয়া পুদিনা জায়গা বসে সেইখানে * বিবির ছুরাজে আলো করিল বাগান॥ ভূতলেতে শশি জেন সঙ্গে তারা গন**#সবি** গন বলে ধনি কহু সাধুবরে॥রাজ কন্যা আসিয়াছে বাগান ভিতরে* শুনে সহচরী গিয়া কহে ছওদাগরে॥ রাজ কন্যা আসিয়াছে ডাকিছে তোমারে * ভাল ভাল চিজ দেহ কারনে বিবির॥ দেখা ইব লিয়া আমি তেনার থাতির * স্থানে সাধু ভাল ভাল চিল্ল জাহা ছिল॥ (म मव लहेशा माधू मिश ছাতে দিল * निकार्यत उद्घवित সিন্দ কেতে ছিল॥ সেই তছবির চিত্র কর স্থিরে দিইল 🗱 সেই স্ক চিজ লিয়া বিবির হুজুরে॥ একে একে রাখে দখি লিয়া থরে থরে

मिथिया (म এরাবতী খোসালিত মোন॥ বলে এ সুন্র চিজ না (मिथ कथन क्षकान का त्रिशत এই চিজ গড়ে ছিল॥ एन मिथ भान . **(क्न (कर**फ़ (यात्र निन * এর (চয়ে ভাল চিজ আছে কি ভাহার॥ সখি বলে সিন্দুক এক আছে চমৎকারঞ্গদেখিলে তাহার তরে ভুলে জায় মোন॥ তেমন সিন্দুক আমি না দেখি কখন ক্ষকিন্ত ছওদাগর তাহা ना দিল আমায়॥ বোধ হয় তাহার দাম অনেক জে হয় * রাজ কন্যা কহে সথি দাম জত হয়।।দিইব ততই দাম আনহ তরায়* তথনি সে সখি এসে কহে সাধুবরে॥ সিন্দুক দেহ না তুমি আমার ুখাতিরেসাধু বলে এসিন্দু ক অন্য কোন জন্যীখুলিতে নারিবে কেহ স্থুন তার বেনা * জিদি তুমি মোর তরে লেজাও সেথায়॥ সিন্দুক খুলিয়া ছবি দেখাব তাহায়*সথি স্থুনে সেই ঘড়ি বিবিকে কহিল॥ ছওদাগর একে একে জাহা বলে ছিল * রাজ কন্যা কহে সথি আন গিয়া তারে॥ তাহে কিবা ক্ষতি আছে জাহ তরা কোরে * তখনি আসিয়া সথি ছওদাগরে কয়॥ সিন্দুক লইয়া তুমি চলহ সেথায়* স্থেন চিত্রকর সাধু খোসাল হইয়া।। বলে বুঝি জাজ বিধি দিল (भलाইशा * थूमि देशा माधूवत मर চतित्र माथि॥ मिन क लहेशा পেল চাকোরের মাথে * দেখিলেন বসে জেন পুর্ণিমার শশী॥ তোতার মুথেতে জেয়ছা স্থানিল রূপদী * আদবে তছলিম করে বিবির লাগিয়া॥ নিজামের ছবী দিল হাতেতে তুলিয়া * সেই ছবি রাজ কন্যা দেখিল জখন॥ বেহুস হইয়া বিবী গিরিল তখন * হোস (গাস না রহিল জেন মরা লাস॥ জান থালি ধড়ে আছে নাক পরে সাস * কতকক্ষন বৈহুদেতে গোজারিয়া গেল॥ তাহা বাদে সাহা काषि (ठंडन भारेल क्ष मायलिया माराकाषी विमल छेठिया॥ उछ বিরের পরে বিবী রহে তাকাইয়া * আথের পলক নাহি কোন মতে भात्र ॥ जामक रहेल विवी जहवित्रत भारत * वाल राम अम्राह्म क्रथ ना (पिथि कथन।। রূপেতে মজিল মন कि किति এখন * गत्न মনে বলে আমি কোখায় পাইব॥ পাইলে জে হার কোরে গলাতে রাখিব এতেক কিরিয়া থেদ গান আরম্বিল ॥ মহাক্ষদ মুনসী এহা **अशादि विका**

举 別可 涤

বিরহ বিষম জালা জে মজেছে সেই জানে॥
জে জনা মজেনা তাতে সে মজা জানে কেমনে *
বিরহ বিষম জালা, প্রেমানলে করে খেলা, মজে কত কুলবালা,
বেড়ায় সেহ বনে বনে॥ হিন কবিকারে বলে, মরসেদের পদ ভলে, ভাবি তাই দেলে দেলে ভাবরে মোন নিরাঞ্জনে *

* পয়ার ছন্দ * এয়ছাই গাইয়া গান এরাবতী বিবি॥ মনে২
কভ কথা থায় হাবি ছুবী * কাম বানে দেল তার বিগড়িয়া গেল॥
কত কথা মনে২ বকিতে লাগিল * এফের গরম জার চড়িল
ছেরেতে॥ পাগল হইয়া জায় মস্তির গরমিতে * এই রূপে কনক্ষন
গোজরিয়া গেল॥ ছওদাগর তরে বিবি পুছিতে লাগিল * স্থন
আগো ছওদাগর আরজ আমায়॥ আনিয়াছ এই ছবি বল ছুমি
কার * ছওদাগর বলে পাখি পড়িয়াছে ফান্দে॥ রাছ কেন প্রাদ
করিল পুনিমার চান্দে * তাবানে কহেন নায়ু বিবির লাগিয়া॥ আ
মারে পুছিলে জদি শুন দেল দিয়া
* এই তছবির হয় জায় ঘর হেন্দ
ছানে। দৌলতের ওর নাই এলাহি তা জানে
* কি কবো রূপের
কথা বয়ান করিয়া॥ এক মুথে কত কবো তোমার লাগিয়া
* দেয়প
জেলেখা জদি নয়নে দেখিত॥ ইউছফের পরে নাহি আনক হই ত
*
গোল জদি দেখিতেন তাহার কারন॥ হয়মুজের পরে না চাহিত
কদাচন
* কিরপে কহিব আমি সে রুপের বানি॥ দেখিলে সেরুপ
খানি ভোলে জে জোগিনী
*

* ছওদাগরের উক্তি গান *
কি কবো রুপের কথা, কি দিব তুলনা তার॥
আহা আহা মোরি মোরি, বাকা চন্দ্ কার *
কিবা সে নয়নের রেখা, কিবা চুটি চক্ষু বাকা, আহা
মরি কিবা রেখা, ভুরু চুটি তার॥ আহা কিবা রুপশালা
ভুতলে পড়েছে খানি, মুথ জেন হাসিহাসি, আহা কি.
বাহার * কি কবো রুপের ছাদ, জেন পুর্ণিমার চাদ,
পাতিয়াছে প্রেমের ফাদ, কেড়ে লেয় প্রাণ অবলার॥
হিন কবিকার বলে, না দেখিয় ভুমগুলে, ইচ্ছা হয়
দেখব বলে রুওভিন্ধি বার *

* (9 *

* নিজামের তছবির এরাবতীকে দেয় ও এরাবতীর তছবির উঠাইয়া লেয় এবং ছন্তদাগর আপনার দেশে জায় তাহার বয়ান *

* রাগ পয়ার * রাজ কন্যা এই কথা শুনিল জখন॥ জলিয়া উঠিল তার এক্ষেয় আগুন * মনে মনে দহে বিবি কহিতে না পারে॥ বলে হায় কেমনেতে পাব দে নাগরে 🕸 চিত্র কর এই ভাব বিবির দেখিয়া॥ সাহা জাদির নকসা লিল পটেতে তুলিয়া * ঠিক ঠাক উঠাইল কিছু না তফাত॥ তাহা বাদে সা জাদিরে বলে এই বাত * দিদকের ছবি মোরে দেহ ফেরাইয়া॥ জাব আমি কত লোক আছে থাড়া হৈয়া

। শুনে বিবি কহে তারে মিনতি করিয়া ॥ এই তছবির আর নাহি দিব ফেরাইয়া * জত দাম হয় এর ধরিয়া ক্ষিত।। এখুনি তোমাকে আমি দিইব আলবোত * হাসিয়া হাসিয়া সাধু লাগিল কহিতে॥ বেচিবারে এই তছবির নাহি কোন মতে * শেরা এক দোস্ত দার আমানত রাথে॥ তোমাকে দিইলে আমি কি হিব তাকৈ

শ্বামানতে থেয়ানত কেমনে হইবে॥ এই কথা সাহা লি দিব মোনে ভেবে * তবু সাহা জাদি কহে শুন মহা জোন॥ শা দিইব ছবি আমি চাহ জত ধোন * চিত্র কর ভাবে আর চাতরি कि करि॥ (भान जाना श्रेत्रा दिल निर्दे अर्ड यिष्ठ अ अर्डक ভाविशा ভিছবির দিলেন বিবিরে॥ বহুত দৌলত ফের দিল সাধু বরে * বহুত শাইয়া মাত্ত। সাধু খোসালিত॥ ছালাম করিয়া মর্দ্দ আইল তরিত भोखून वाছिल জত মাল ও আছবাব॥ किस्टिं তুলিয়া সব দিলেন নৈতাব * ভাহা বাদে চোলে গেল রাজার হজুরে॥ বিদায় হইয়া চলে আপনা সহরে * কিন্তি ভাসাইয়া দিল লঙ্গর তুলিয়া॥ সাহা জাদির भार्न दिशा উठिल জলিয়। * এক্ষের লাগিল তির কলেজার পরে॥ जन-ति अवाव को छि के कि कर्व अभ महाकार भूनमी वर्त अन वाज वाला॥ भाउना (थएवर भान एकि এই विला *

এরাবতীর খেদের গান
কি হেরিন্ন কি হেরিন্ন প্রাণ কেমন করে।
কি করিব কি করিব জাব কোথা কারে #
হেন চিত্র দরশৃন, হৈল মোন উচাটন, আর কি পাব মে
নিজাগ পাগলা,

রতন, কে দিবে আনিয়ে মোরে * এ হেন নব কোমল, দেখে মোন টল মল, ভুলিব কেমনে বল, পর্জ্জ নাহি মন ধরে॥ দেখে চিত্র ভুভঙ্গ, ডগ মগ করে অঙ্গ, উথা লিল প্রেম তরঙ্গ, মদেরি ভরে *

* পরার * এরপে গাইয়া গান রাজার কুমারী॥ বারো বারে। **एक वर्** जाइ वाङि क वर्ल मिथे ছবি দেখে ঘটিল कि দায় কেমনে তে বল আমি পাইব তাহায় * এয়ছাই দেলের বিচে হয় গো আমার পাখী হয়ে উড়ে জাই তালাদে তাহার * সখিগন বলে আর কি কবে তোমায়।। উতালা না হবে ধনি ধরি তেরা পায় * নছিহত সান অংগ শুন বিবি জান। কথা রাখ বুঝে দেখ করিয়া ধেয়ান * জদি সে ভৌমার বাপ সোনে এই কথা।। সরমেতে কি রূপেতে উঠাইবো মাথা * আ দেখ আপনার দেলেতে বুঝিয়া॥ জানা জানি হবে সব মুল্লুক জড়িয়া আর দেখ দেলে ভুমি দরিয়াপ্ত করিয়া॥ আদকের তরে কেবা বেড়ার চুড়িয়া * আপনার দেলেতে রহে ছবর করিয়া॥ ঘরে বসে আলা তারে দেয় মেলাইয়া 🕸 স্থিগন এই রূপে অনেক প্রকারে॥ বোঝাইতে माठा জानि রহে হেট ছেরে * মোনে মোনে মোন আগুনে রহিল পুড়িতে॥ রাত দিন এক্ষের জালা রহিল জলিতে * ভেবে ভেবে সাহা জাদির তন্ত হৈল খিন॥ সে হেন দোনার ছবি হইল ম**লিন** 🔆 জেয়ছা ফজরের অতে চেরাগের রোসনি। কোমে জায় নাহি রয় তেমনি নেদানি * সিটে হৈয়া গেল তার অজুদের রং॥ কাচা সোণা ছিল গেল হইয়াজেরাজ * এই রূপে থাকে বিবি মা বাপের ঘরে॥ রাত দিন বেকা-রার এক্ষের বোখারে 🕸 মহাক্ষদ মুননী কহে পরারে রচিয়া॥ প্রেম রোগ নিসেধে কি জায় ভাল হৈয়া * রোগের অসুধ পেলে তবে ভাল হয়। निरंध करिल (तार्ग जात (यर जार क्र

* 기이 *

ওলো দখি প্রেম রোগ নিদেধে কি জায়॥
ধিক ধিক জোলে উঠে জত বল তায় *
রোগের অসুধ পেলে, তবে রোগ জায় চলে, অমি
লনে অঙ্গ জলে করে হায় হায়॥ প্রেম জরেতে
তার তরে, দদা ভায় রেখেছে যিরে, নিদেধে তারকি
শুন করে, অসুধ পেলে নিষেধ্ব হয় *

米 গান 米

বসন্তে ফুটল কুসুম, সৌরবেতে প্রাণ বাচে না॥
মিলকে মালতী জুতী, ফুটেছে মালঞে নানা
ফালগুনে কিঞ্চিত হয়, বৈসাখেতে নাহি সয়, মোন
টেকে না মনন জালায়, প্রেম জালা আর সহেনা॥
জিফি মাস জখন আনে, ভাবি মোনে বসেই, নতুদ
জলে বুক ভাসে, ভাবি প্রিয়ের ভাবনা
**

। কিজান এরাবভীর তছবির দেখিয়া বেকারার হয়
।

* পয়ার * এয়ছাই গাইয়া গান রাজায় কুয়ায়ী॥ নিজামে তছবির লয়ে পোহায় সর্বরি * রাত দিন এক তাপে লাগিল জলিতে কিছু নাহি ভাল লাগে তাহার হকেতে * তার পরে শুন ভাই দেল লাগাইয়া॥ উপরেতে জেই কথা আইয় ছাড়িয়া * এয়াবতীর ছবি লিয়া সেই চিত্র কয়॥ নিজামের আগে গিয়া পৌছিল সত্তর * নিজামের হাতে সেই তছবির দিইল॥ সাধু বয় সেই তছবির দেখিতে লাগিল * এতেক তোতার মুখে শুনে জরো২॥ তাহে ফের তছবির দেখে দেহ কলে বয়ে। * বিরহের কাই ফের তাহাতে দিইল॥ পাইয়া বাও আগ জলিয়া উঠিল * নেজামের দেলে জলে এক্ষের চেয়াগা

রাত দিন জলিতেছে না মেটে সে দাগ * দেলের আখেতে তার আছু वर्य काय ॥ भारत का निष्ठ नार्व करत श्रा श्रा अ भारत कार्य ফের সাধুর কুমার॥ কহে জাব মাস্থকের করিতে দিদার * জা থাকে নছিবে মেরা গোজারিয়া জাবে॥ নহেত এ হালে মেরা মরন হইবে এক্ষের জাতনা আর সহিতে না পারি॥ ছুরাতের বরছা মেরা দেল বিচে কারি * ছুরাতের ফাদে যোরে কৈল গেরেপ্তার॥ কেমনে বাচিষ আর বিহনে তাহার

এক বার এদে দেখা দেহনা আমায়॥ নহে ব আজলে জান মারা জানে ঠার ৯ তোমার গমেতে মেরা টুটিল কোন্ধর। থর থর কাপে অঙ্গ গায়ে নাহি জোর * তোমার গমেতে মেরা এ দোন আথেতে॥ খুনের মতন পানি চলে জুদাইতে * এইরপে থেদ সামু করিতে লাগিল। পাগলের মত জেন তেয়ছাই হইল * কথন দৌডিয়া काय तार्वत छे भरत ॥ यान करत जानि शिया मासूरकत जरत अ ছাই করিয়া থেদ চুপ হৈয়া রহে॥পিরিতি বিসম জালা অধিনেতে করে

※ 打一 ※

वित्रर विभग काला, (क गरक्र हि (भरे कान्।। (জ জন মজে না তাতে সে মজা জানে কেমনে * বিরহ বিসম জালা, প্রেম অনলে করে থেলা, মজে কত কুল বালা, বেড়ায় সেহ বনেই॥কবিকারে এই मार्फ, यस यन छक् পर्फ, म द्रुशनि वाका भर्फ (मध यन यरन यरन अ

* নিজাম এরাবতীর তালাসে জায় ও এরাবতী क्यान थानाय वक्ष इहेवात व्यान *

* পয়ার ছন্দ * উপরেতে জেই কথা আইনু ছাড়িয়া॥ শুন্ রদিক লোক দেল লাগাইয়া * সাধুবর এরপেতে দিবা নিশি কান্দোজত वल कार्ता वार्ड त्क नाहि वारम * मित्न मित्न माध्वत्र थिन देशा গেল॥ খাওা পেওা এক বারে সকলি ছাড়িল

 এক রোজ ভাবে দেলে নেজাম জে বনে॥ জে করে এলাহি জাব বিরির তালাসে * এই কথা দেল বিচে ভাবিয়া জামাল॥ ঘর হৈতে নেকালিল দেওনা পেয়াল * দৌড়িয়া এই রূপে কতদ্র জায় ॥ পাণ্ড নাহি চলে বসে शाष्ट्रित उनाम % शाष्ट्र जला (वारम जारम जारव (महन प्रान्ता न। दितिञ्च পाপ চক্ষে পাব কোহা গেলে ३ আপনাকে আপনি জে করে

किन इड ॥ अभन (वक्क नाहि (निश्च (जात मड क्र ना (निश्चिल তোতা মুখ নয়ন ভরিয়া॥ না দেখিলি রং রূপ সে খানেতে গিয়া * না দেখিলি সে গঠন মরি হায় হায়॥ খাইলি চক্ষের মাথা হইয়া নিদয় कार्न रत्न अर्व कान काना जूरे रुनि॥ (म তোভার মুখের কথা शिशा ना अनिनि अ नाक व्यव उदन उदन नाक जान्न कि जाराज শে গোলের খোসরু তুই নারিলে স্থান্ধিতে * বানি কিবা তাজা নেই কিছুনা স্বঞ্চিলে॥ থোসবো কিবা বদরু তার কাছে নাহি গেলে ৪৯ মুখে বলে অরে মুথ কি করো এখন॥ সে চাদ মুথেতে নাহি করিলে চুম্বন 🌞 কেনো নাহি কথা কৈলে মাসুকের সাতে॥ আফছোছ রহিল ভেরা জেন্দেগি থাকিতে * হাতে বলে অহে হাত বল কি আক্কেলে॥ নাজুক বদনে হাত কেন না ফেরালে * আমার সঞ্জেতে ভুই বাদালি বিবাদ। শার্থ কি করিব না মিটিল সাদ з জুদাইর গমে তোর ফাটিল কলেজ।। এয়ছা গম কেবা ভোর ঘটাইল ভাজা * কি করিব কোথা জাব কোথা গেলে পাই॥ সহিতে না পারি আর তোমার জুদাই 🕸 এইরপে আপ নার মনে২ কয়।। এতেক করিয়া জারি চুপ হৈয়া রয় ৪৯ তাতাদে সেখা হৈতে রওনা হইয়া।। পশ্চিম মুখেতে মর্দ্দ চলে নেকালিয়া * জঙ্গ লেহ আর গাছের তলায়॥ পাগোলের মতো সাধু ঘুমিয়া বেড়ায় * তার পরে সোন কিছু বিবির থবর॥ নেজামের ভছবির দেখে না হয় ছবোর * পাগল হইল বিবি ভছবির দেখিয়া। দিনে২ তনু ভার গেল ক্ষিন হৈয়। * নিদ ভোক থাওা পেওা সব তেগ দিলো॥ ঢাদের कित्रन ছिলো মলিন হইল * ताङात আগে হাল পৌছিল সকল॥ ताङ कन्या (क रूपिट इरेश भागन * (इत भाउ नाक्या (कार्त वामिया পৌছিল॥ ে ঘরে সাহাজাদি বেচেয়েন ছিল ৠ আদর করিয়া কহে সোন যামা জান। কেন এয়ছা হাল তেরা করোনা বয়ান * সাহাজাদী श्चरन किছू ना कर श्वारिया। (श्वे ছित् इत् दिवि मत्त्रांग शार्जिक्र ভাহা বাদে বাদ্দা কহে বেগমের তরে॥ কি জন্যে এমন হৈল পোছনা বেটীরে * বেগম জাইয়া তার মুখে বোছা দিয়া॥ পুছিতে লাগিল বিবি বালাই লইয়া * কেন আহ্বা কি হইল পোছেন বেগম॥ আমার নজদিগে আর না কর সরম * সাহাজাদি শুনে কহে সোন আক্ষাজানী॥ জাহার কারনে আমি হৈন্থ পাগলিনী * এক দিন রাত কালে স্থায়ে

किया (म नयन ॥ जामात काष्ट्रिक (क्रांना करिन मयन * ছোলভান তাহার নাম রাজার কুমার॥ কহিলো দক্ষিন দেশে মোকাম আমার 🗱 এই দব বাত আহ্বা হইতে আছিল।। এমন সময় মেরা নিদ ছুটে গেল * দেখিতে না পাই আমি সে বাকা মোহন ॥ আমারে রাখিয়া কোথা করিল গমন * সেই হৈতে দেল মেরা বেকারার হৈল। আমাকে किलिय़ा (मरे (काथा পालारेल * रायर कि कितिया भारेव काथाया। তারে না দেখিয়া জান বে আজোলে জায় * বেগম স্থানিয়া কহে সোন এরাবতী॥ এহাতে কলম্ব হবে হইবে অক্ষেতি * দেশে২ এই কথা প্রেচার হইবে॥ মাথা তোলা তোমার বাপের ভার হবে 🍪 ভার চেমে ছুরাত মুরাত জেথা পাবো॥ তালাদিয়া তার সাতে সাদি দেলাইবো 😂 সাহাজাদি শুনে আরো একের আগুন॥ থামাতে না পারে জোলে উঠিল চৌশুন * তাবাদে বেগম জাদি চলিয়া আইল। বিরহ **আগুনে** (र्था कलिए लागिल * এ(ऋत भत्रा चात्र थाबिए ना भारत ॥ (हर्ला) ইয়া সাহাজাদি কান্দে সোর করে 🗱 ওঠা বসা করে আথে নিদ নাহি ধরে॥ বাহিরেতে একেলা জে আইল ধিরে২ * বাগিচার বিচে বিবি জাইয়া পৌছিল॥ তালাবের ঘাট জেখা সেখায় বদিল * আছিল চাদনি রাত সেইতো রোজেতে॥ সাহাজাদি চেয়েছিল পানির দিগেতে * শেষাও করিয়া বিবি দেখিতে আছিল। সামার মতোন জলে জলিতে জ ছিলো * চাদের দেখিয়া রূও পানির মাঝার॥ সাহা জাদি বুঝিলেন মনে আপনার * প্রানকান্ত মোরে বুঝি চুড়িতে আইলঃ দেখানা পাইয়া তাই পানিতে ছুবিল * এমন সময় চাদে আবোর আনিয়া।। একবারে চাদ তরে দিলেন ঢাকিয়া * আর সেই ছাঙা বিবি দেখিতে না পায়॥ দেলে ভাবে নাথ বুঝি তলাইয়া জায় 🗱 প্রান নাথ মোর তরে খুজে না পাইয়া॥ তাই বুঝি পানি বিচে গেলেন ছুবিয়া * এতেক বলিয়া বিবি কোমর বান্ধিয়া। কুদিয়া পানির পরে वाश किल शिया क करशान शानित शरत शिक्ल कु किया। कल विक সাহাজাদি গেল আটে৷কিয়া 🔆 বারেক রাখোন হারা বাচাইল তায়॥ নহেত পানিতে ডুবে মহিতেন ঠায় * এমন সমায় রাত পোহা ইয়া গেল॥ এরাবতি তারে কেছ খরেনা দেখিল 🗱 চৌদিগে ঢোড়া চুড়ির পড়ে গেল ধুম॥ বাদসার ঘরেতে জেন হইল মাতোম * চুড়িয়া২ क्ट (भरला वाभारन्छ॥ (पिथिलन भर्ष बाह्र डामाव विक्रिड।।

উঠাইয়া লিলো সবে সাহালাদির তরে॥ ধরাধরি করে সবে আনিলেক মরে * এ খবর বাদুসা আগে জাইয়া পৌছিল॥ জে রূপেতে তালা বেতে গিরিয়া জে ছিলো * বাদুসা বলে রাখো ওরে পায়ে বেড়ি দিয়া॥ শুব মতে বেহাইরে রাখো বন্দো কিয়া * বাদুসার ভুকুম মতে দিলো বন্দধানা॥ হায়রে কঠিন এক্ষে নাহি বিবেচনা * মহাক্ষদ মুন্দী কহে রচিয়া পয়ারে॥ এক্ষের খারাবি কতো দেখো বেরাদরে *

ছওদাগর জাদা নিজামের সাতে এক দরবেসের মোলাকাত হয় ও এরাবতীর দেশে জায় * * রাগ ত্রিপদী *

माराजापित यना किया, बाथिन (क्ननाम निया, जुब नाहि ভোলে সে ছুরাত।। মুখে বলে হয়ং, কে। এনে দিবে তায়, কোখা व्याद्या अम श्राननाथ * পড়িয়া (জन्मान পরে, কান্দে বিবি জারেই আথের পানিতে বুক ভাদে॥ হাটু পরে দিয়া মাতা, ভাবেন এক্ষের বেখা, কত কথা ভাবে বদে২ * থে হৈল সোনার ছবি, মলিন হইল বিবি; ভাবিয়া২ তমু ক্ষিন॥ জেয়ছা ফজোরের নমে, চেরাগের রৌসনি कर्य, (मरे या इरेन यनिन * करर विविधात्रवात्र, (काथा (मत्र (पन দার, এ দুর্দ্দশা ঘটালো এবার॥ কতো আর সবো জালা, সহেনা তুক্ষের জাগা, এ জালা কে নেভাবে আমার * আয় আল্লা পাক বারি, এ তুখ সহিতে নারি, কেনে মুঝে পয়দাকোরে ছিলে॥ কত আর সব তুথ, ফেটে জায় মোর বুক, এই ছিল আমার কপালে * বুঝিরু ছুরতে মেরা, जारनत रहेल तूत्रा, চারা আর না দেখি নিদান॥ খামাখা বাবাজি মোরে দিলে। বন্দোখানা ঘরে, কি বুঝিয়া না পাই সন্ধান 🕸 এরূপে বকিতে ছিলো; বেহুস হইয়া গেলো, গিয়ে তবে গেল সাহাজাদি॥ এখানে निकाम मर्फ, আখে আছু দেলে एर्फ, গাছতলে ভাবে নিরবদি * তার পরে ভেবে দেলে, দেখা হৈতে উঠে চলে, কত দিন নেকালিয়া জায় ॥ কহে হিন কবিকার, এবে পাক পরতার, তেরাপরেঃহইল সদয় *

* পয়ার ছন্দ *

এইরপে কতো দিন গোজারিয়া গেল॥ বেবাহা জঙ্গুলে এক জাইয়া পৌছিল ঞ্চ আজিন দরজো এক বড়া ছাওাদার॥ বদিলেক গিয়া, মর্দ্ধ

লিচেতে তাহার * সুহাওা পাইয়া খুব আরাম মিলিল॥ রাহের মানিপি ছিল ঘোমাইয়া পেলো

খ আলার মকোর এক আইলো ফকির। নিজা শের তরে নাই ওঠাইল পির * নিজামের ছেরানায় বসিয়া রহিলো॥ ध्यक्ष गटक निकार्यव निक छूटि (शटना क्र ज्यानि छेत्रीया मोधू प्र বেস জানিয়া॥ ফকিরের তুই পায়ে ধরে জড়াইয়া * নিজাম বলেন करश (शालाभित তবে॥ जाभिन (क यहि करश जागात शार्ज्य 🗱 দরবেশ কহেন বাভ নিজাম কারোনে॥ দেখিয়া ভোষার তুকু আইছু धक्करम क्ष किन्न कानिएक भिन शल अशाहमत्॥ जातारम भीएक পির নিজাম খাতের * কহো বাবা এয়ছা হালে কিনের কারনা। কার লাগি ভ্রম কুমি কুমে ব্যন বন ¾ নিজাম শুনিয়া কুছে আরোজ করিয়া॥ জেরপে তছবির মর্দ্দ লিলো মাঙ্গাইয়া 🕸 জেরপে আসোক হৈন্ত তছবিরের পরে॥ এরাবতী নাম তার আরোয় সহোরে * জেরপে আদোক হৈত্ উপরে বিবির॥এইতো আহওাল মেরা সোন দস্তোপির* পির মর্দ্দ নিজামের শুনিয়া জবানি॥ কহে সে বিবিকে আমি খুব মতে জানী ३ জে অবধি তছবির তেরা দেখিল সে বিবি॥ বেকারার হইয়াছে শুনে তেরা খুবি ক্ষ তোমার কারনে সেহো পায়ে বেরি লিলো॥ জেহেল খানাতে তার যোকাম হইল * দর্বেণ ক্রেন বাবা গম না করিবে॥ তাহার তছবির অগ্নি করে দিই এবে * এতেক বলিয়া তার यूर्शिए विट शिला॥ मृटे हिक निकार्यत वानिया कि मिला * का श्विन व्यानित्ना भाष्ट्रतास्क जिल्ला होकि॥ निकास्यत्र ছास्यास्ट जिल्ल শেল বাণি * ছই চিজ কিবা করে সোল দেল দিয়া॥ বসিলে চৌকিতে জাবে পলোকে উড়িয়া क জেখা তেরা দেল চাহে সেই খানে জাবে॥ এই চৌকি কেরামত এয়ছাই রথিবে * দোছরা জা ফিলে জবে ডালিবেক হাত।। এহাতে পাইবে তুমি তুনিয়ার দৌলাত * জেন্দেগি কায়েম তেরা জতো দিন রবে। ইটা মত মালমান্তা এহাতে পাইবে 🕸 এতেক বলিয়া পির গাএব হইলো । ছওদাগর জাদা আর पुरिष्ठ ना পाইলো * দরবেশের দুই চিজ বকসিস পাইয়া॥ ছওদা গ্রজাদা দেলে খোসালিত হুইয়া * চড়িলেন সাধুবর চৌকির উপরে किरिला लेरेश চলো আরোব সহরে॥ এরাবতী সাহাজাদি মহল জেথায় * আমাকে লইয়া তুমি পৌছাও সেথায়॥ একথা শুনিয়া চৌকি উড়ে বাও ভরে * পলোকে পৌছিলো গিয়া আরোব সহরে॥

শেখানে নাবিয়া চৌকী খুলিয়া তামাম॥ থাকিবার তরে মর্দ্ন টোড়েন মোকাম ৪৯ অধিন কহেন এহা পয়ারে রচিয়া॥ জেই জাহা মনে করে দেয় মেলাইয়া *

নিজাম এক মালিনির ডেরে থাকে ও সাহাজাদি এরাবতীখাব দেখিয়া বন্দোখানা হৈতে থালাস পাইয়া নিজামের সাতে মোলাকাত হইবার বয়ান **

* পয়ার * সাধবর থাকিবার জায়গা নাহি পায়॥ চারিদিগে বিজাম জে চুড়িয়া বেড়ায় * সেই দেসে ছিল এক চালাক মালিনি ভাহার সঙ্গেতে দেখা হইল অমনি * মালিনী নিজামে দেখে চিনিতে श्वातिया॥ श्रृष्ठि लाशिल তाয় বিদেসি বলিয়া * সোনগো বিদেশী তুমি এমন জে ভেদে॥ ছত্রধারি হুইয়াছ কাহার তালাদে ঋ আমাকে किशिल वार्श भूर्व इत्व कामा॥ जला वादा (मात माउक मिता ज्रिक বাস। * এ কথা বলিয়া তারে সাতে করে লিয়া॥ মালিনী আপোন ঘরে পৌছিল জাইয়া॥ কহো বাবা কিবা নাম নিকটে আমার॥ কি কারনে হেথা আশা কহো সোমাচার * আমাকে কহিলে তেরা হইবেক ফল॥ जाला हार जालवल इटेरव सुक्ल * निकाय এ क्या खरम विश्वाम कत्रिया॥ जायना जाङ्जान क्राञा किल्न युनिया * योनिनी এ कथा শুনে কহে আরবার॥ এই কাম আলবোত্তা জে করিবো তোমার * ভার পরে সোনো তাই বিবির আহওাল॥ জেইল খানায় শুয়ে দেখিলো श्रियाल * এक (काना এमে (काना निकरि विनन। विवित् थाए उत मिरे किट्डिलाशिल * नाकान्तर विवी (मान (मल मिया।। তোমার দেলদার হেথা পৌছিল আসিয়া * এতেক বলিয়া সেহো গাএব হইল॥ माञ्जाि (ठंडन (भर्य উঠিয়া विमिन * काञ्च कात्र विविना भाग्न (पिथिटि॥ पामिति জে अठोইয়। লাগিল কহিতে * সোন দাসি আল্পব থাব দেখিয়াছি আমি॥ একে২ সাহাজাদি সোনায় তামামি * শুনিয়া দে সখি বড়া খোসালিত মনোতখোনি বেগোম জেখা পৌছিল সেখানে
ঞ্চাড় হাতে আদোবেতে ভাষাম কহিলো॥ বেগম শুনিয়া বড়া খোদাল হইল 🗯 সেই ঘড়ি বেগম বিবি আইল দৌড়িয়া॥ এরাবতী জেখানেতে শৌছিলো আনিয়া % এরাবতী মায়ে দেখি ছालाम कविला॥ कर्श्विवि (वार्ग मार्ग पूर्व भिवा (श्राला * विश्म * る* * निकाय शाशना,

একথা শুনে খোসাল হইয়া॥ পায়ে বেড়ি সেই ঘড়ি দিলো কাটা रेया अ (वितिक लहेया जारेला जाभना माकात्न॥ (नानाय (वितिन शैल वाक्मात कार्तिक के कर्णा (माजा किल वाक्मा श्रेष्ठ विशा (ছर् इश्टिलन माहाजाणि मा वालिव घात अ (नकाम लागल (इशा घात मालि निর॥ কিরূপে বিবিকে পাবো ভাবে এখাতির * এতেক ভাবিয়া বলে মালিনির তরে॥ তামাদা দেখিতে জাবো সহর ভিতরে * মালিনি কহেন বাবা ক্ষেতি কিবা তায়॥ জলনি কোরে আইসো জেনো দেরি नारिश्य अभिनित এই क्या (निकाम श्वनिया॥ यत दिए जाश्रव षाईली (नकानश * मर्शत ভাষাमा (मर्थ (थाजान श्कात रुने (भोहित्ना भिन्ना वाभारन वान मान क्ष वार्श्व थूमि देल पिश्विया वाशान॥ चिक्रीर हाउ। वह र (वह स्व ममान * वार्श এরোম কিবা नक দিগে তাহার॥ বাগান দেখিয়া মর্দো খোদাল হাজার * তারপরে विमिलिन श्विज किनादि॥ मन्दि माधूदत ভावा (भाना कदत * এ(व वृत्ति वाला भाक गालक वालावा। (मनाइया किर्व मह काबिम शाक कात अ भगात প্রবিধে কছে তাবোধ নাদান। বিবিধেপ্তাইয়া দে গাও এক গান %

স্কু গান হিন্দি ও বাঙ্গালা সকাহ তাহু আয় পেয়ারি মেয় ইয়ার হু তৈরা স্কু জোলফো মেভি নাথী জবছে গেরেপ্তার হুতেরা স্কু জব দেখা হায় তছবিরকো, দেল কি আরাম নেহি মুঝকো, পারা২ হোগেই হার, জিয়ান্তে হয়েছি মরাস্কু এক্ষো কি থাজার মে, জথম হুওাছিনামে, ইয়ার কি জুলুফ মে, কেটে আমায় কল্লে সারাস্ক্রিয়া কাহু সুন জায় পেয়ারি, জালতা হায় কলেজা মেরি, ফাট গাই ছিনা হামারী, তোমার জন্যে পাগল পারা স্কু

* রাগ পয়ার * সাধুবর ভাবাগোনা করে এ প্রকারে॥ আঞা আলা মেলাইয়া দেহো মাশুকেরে * জান নাহি বাচে আর মাশুকের দায়॥ হায়২ কি করিবো কোথা জাবো হায় * তার পরে সোনো ভাই দেল লাগাইয়া॥ এরাবভী কিরুপেতে পৌছিল আসিয়া * সাহা জাদি ভেবে চিতে লিয়া ছেহেলিরে॥ আসিয়া পৌছিল বিবি বাগিচা মাঝারে॥ ছেহেলির হাতে ধোরে এরাবভী বিবি॥ চারিদিপে ঘোমে

জেনো আপ্তাবের ছাব * গোলের বাহার বিবি দেখিতে লাগিল।
কুলের খোনবোতে তার দেখাগ ভরিল * এইরূপে চার দিগে বেড়ায়
মিরা। অবশেষে বদিলেন ঘাটেতে লাইয়া * জনরুদের ঘাট বান্দা
নহোর ধারেতে। পানির ফোহরা তার আছিল ছুটীতে * তামাসা
দেখন বসে বিবি খোনাল অন্তর। আচানক দেখে বিবি করিয়া নজোর*
হাওজের কেনারায় নিজামে দেখিল। হাটু পরে দিয়া মাথা পেরেসান
দেলো * আসোকি চেহেরা রূপ চাদ পুর্ণিমার। এরাবতী বিবি দেখে
কৈল জারেজার * দেখিয়া ছুরাত তার হুস হারাইল। ফের এসে এক্ষো
মিঞা ছেরেতে চড়িলো * এক্ষের লাগিয়া তির পিট কৈল পার।
জলোনেতে সাহাজানি হৈল বেকারার * বলে বিবি এয়ছা নিধি দেয়
জলি মোরে। গলায় গাথিয়া এবে রাখি হার কোরে * এক্ষো তির
লাগিয়াছে জার কলেজায়। সেই জানে তার দর্দ্দ বিন্ধিল জাহায় *
থিকের নেসাতে বিবি মাতওালা হইয়া। গান এক আরম্ভিল সোন
দেল দিয়া *

※ গান ※

কে তুনি কার বাকা সথা অহে মোনো চোরা॥
হেরিরে ভোমার রূপ হয়েছি অধরা
শ্ব
আহা মরি কিবা শশি, মুথে জেনো হাসিং, লাগাইলা
প্রেমের ফাসি; এবার প্রাণে হলেম সারা
শ্ব
নাগর হেরে, কেমনে রহিব ঘরে, পরান আকুল
করে, প্রেম জরেতে অন্ধ জরা॥ হিন কবিকারে ভনে,
সোনঅগো রাজ কন্যে, জিজ্ঞাসা করোনা কেনে, বসে
আছে মোন যরা
শ্ব

ত্রিপদী ছল ৪৪ সাহাজাদি গান গায়, নিজাম শুনিতে পায়; ছের প্রেসাইয়া মর্দ্দ দেখে। চাদ জেন বিচথানে চৌদিগেতে তারা গনে, খিরিয়া আছেন জে বিবিকে
দেখিরা বিবির রূপ, রূপেতে মজিল ছুপ, প্রেমসোকে হইলো অস্থির। প্রেমের অনল তার, জলে ওঠে দশ ভার; দেল বিচে নাহি হয় স্থির
দশ নাহাই ওঠে মুখে, তুনিয়া আন্ধার দেখে, মনে২ ছাড়েন নিশাস। তুজনায় তার পরে; নজরে২ গেরে, গলেতে লাগিল প্রেমের ফাস
চার চক্ষু মেলে জিদ, উপলিলো প্রেম নিব, প্রেনবানে দিইলো সাতার। কেহ কিছু কার তরে, কহিতে

নাহিক পারে, রহে দোহে মুরাত আকার * পরে এরাবতী বিবি, নেকা সিয়া দেই ছবি, জে ভছবির খরিদ করিল॥ নিজামে রূপের সাতে, মেলাইয়া দেখে তাতে, নাহি কিছু তফাত হইল * পটের ছুরাত সাতে, মিলে জদি গেল তাতে, বিবি আর থাকিতে না পারে॥ উথলিল প্রেম निन, (मोए शिया माञ्राकानि, निकार्यत्र शत्न शिया थरत् क्र माञ्राकानि (क्रान्य वाल, निकार्यत शत्र शत्न, वाल नाथ षा ছिल काथाय।। পरिष्ठ তোমার রূপ, দেখিয়া মজিল রূপ, কারি তির বিন্দিল ছিনায় * না দেখে ভোষার মুথ, ফেটে জায় মোর বুক; কারে দুখ কহিব আমার॥ ব্যাথার ব্যাথি কেবা আছে, কবো তুথ তার কাছে, তোমা বিনে কেবা সোনে আর * নিজাম দেখিল জদি, সেই বিবি সাহাজাদি, তছবির জার চিত্র करत निला॥ ভার পরে কছে মর্দ্দ, আথে আছু দেলে দেদ, সোন বিবি মুবো জা বিতিল * তোমার রূপের বানি, তোতার জবানি শুনি, সেই হইতে পাগল হইমু॥ ভাহা বাদে চিত্র করে, মাল মাতা দিয়া ভারে; তছবির তেরা মাজাইয়া লিমু * তোমার লাগিয়া কতো, মছিবত শতং ওঠাইয়া পৌছিতু হেথায়।। শুনে নিজামের বাত, সাহাজাদি ধরে হাত মাকানেতে আইল তরায় * জরির বিছানা পরে, বসায় আসোক তরে, তাহা বাদে খানা মাজাইয়া॥ তুই জনা এক সাতে, খায় মৰ্দ্দ খোসা লিতে, উভয়েতে আমোদে মাতিয়া * হাসি থেলি কৌতুকৈতে, করে দোহে নানামতে, এরপেতে ঘড়ি এক জায়। অধিন ক্রেন এবে, হাসি ংখলি সব জাবে, পায়ে বৈড়ি লেহ জেল খানায় *

ছওদাগরজাদা নিজাম ও এরাবতীর কয়েদ হইবার বয়ান *
পয়ার * খুসির তুফানে দোহে ভাসিতে আছিল। আছমানি
গরদেশ হৈতে কি জালা ঘটিল * জখন মাকানে আইলো নিজামেরে
লিয়া॥ তুয়ারে কপাট দিতে আইল ভুলিয়া * সহর কোত ওাল আইল
রঁন্দ ফিরিবারে॥ ঘরের কপাট খুলা দেখিল নজরে * দেখিলেন দরওা
জায় জাইয়া নজদিগে॥ চৌকি প্রহরি সবে কেছ নাহি জাগে * তাহা
বাদে ভিতরেতে গিয়া সান্দাইল॥ আজব তামাসা গিধি নজরে
দোখল * এরাবতী লইয়া জে নেজামের তরে॥ হাসি খেলি করে
দোহে খোসাল অন্তরে * কোটাল দেখিয়া এহা গোষায় ভরিয়া॥ এরা
বতী তরে গিধি কহে ধমকাইয়া * কি কাম করিলি ওরে বেরায়া কোম

ক্তি॥ দেশজুড়ে মা বাপের করিনি অক্ষেতি * কোটালের পাৰে कि शिष्टिल नजर्ग। एत (शिर्म माहाकाकि कार्शि शहर * कथा नाहि সরে মুখে জ্ঞান হারা হৈল॥ বোবার মতন জেন চাহিয়া রহিল * মিনতি ক্রিয়া ফের লাগিল কহিতে॥ কণ্ডর করেছি মাফ করোনা এহাতে * শ্রার মোহর দিই তোমার কারনে॥ ছাড়িয়া দেহোনা তুমি আমা জিই জনে * কোত ওাল শুনিয়া এহা ভাবনাতে রয়॥ কিরূপে ছাড়িয়া দিবো উপায় না পায় * তোমার বাপের আমি করি জে চাকোরি॥ মহারাজা শুনিলে বিপদ হবে ভারি * তোমা দিগে ছাপাইতে হবে भरा नाय।। এই काम ना ट्रेंट्र किन्नू (তামায় * বেটার পাইলে লোষ সেইতো ভূপতি॥ অমনি ধরিয়া রাজা করে তায় সাস্তি * এতো इति छूटे ज त्न लहेल वानिया * (क ट्ल थानाव विट लोहिल जानिया * ক্রেদ করিলো লিয়া কোটাল গাণ্ডায়॥ সেথা হৈতে চলিয়া আইল ত্রাচার * পুজনায় কারাগারে বনো হৈলো জদি॥ পুকের নাহিক **अत्र म्हिक्क वर्ट्स निक्र** पूक्रनात शत्न (शाद्व त्निभेगेरेश कात्न ॥ ক্ষের সাগোরে পড়ে বুক নাহি বান্দে * ভাবাদে নিজাম কহে এরা বিতী তরে॥ মালিনির জতো হাল কহিল বিবিরে * জথন আইনু আমি কহিল মালিনি॥ আফোতে পড়িলে থবর ভেজিবে তখোনি 🕸 সাহা-জাদি নিজামের এই কথা ওলে। মালিনিকে এতবার হুইল তার মনে* ৰ্বন কোততাল গিধি বনোখান। দিল॥ এরাবতীর দাসি এক সাতেই हिन * ७थनि कहिन विवि वानित नाशिया॥ मिन क इहे कि ह টাকা তুমি লিয়া 🗱 মালিনির কাছে তুমি জাহোনা চলিয়া॥ টাকা দিয়া হাল জতো কবে বিবোরিয়া *সেই দাসি এই কথা শুনিল জখোন # শাহাজাদির ঘরে গিয়া পৌছিলে তথোন * সিন্দুক হইতে কিছু টাকা নেকালিলে।। অপানার মনে মনে ভাবিতে লাগিলো * হুইল বহুত রাত জাবে। কি প্রকারে॥ দরতাজায় দরয়ান আছে ধরিবে আমারে * এতেক মনেতে ভাবি তস্তোরি লইয়া॥ কাপড় দিইয়া **धिका চ**ल निकालिया अक्ष पूछिया२ यालिनित घरत रिला॥ वाश्ति হইতে বান্দি ডাকিতে লাগিলো * নিজামের এপ্তেজারে আছিলো भामिन। वा अङ পाইয়। ধনি উঠিল অমোনি * তুরিত আসিয়া তবে দরওাজা খুলিয়া॥ বলে এতো রাতকালে কিসের লাগিয়া * দাসি বলে আজ বড়ো দেখি বিড়ম্বনা। কোটালের হাতে বন্যে ইইল চুজনা

কোততাল তাহাদিগে বন্দোথানা দিলো॥ এখাতেরে তোমার না
দিগে পাঠাইলো * মালিনি সুনিয়া এহা তাবে মোনে২॥ কিরপে
নেকালিবো দোহার কাইনে * এত তাবি মানিনি বিবি হালুওা পাক
ইয়া॥ দানির মাথায় দেয় খাঞায় ভরিয়া * দাসি সাতে মালিনি
আইল কারগারে॥ পৌছিল জাইয়া দোহে জেলের দ্য়ারে * জেহেল
খানায় জেই দারোগা আছিল॥ বিষ মোহর তারে নেওাজিয়া দিল *
তার পরে চৌকিদার জে ছিল জেখানে॥ দশ বিশ টাকা ধরি দিলো
জোনে২ * চৌকিদার পুছিলেন কহো বিবরন॥ এতো নিশি ভোগ
রাতে আইলে কি কারন * এ কথা মালিনি স্তনে বাহানা কিরিয়া॥
টোকিদারে সবাকারে কহে বিঝোরিয়া * হামেসা আল্লার কাছে দোও
মাজি আমি॥ আমার মোকছেদ পুরা কারো জদি তুমি * ক্যেদিরা
বন্দো জতো আছে কারাগারে॥ হালওা থেলাব আমি নবার খাতেরে*
আসামেরা পুরা হৈল মেহের আল্লার॥ একারোনে আসি আছি
জেহেল মাঝার * কবিকারে কহে বানি রচিয়া পয়ারে॥ নারির আঠার
কলা কে বুঝিতে পারে *

নারির আঠারো কলা বুঝে ওঠা ভার॥
কেবুঝিতে পারে ছলা সাদ্দ আছে কার
এমনি নারির শুন, পাকা বাসে লাগায় ঘুন পুরুসে
কোরে খুন, প্রানেতে করে সংখার * নারি এমনি
সর্বনিমি, ভুলায় কতো জগি রিসি, কহে মহাক্ষদ
মুনিমি, নারির রাজ। পায়ে নমস্কার *

রাগ পয়ায় * টাকা পেয়ে খুদি হয়ে জতো চৌকিদার॥ যালি নিকে জেতে দিলো জেহেল মাঝার * মালিনি হাল গু জাহা থাঞ্চায় আনিল॥ জেহেল খানার লোগে খেলাইয়া দিলো * তার পরে এরা বতী জামাল জেথায়॥ চালাকিতে মালিনি জে বিদলো দেথায় * জখোন মালিনি ধনি জাইয়া বিদল॥ সাহাজাদি সেই ঘড়ি বুঝিয়া লইল * তথনি চালাকি সাতে থাঞ্জা লিল হাতে॥ বান্দির মাথায় দিয়া চলিলেক সাতে * আপোনার ঘরে বিবি আইল চলিয়া॥ মালিনি * 95 *

নিজাম দোহে রহিল বসিয়া * বেহান হইতে তবে কোটাল গাণ্ডার॥ আরোজ করিল গিয়া ভজুরে রাজার * জোড়হাতে আদ্বেতে আরোজ গোলারে॥ আজব তামাদা দেখি তোমার জে ঘরে * **एक पत्र आका** (शामा (काभार कन्यात ॥ এक जना वर्ग कार् कार करिक् তাহার
শ্ব আমারে দেখিয়া দোহে নোকাইতে চাহে॥ দোড়াইয়া मिरे यि धित्रलाग (मार्ट * काताशाति ताशियाणि कातन (मारात ॥ পার কতো দেকাএত করিলো গাণ্ডার * উদ্ধির নাজের স্থানে এই मियानात । किलित कथाक ना किलिन এতবার * 6ोकिनाর ঠाই২ আছেন তুয়ারে॥ মনুষ্য থাকুক পক্ষি আসিতে না পারে * এই কথা বুটি তেয়া জাহে হেথা হৈতে॥ গোটাল কহিল গিয়া দেখনা চক্ষেতে * মহারাজা এই কথা জানিবার তরে॥দুই চার লোগ লিয়া গেল কারাগারে* মহারাজ। বলে আন কয়েদি থাতির।। চৌকিদার শুনে কৈল হুজুরে জির * মালিনি চালাক ছিল মহারজে দোখ॥ছল কোরে কেনে উঠে ত্রল ছল আথি * শুন্থ মাহারাজ ধর্ম অবতার॥ কোথায় না দেখি আমি এত অবিচার * কথন না শুনি আমি তোমার অক্ষোত॥ কহিবারে ক ফাটে দেখে এ তুর্গতি

ভাষার কোটাল জেয়ে আমার ঘরেতে কত শত অত্যাচার করে নানা মতে ঃ জোর হাতে মানাহিজে করি বাবে বার॥ আর জে দোহাই আমি দিইমু তোমার * কত গালাগালি কল আমার খাতেরে। অবশেষে ধরিয়া আনিল দোহাকারে*লাত ঘুনা শত মারিতে মারিতে॥ বন্দ কোরে রাখিলেন জেহেল খানাতে * এতেক মিনভি জিদি মহারাজ শুনে॥ খালাস করিয়া তবে দিল তুই দনে * মালিনি নিজাম লিয়া আইল ঘরেতে॥ রমনির কত ছলা বোঝ মকলেতে * সাবাস২ অগো সাবাস মালিনি॥ তোমার বুদ্ধির মত কোথায় না শুনি * চোর হয়ে সাধু হৈলে এত বুদ্ধি তোর॥ সাধুর কারনে তুমি বানাইলে চোর
ভাষা বাদে মহারাজ ছকুম করিল। কোত্য়ালের তরে লিয়া বন্দ খানা দিল

কাত্য়াল বেচারা সেই বেগর তকছিরে॥ পায়ে বেড়ি বন্দ খানা দেখ বেরাদরে * এখানেতে अव्यावकी कार्य कार्य कार्य। वरल वृचि (पर्या (माना ना इहेरव बात * শেরে নিধি হারাইর হায়২ হায়॥ আর সেই প্রান নাথে পাওা হবে नाय अ अरेक्ट्र का का करा करा माराजानि॥ এट्या कामना क्लिम इश्हेल निष् * किन क्या निया भात भन किलि इति॥ काथा लुका

ইলে মেরে বিভেদের ছুরি * বিভেদ অনলে জান জলিছে আমার॥ বাবাজি ওতোন ছাড়া করিল এ বার * এতেক করিয়া খেদ রহে চুপ হইয়া॥ গান এক আরম্ভিল সোন দেল দিয়া *

> শ্ব গান শ্ব আমার দহিছে জিবন॥
>
> দেখা দিয়ে কোথা লুকালে এখন শ্ব কেন এসে দেখা দিলে, মন প্রান কেড়ে নিলে, বল কোথা গেলে ভোমার পাব অন্নেমন শ্ব কোথা ওহে প্রান কান্ত, দেখা দিয়ে কর থেন্ত, মন অন্ত, করো নিবারন শ্ব মরি ভোমার অমিলনে, বাচিনাহ প্রানে, হিন কবিকারে ভনে, ভাব কি কারন শ্ব শ্ব নেজাম এরাবতীকে লইয়া শ্রীধর রাজার দেশে আসিবার বয়ান শ্ব

🛪 পয়ার 🗱 এরাবতী এই গান গাইতে আছিল॥ এয়ছা ওতে ছিয়া (करि कक्षत इंडेल * মন মরা বলে রহে পেরেসান দেলে॥ পাগ (लत भक कर्क मर्गर वर्ल * अथार्ग निकाम अरम मालिनित (फर्ता। আলার দরগায় মর্দ্দ সোকরানা জে করে * তাহা বাদে মালিনিরে মিনতি করিয়া॥ কহিলেন সাহাজাদিরে দেহ আনাইয়া * মালিনি কহেন বাবা ভাব নাহি কিছু॥ এহার বিহিত শেষে দেখা জাবে পিছু * একথা নিজাম শুনে থামস হইল॥ ভাল নন্দ কোন কথা কিছু না কহিল * এक िन यानिन (क वाशना क्रिया॥ विविद कार्रान मेर क्रिन জাইয়া * শুনে এরাবতী বিবি থোসাল হইল॥ রাত নিশি ভোক কালে আসিয়া পোছিল * মালিনির তরে বিবি ছালাম করিয়া॥ মিনতি করিয়া কহে মালিনি লাগিয়া * শুন আক্ষা মেরা এই তোমর দোওয়াতে॥ খালানি পাইমু দেখ বন্দখানা হৈতে * ভার পরে সোনার মহর কিছু লিয়া॥ মালিনির তরে বিবি দিল নেওা জিয়া * এই বাত চিতে রাত গোজারিয়া গেল॥ খুদি হালে মালিনির ডেরেতে त्रिल * जिन (गाङ्गातिया ताञ भो जिल जानिया॥ अतावली कर्ट বাত নিজামে তুসিয়া * সোন্ধ প্রান্নাথ আরজ আমার॥ এখানেতে थाका आत ना रुप्त এতবার ३६ এই কথা তু দিন পরে প্রচার ইইবে॥ खान वाराष्ट्रिक তবে মুঞ্জিল হইবে * হেখা হৈতে জাই চল মুল্ল কে

তোমার॥ मान প্রান নাথ লেহ আরজ আয়ার ৪৯ এই বাডে তুই জনা स्थल कित्रिया। प्रत्विम (होकि यक्ष लिल (नकालिया क्ष मिटे (होकि বি দোহে জাইয়া জে বসে॥ কহিল লইয়া তুমি চল মেরা দেশে * कथा चूनिया होकि शाखाय ऐ फिला अधित ताजात (पर्ण जारेया পৌছিল ঋ ওতারিল তুই জনে আপনার ঘরে॥ অন্দর মহল বিচে জায় ভার পরে 🕸 কমলাবতী সুমতি লালমতি শুনে ॥ পড়িতে উঠিতে গেল মিলাম জেথামে * চারি জনা রূপবতী মেলে এক সাতে॥ মেজাম প্রীগলার এই ছিল নছিবেতে * আহা কি নছিব দেখ নেজাম পাগলার॥ किट्नित भूताति পाश ककला जालात अ धितिशा विमल हाति विवि होि পেতে।। চারিদিগে তারা জেন চাদ বিচ খানেতে अ তার পরে রাভ শোজারিয়া জদি গেল॥ রাজার হুজুরে তবে নেজাম পৌছিল * শেলামে দেখিয়া রাজা বড় খোসালিত॥ আপনার কাছে লিয়া বসায় রিত * পুছিতে লাগিল রাজা নেজামের তরে॥ কহ বাবা কি রূপেতে শাইলে বিবিরে * নেজাম সুনিয়া এহা কহিতে লাগিল। রাহে জেতে জৈথানেতে জাহা গোজারিল 🕸 একে একে মহা রাজে নেজাম শুনায় বিহত কলো পেয়ে আইন হেথায় * এ কথা স্থনিয়া রাজা থোসাল ইইরা। বহুত তারিফ করে নেজাম লাগিয়া * সাবাস মা বাপ তেরা সাবাস হেক্ষত॥ এয়ছা কাম করে কেবা কাহার তাকত * রহ বাবা এবে তুমি খুদি খোসালিতে। অধিন নাপাক কছে রচে পয়ারেতে *

* রাগ পয়ার ছন্দ * খুদি হালে এরুপেতে পাগল নেজাম। মনের আরমান জত মেটায় তামাম * খুদি খোসালিতে এয়ছা কত দিন জায়॥ তাহা বাদে কি হইল লিখি জে হেখায় * এয়াবতী বিবি ছিল রূপের ক্লারী॥ তাহাকে দেখিলে লজ্জা পাইতেন পরি * সবা হৈতে নেজাম ক্লোএরাবতার তরে। মহব্বত করে তারে জিউ বরা বরে * জানের সমান তায় ভাল জে বাসিত। এহাদের পানে নাহি ফিরিয়া চাহিত গ্রুএইরূপে কত দিন গোজারিয়া জায়॥ এয়া তিন জনা দেখে আপসেতে এয়র * এয়াবতী ভালবাসা পতির হইল। কোন ফেকেরেতে এয়ে হাকাইতে হল * সতিনি বিবাদ জাহা হয় কালে২। সেই জ্বতি এয়া সিবে করে দেলে২ * কুকুর পাইলে মড়া আগলিয়া ফেরে॥ পচাইয়া খাবে নাহি দিবে দোছয়ারে * সতিনির হিস দেখ তেমনি প্রকারে॥ নিজাম পাগল,

পচাইয়া খাবে সেহ তবু ভাল তারে * এই ফেকেরেতে বসে কত ক্ষি জায়। এক রোজ তিন জনা পুছিল তাহায় % সোন বুতা কহি কিছ তোমার লাগিয়া॥ মোদের থছম ছিল পাগল হইয়া * তুমি কি তাহার মত পাগল আছিলে॥ কিছার রূপেতে মজে দেওানা হইলে * সাদ্ সিদা আছিলেন সেই সাহা জাদি॥ দেলের মাঝারে তার নাহি ছিল বদি * এরাবভী একে২ কহে জত বাত॥ (জরপেতে পেয়েছির পটের ছুরাত * জেরপে পাগল হৈয়া গিরিতু তালাবে॥ জেরপে উঠা हेश जात्न वान्तिशन मत्व * (जक्ति कर्यन हेर्ड थानाम लाहेन একে২ সাহাজাদি তামাম কহিল

ক্ষ তার পরে কিরুপেতে তুসমনি করিবে॥ আল্লাচাহে শেষে তার বয়ান হইবে * অধিন কহেন দেব আর কিবা হয়।। সতিনী হিসেতে তিন জনা মারা জায় * বদি কৈলে বদি ফলে সকলেতে বলে॥ এই কথা দেখ ভাই আছে কালে সতিনের পিয়ালায় বিস গুলে খায়॥ তবু নাহি কার তরে সে পিয়ালা কার্নে দেয়% সতিনী ফছাদ বড় বোঝা বুরু গনে। এত ঝাল হয় বল কিমের * এরাবতী সতিনী দিগের নিকটে াপনা काजरन * আহওাল কহিবার বয়ান *

* প্যার ছন্দ * দোন হে রসিক লোক দেল লাগাইয়া॥ নিধিয়া
জানাই কিছু স্বার লাগিরা * সতিনের ঝাল বড় হয় সতিনের ॥
মারিতে এহার তরে চড়েন ফেকের * নাদা সিদা এরাবতী কিছু নাই
জানে ॥ আপনার আহওাল কহে তাদের ছামনে * সোন অগো বুরু
জানি ছক্ষের বয়ান ॥ কহিতে ছক্ষের হাল না সরে জবান * একরোজ
সুয়ে ছিহু ঘরেতে আপনার ॥ পতির হিহনে বড় ছিন্তু বেকারার *
সোগে আমি বেতাব আছিল্ল ॥ ভাবিতে ভাবিতে আফি
ঘুমাইয়া গেনু * চেতন হইল মেরা আওাজে বাসির ॥ বিরহ আওনে
ফের হইরু অন্থির * টিকিতে না পারি দেল গেল বেগড়িয়া ॥ দেথির
বহুত রাত আছমানে চাহিয়া * সেই অক্তে নেকালির মাকান হইতে ॥
বাসির আওাজ ধোরে জাই নে দিগেতে * একেলা রাত কালে নেক
লিয়া গেল্ল ॥ ডর ভয় কিছু আমি সে সময় না পাইরু * আজিম দরিয়া
এক ছামনে মিলিল ॥ দরিয়ার পরে বাসি; বাজিতে আছিল * লাচার
হইরু আমি দরিয়া দেবিয়া ॥ কাট এক ভাসে তাহা দেথি তাকাইয়া *
সেই কাট পরে আগি চড়িয়া বিনির ॥ ধিরে ধিরে হাত দিয়া বাহিতে

লাগির * এল হির মঃজি গিয়া উঠির আড়ায়॥ তার পরে কত দুর হাটির রাহায় * ভাকাইয়া দেখি এক তালিসান ঘরে॥ বাসী বাজিতেছে তাহা কি কব সবারে 🗱 আসক আগুন মোর উঠিল জলিয়া॥ দৌড়া ইয়া ফির খালি জাবার লাগিয়া * কিরূপে জাইব আমি ভাবিতে আছিত্ শ্রমন ওজেতে এক জিজির দেখিয় 🗱 সেইত জিজির ধোরে গেলু উপ রেতে॥ নও জণ্ডান বসে এক দেখি নজরেতে * বেহুদীর হালে গেনু নিকটে তাহার॥ জণ্ডান দেখিয়া তবে কারনে আমার * আমার দিগেতে দেহ চাহিয়া রহিল॥ বাজাইতে ছিল বাসী রাখিয়া জে দিল * আমি গিয়া তাহা বাদে বিদ তার কাছে॥ সেইত জণ্ডান ফের মোর তবে পোছে * কোথা হৈতে আইলে ভূমি রমনি কাহার॥ খোর নিসিতে ডর নাহিক তোমার ৪৯ এ কথা বলিয়া হাত দিল বাড়াইয়া॥ চাহে কি আমারে কোলে লিভ উঠাইয়া * এয়ছা ওক্তে কহিলাম নাম বাবাজীর॥ আর কিছু না কহিল আমার থাতির * দহসত পাইয়া मिरे पेरि थाए। रिल ॥ जागात कात्र (क्त हालाम कितल * वर्ल विशो मार्शका कि (कगरन एक अस्म॥ इरे वालाशाना भरत कि करत চড়িলে * আমি সুনে কহি উঠি রসি পাকড়িয়া॥ দেখাইতে গেন্থ রসি তাহাকে লইয়া * রসি নহে সাপ সেটা জাইয়া দেখিরু॥ দেখিয়া ভাহারে আমি ডরাইয়া গেনু * তাহা বাদে জণ্ডা মর্দ্দ আমাকে লইয়া॥ শেখা হৈতে ভেবে চিতে আইল চলিয়া * এয়ছা ভাতে কত দুর নেক লিয়া গেন্তু॥ "সেইত দ্বিয়ার ধারে জাইরা পৌছিত্ব 🗱 আমার কার্নে সেহ কহিতে লাগি কয়ছা ভাতে হৈলে পার মেরা তরে বল॥ নাও বিস্তি কিছু নাই এই রাত কালে॥কিরূপেতে পার হয়ে এথানে আইলে * জেই কাট ধরে আমি পার হয়ে ছিনু॥ সেই কাট বান্ধিয়া জে রাখিয়া আইর * সেই কাট জ্ঞা মর্দে দেখাইর লিয়া॥ অবাক হইল মর্দ তাহাকে দেখিয়া * কাট নহে সোন বুওা মড়া সেই ছিল।। তাহাকে দেখিয়া দেলে ডর মেরা হৈল * তাহা বাদে জণ্ডাযদ্দ যাজি তরে ডেকে॥ চড়িয়া কিন্তির পরে লইয়া আমাকে * দরিয়া হইল পার আমাকে लहेशा॥ जागांत घरत्र ज रमरु मिल (लोছाইशा * তাহা বাদে জ্ঞা मक्त ताथिया जाभावि॥ विलिया जावेल (मरे जाभनात घरत * এই क्था তিন জনা সুনিল জখন।। আপদেতে ঠারা ঠারি করে ভিন জন 🛠 চল बुखा भग्न । नाह भाग ना नाहेव।। मा गत कातर मत जाहेश कि व *

প্র কথা ঠারা ঠারি করিয়া অমনি॥ নেজামের আগে চলে করিছে ছুসমনি * অধিন কহেন অগে। না কর এমন॥ সতিনের সাতে বাল কর কি কারন * সতিনের সাতে অগোনা কর ফছাদ॥ মিলে জুলে চল সবে মেটাইয়া সাদ *

শ্রু তিন জনা সতিনি এরাবতীর তুসমনি করে ও এরাবতীর
 উপ পতির বাদ দেয় এবং আথেরে কমলাবতী
 ও লালমতী ও সুমতী মারা জায়

 শ্রু
 শু
 শু

※ 키지 ※

অগে। ভেবে দেখ মোনেই মিছে এ সংসার॥ বুঝে দেখ ক্থা রাখ তুমি আছ কার * এসে ভবের ভাবে, কেন মিছে মর ভেবে, ভবের হাট ভাঙ্গবে কবে, সে ভাব ভাবো এক বার॥ কেন আর কর ধন্দ, লোকেতে বলিবে মোন্দ, মুনসী বলে কপাল মন্দ, মন্দ আর কোরনা কার *

* রাগ ধামসি একা বলি ছন্দ *

সোন অগো জত বিবিগণ॥ সোন সবে লাগাইয়া মোন * সতি
নীর সাতে হিস কি কারন॥ মানা করি না কর এমন * কেতাবেতে
লেখা এ প্রকার॥ লিখি সোন বয়ান তাহার * জিনি ছিল থাতে
মোন নবি॥ তিন চারি আছিলেন বিবি * আয়ছা ছিদ্দিকা জিনি
ছিল॥ নবির পিয়ারা জে আছিল * দেখ সেই আয়সা ছিদ্দীকা॥
সতীন নিগে নাহি ছিল বাকা ৪৯ দেখ কেয়ছা করিল গোজরান॥
ব্বো দেখ জত বিবী য়ান * কেহ দেখ সতিনের সাতে॥ বাগড়া করেন
নানা মতে * কেহ সেখ সতিনের ঝালে॥ মরে সেই রসী দিয়া গলে *
কেহ দেখ সতিনের দায়ে॥ মরে গিয়া পানিতে ডুবিয়ে * কেহ দেখ
সতিনের তরে॥ হলাহল বিষ দিয়া মারে * এই কথা আছে কালে
কালে॥ তার পরে সোনহে সকলে * এক রোজ তিন জনা মিলে॥
সামির হুজুরে এহা বলে * সোন তুঝে কহি প্রাণ নাথ॥ তোমার
পিয়ারির বাত * কহে শেই পিয়ারি তোমার॥ হামেসা কর জাহারে

পিয়ার * তিনি এক জঙা মর্দের সাতে॥ পিরিতি করিল নানা মতে * জেয়ছা ভাভে নদী পার হৈল। জেয়ছা ভাতে তার ঘরে গেল * সেই জ্ঞতা মর্দ্দ জেয়ছা ভাতে॥ এরাবতীরে রাখে এক রাত * জেয়ছা ভাতে णानाथन किला। একে২ তামাম कहिन 💥 শুনিয়া নেজাম পেরে मान॥ वल वूकि ना विलयान क्रांचा वादन कर्ट जिन ज्ञा এতবার এতে করিব কেমনে * তারা বলে সোন প্রান নাথ

। তারা মুখে সোনাব এ বাভ

ভাষা হৈলে মোনে আপনার॥ হইবেক ভাহাতে এতবার * নেজাম বলে এই বাত ছহি॥ আর কিছু তোমা দিগে কহি * আমাকে এ সোনাবে কে মনে॥ তারা বলে চলহ বাগানে * বাগানেতে গাড়া জে খুদিব॥ তক্তা বন্দি ভাহাতে করিব * তুমি রবে ভিতরে তাহার॥ সোনাইব এই সমাগার 🔅 আমরা 🐯 উপরে থাকিব॥ তাহার মুথেতে জে শুনাব * নেজাম সুনে মঞ্জুর করিয়া॥ বাগানেতে আইল চলিয়া * গাড়া খুলে তক্তা বন্দি কোরে॥ শেজাম রহে তাহার ভিতরে * এরা তিন জনা তার পরে॥ কহে বাড এরাবতীর তরে * সোন বুবু এক ঠাই থেকে॥ ঘরে মোন নাহি আর টেকৈ * চল বাগানেতে আজ জাব॥ (দল বাহলাইয়া জে আাদব * এই কথা বলিয়া সকলে॥ আইল সবে বাগানেতে চলে * চারি দিগে তামাসা দেখিয়া॥ নেজাম জেথা পৌছিল আসিয়া * জে গাড়াতে ছাপাইয়া ছিল॥ তক্তা বন্দী করিয়া রাখিল * সেই খানে খুসি খোসা লিতে॥ বদিলেন চারি সভীনেতে * তার পরে এরাবভীর তরে॥ তিন জনা কহে এ প্রকারে * সোন্ধ দোন বুবু জানি॥ সেই কথা কহ দেখি তিনি * সেই জন্তা মর্দের সহিতে॥ জে কাম করিলে নানা মতে * শুনি वादि शार्ष्टम इर्हेल। कर तूतू मिरे क्शा वल * এরাব্তী এ क्शा শুনিয়া॥ কহে ফের তাদের লাগীয়া * জেরপেতে আওাজ বাসির॥ উনে মন নাহি হয় স্থির * জে রূপেতে নেকালিয়া গেন্থ। জেরুপেতে দরিয়া পার হৈলু 🕸 জেরপেতে সাপকে দেখিরা॥ ধরে গেন্থ ছাতে উঠিয়া * জেরপেতে সেই ঘর বীচে॥ নবিন জওান বসে আছে * জামার কারনে জে রাগেডে॥ হাত বাড়াইল জেধরিতে * এই কথা জ্বৰ বলিল। জে ভক্তায় নবে বসে ছিল * সেই ভতা ভখনি ঠুকিল। তাহার মাজেরা এই ছিল ¾ সোনাইতে নেজামের তরে॥ এ কারনে ঘা তাতে মারে
ভাহা বাদে পুছিতে লাগিল। তার পরে কি হইল -

वन * এরাবতী চালাকি করিয়া॥ ভাব বিবিন্ন লইল বুঝিয়া * ভিন জन। भिलिया এহারা॥ দুসমনি করিবেক মেরা

 এই কথা দরিয়াপ্ত कतिशा॥ वरल निन्म (शल एक छूछिशा क्ष जाता वरल निर्मित शामार्त्र॥ খাব বুঝি দেখিলে ভাহারে

এরাবজী শুনে কছে ভবে।। ঠিক কথা দেখেছিত্ব থাবে * তিন জনা সুনে কাপে ডরে॥ বাচাও না দেখি এই वाति * णाश्र णाला পর ওার দেগার॥ উপায় না দেখি এই বার * এয়ছা ওক্তে গাড়ায় থাকিয়া॥ নেজাম জে উঠিল কুদিয়া * গোসার ভরিয়া মর্দ্দ গেল॥ তিন জনে কহিতে লাগিল ३ দোন ওরে বেহায়া বদজাত ॥ তুসমনি করিলে এর সাত ¾ জেয়ছা সবে দুসমনি করিলে। তার মঙ্গা চাখ গাড়া তলে 🕸 এই কথা নেজাম বলিয়া॥ তিন জনে গোস্বাতে ধরিয়া 🔆 সেই গাড়ে সবাকে গাড়িল॥ দেখ ভাই জান निकालिन * এই কথা সব কোই বলে॥ বদি কৈলে হাতে২ ফলে * জেই জনা পরের জেদায়॥ গাড়াখুদে মারিতে তাহায় * পরের খাতেরে কি মারিবে॥ আপনি তাহাতে মারাজাবে ৽ হয় নয় বুবো (नथ (यात्न॥ এই कथा राल मर्ब छात्न ३ यहा छात्र यूनमी राल॥ এই क्था चाष्ट काल काल %

> * সদাগরজাদা কিন্ধর আপনা মুল্লুকে এরাবতীকে লাইয়া আনিবার বয়ান **

* ত্রিপদী * সুমতী ও লালমতীরে, কমলাবতীর তরে, এক গাড়ে রাখে তিন জনে॥ এরাবতী লিয়া সাতে, আইলেন সেথা হৈতে মালিনির পৌছিল মাকানে * খুসি খোসালিতে রছে, মোন গম নাহি দোহে; কত দিন গোজারিয়া গেল॥ এক দিন আচানকে, আপনার মুল্ল কে, জাইবার থিয়াল হইল * কান্দে জে মা বাপ বোলে, থিয়াল আইল দেলে, কলেজা জে উঠিল জলিয়া॥ এই সোগে সাধুবর, কান্দে মর্দ্দ জারে জার, মা বাপের জুদাই লাগিয়া * সাধুবর তার পরে, জাহাজ তৈয়ার করে, তাহা বাদে আছবাব লইয়া॥ সাজাইয়া মন মত, মালিম কাপ্তান কত,জাহাজেতে লিল উঠাইয়া * এরাবতী লিয়া সাতে,উঠিলেন জাহাজেতে, লঙ্গর তুলিয়া ফের দিল॥ দিল পাল উঠাইয়ে; চলে সুবাতাস পেয়ে, বাও ভরে ভাসিয়া চলিল * কত দিন ভেসে জায়, আপনা মূলুক পায়,লঙ্গর করিল জেঘাটেতে॥ কেন্তু গিয়া ছওদাগরে,খবর কহিল তারে, কিস্কর।পৌছিল দেসেতে * ছওদাগর সোনে জিদ উথালে খুসির

লিদি, কাণা ছিল সোগেতে বেটার॥ ছোলেমানি ছুর্মা জেন, আথেতে কে দিল হেন,খুমি ভরে পায় দেখিবার* ভাহা বাদে বিবির ভরে, কিঙ্কর লইয়া ঘরে,আইনেন খুসি খোসালিতে॥ আসিয়া বাপের পায়, ছালাম করিল তায়, ছওদাগর লইল বুকেতে * ছেরে মুখে দোছা দিয়া, আইল বালাই লিয়া, দোয়া কত দিলেন বেটায়॥ কিষ্কর তার পিছে, মায়ের খবর পোছে, ছওদাগর কহিল তাহায় * দোন কহি বাবা জান, তোমার জে আন্ধাজান, তেরা সোগে এন্তেকাল কৈল॥ কিন্তর শুনিয়া এহা; বহুত কান্দিল তাহা, বাদে দেলে ছবর করিল * এইরূপে কত দিন, কাটাইল আলমিন, গম জারি সব ছুরে গেল॥ এক দিন খুসি দেলে, বাপের তজুরে বলে, কন্যা এক এনেছি কি বল * বড় সে রূপদী বিবি, কি কব রূপের খুবি; চন্দ্র বরাবর রূপ তার॥ এহার জন্যেতে কত, মুছিবত সত্ **উঠাই** आन मशाहात क्ष कूलात कूलान वड़ा, कि कहिर म शास्त्रता, কিছুমাত্র নাহিক আয়েব॥ কপাল মোর জোর হৈল, সেই জন্যে পাওা গেল, জাতে এরা বড়ই হাছেব ঃ রাজি হও আপে জদি, কর মোবারক বাদি; আদা পুরা হইবে আমার॥ শুনিয়া তাহার বাপ, রাজি হইলেন আপ, সাদি আনা করিল ভৈয়ার * দিন গুনে রবিবার, লগন করিল তার প্রতিবাসী জত ছিল আর্ । নিমন্ত্রণ স্বাকারে, করিল জত কিঙ্করে, বলে ভাই দাদি জে আমার * সহরের রাজা জত, বায়েনা করিল কত, বাজাওলা হইল তৈয়ার॥ বাজা জে বাজাইতে, লাগিল সে নানা মতে, मि वाकात कि करवा वाङात * ताञ्चात छूटे भारत, (भि वाना श्वर, ঝাড় ফানুস খুব টাজাইল॥ কারিগার চিন হৈতে, মাজাইল মন মতে নকসা করে কারিগর দিল * বলে নকদা মত আজ, কর গোলসাজি কাজ, আমিরানা হয় জে বাহার॥ কারিগার কত শত, মজলেছ করে মন মৃত, সকলেতে করিল তৈয়ার * ঝাড় ফাতুস কত শত, লটকাইল মন মত, আমিরানা হইল মজলেল। মেরাসিন আইল আর, কি কব বাহার তার, বারো তেরো তাহাদের বয়েস * বাইজি আইল কত, মুজরা ওলি শত শত, ছিল তারা নেহাত কমসিন॥ পোনেরো সোল বর্দের, নাচ আলি বাহারের, গায় গীত রাত আর দিন * মহাক্ষদ মুননী বলে, রছু লের পাও তলে, আমি হিন মুখের প্রধান॥ নাহি আছে বিদ্যা বুদ্ধি নাহি মেরা আছে সান্দি; লোক মাঝে না শ্বরে জবান * খালি নাম মেরা মুন্দী, জেমন সে ফুল বাসি, খোসব কিছু নাহি মেলে তার॥

মহাক্ষদ মেলাইয়া, নামের তাজিম কিয়া, রাখিলেন আমি থাক ছার क লিখিবারে এ কবিতা, চুক জিদ হয় কোথা, থাতা মাফ সকলে করিবে। ভূল নাহি কর তারে, থাতা না লইবে মোরে, থাকি আমি জন্ধল মাঝার এই তক বলে জাই, মাফ করে দিবে ভাই, আমি হীন অথম লাচার এক গান এই থানে, সোল সবে বন্দুগনে, গায় গান বাহারের সাতে বাহার স্বরেতে গায়, হিন বুদ্ধি বলে হায়, পেরালা বাজি করে সকলেতে * গান বাহার **

হায়রে বিদেশী বন্ধু আমি তোরে পাইনে॥
তোমার জন্নে পাগল হয়ে চুড়ি বনে বনে
এসেছি ভিকারি হয়ে তোমায় চুড়ে পাইনে প্রিয়ে,
কোথায় তুমি আছ লুকায়ে, এসোই মোর সনে
সায়েরতে বলে ধনি, পাবে তোমার শুন মনি,

(छ्व न। (११) ठाम रमिन, दूर्वा (मथ श्रान सम अ

* এরাবতী বিবির সাতে নেজামের বিবাহ হইবার বয়ান *

* ত্রিপদী ছল * থানার আঞ্জাম কত, করিলেন অবিরত; লেথা সেথা তামদারি হৈল॥ কত দেশ হৈতে আর, আইলেন বেশুমার, ভাল ভাল বাবরচি আইল * বাবরচি আইল কত, পেতিলা জে শতং; থানা পাকায় জেথায় সেথায়॥ ছকুম ছিল আমিরানা, জেথা সেথা থাবে, থানা, গরিব ফকির জে সবায় * পোলাও বিরিঞ্চি আর, হারিসা কি মজাদার, কোপ্তা কাবাব থরে থরে॥ ফিরনি জার্দ্দা রুটী নানা, জেমন বাদসাই থানা থার, লোক কাতারে কাতারে * জেই থায় সেই থানা, তিন দিন সেই জনা, ভুক পেয়াস না থাকে তাহার॥ এখানেতে নঙ্গা লিয়া, হলদি উপটন কিয়া, গায়ে সবে মলে জে নঙ্গার * আলাই বালাই লের, কত রকম গান গায়, একেং সোনহে সকলে * না শুনিবে জেই জন, তুক্ষিত হইবে মন, প্রাণ জুড়াবে সে গান শুনিলে * গান গায় বাহারেতে, মেরাসিন জেই মতে, গায় গান আজব রজের॥ মধুর স্বিরে গান গায় সায়েরান বলে হায়, তান মান বড় বাহারের * * গান রাগিণি বাহার তাল মধ্যমান
ত্রু
আজ কি বাহার হবে ধনি বলনা বলনা।
জেমন হল খুসি আমরা করি এই প্রাথনা
কড়ই খুসি হইল মোনে, রবে স্থাও তুই জনে, ভাব না
না হবে প্রানে, আমরা করি এই আকিঞ্চনা। আসিবে
কতেক দাসি, সোন বলি ও রূপসী, গলে দিবে প্রেমর
ফাসি, ভেবনা আর ভেবনা
*

* পয়ার * তার পরে সোন সবে জতেক সুজন। নঙ্গা সাজায় সবে করিয়া জন্তন * তুলহিনের তরে জান খুব সাজাইল। বানারিদি সাড়ি তারে এনে পেন্দাইল * সব নামের কুরতা দিল গায়েতে তাহার। কিম থাবের চাদর গায় দেখিতে বাহার * তার পরে জেণ্ডর আনে কত রকমের। পোন্দাইল এরাবতী বিবির খাতের * নঙ্সাকে ওই মত খুব সাজাইল। মজলিসে আনিয়া তারে বসাইয়া দিল * কাজি জিকে ডেকে এনে সাদি পড়াইল। আমিন আমিন ভাই সকলেতে বল * তার পরে বর কুরি আনিলেক ঘরে॥ আরসি লইয়া দেখাইল দোহাকারে * এরাবতী খুসি মনে রহিল ঘরেতে। পুথি সায় হয়ে গেল সোন সকলেতে * আমিন আমিন বল জত দিন দার। কেচ্ছা তামাম হৈল নেজাম পাগলার ক্ষ

* (नकाम भागनात भूथि ममाश्व *

* यही शब खक *

হামদোনাথ *

কভা শুরু ও যোহন ছওদাগরের বয়ান *

হওদাগর জাদা কিঙ্কর ছওদাগরিতে জায় *

ক বিদেশী জওানের জবানি কমলাবতীর ছুরত শুনিয়া কিঙ্কর বেকা বাব হয় ও আথেরে ফকিরের ভেদে তালাসে জায় তাহার বয়ান *

ও লাগরজাদা আপন্য কে পাগল বানাইয়া রাজবাটীতে জাইবার বয়ান ১২

* নিজাম পাগলা,

※ b≥ ※	
উজিরের বেটার উপরে কমলা বতী আসক হয় তাহার বয়ান *	- 5 8
উজ্লিরের নিকট নেজাম চোরাইয়া থত লিথিয়া পৌছাইবার ব্য়ানঃ	82 ÷
উজির নেজামের ফোদে পড়িয়া আপন লাড়কাকে বন্দখানায় দেয়	
ভাহার বয়ান *	36
माश्रामि क्यलाव जी मालिनी क वा भनात वा र छाल करह *	२२
নেজাম পাগল রাক্ষদ মারিতে জাইবার বয়ান 🔅	২৩
সাহাজাদি কমলাৰভীর নিকট হইতে নিজাম বিদায় ইইবার বয়ান	३७
कुष्टा इहेट ताक्र भत्र जान (नकलिया गात्र ও लानगरीक	
मानि कतिवात वर्गान *	২৮
রাজ কন্য। কমলাব্তীর খেদ *	US
মালিনি নেজামকে লইয়া কমলাবতীর সহিত মোলাকাত	
कदाहेवाद वशान *	()
(नकाम ताक पत्ताद काय ७ लाल लहेया ताकारक पिवाद वयान *	00
শ্রীধর রাজা বাহমনকৈ থতের জন্তান লিখিবার বয়ান #	9 9
শ্রীধর রাজার সাতে বাহ্মন লড়িতে জায় তাহার ব্যান *	9
নেজাম ও বাহ্মনের দোছরা দিনের লড়াই *	৩৯
সুমতি ও নেজামের সাদির বয়ান *	. 82
সুমতীর সিঞ্চারের বয়ান *	83
यानिनी कमनाव और नर्शा दाझ वां निष्ठ (न झायरक एम थारेट	
লইয়া জায় তাহার ব্য়ান *	89
নেজাম ও কমলাবতীর ছণ্ডাল জণ্ডাব ও মান ভঞ্জন ও আংখরে	•
বিবাহ হয় তাহার ব্য়ান **	83
কমলাৰতী ও লালমতি ও সুমতি তিন জনে ছুৱাতের দেমাগ করে	•
ও তোতা পাথি এরাবতীর রূপের বয়ান করে 🔅 💮 💮	10
রাজ কন্যা বাগানে জায় ও নিজামের তছবির থরিদ করে এবং	
এক চিত্রকরের জ্বান্দি নেজামের রূপ শুনিবার বয়ান *	18
নেজামের তছবির এরাবভীকে দেয় ও এরাবভীর তছবির উঠাইয়া	1
লেয় এবং ছওদাগর আপনার দেশে জায় তাহার বয়ান *	49
নেজাম এরাবতীর তহবির দেখিয়া বেকারার হয় *	60
নেজাম এরাবতীর তালাদে জায় ও এরাবতী কয়েদ খানায়	· . ~.
বৃদ্ধ হই বার বয়ান *	Lo.

ছওদাগর জাদা নেজামের সাতে এক দরবেসের মোলাকাত	
হয় ও এরাবতীর দেশে জায় **	69
নেজাম এক মালিনির ডেরে থাকে ও সাহাজাদি এরাবতী থাব	
দেখিয়া বন্দখানা হৈতে খালাস পাইয়া নেজামের সাতে	
মোলাকাত হইবার বয়ান **	Fa
ছওদাগর জাদা নেজাম ও এরাবতীর কয়েদ হইবার বয়ান *	৬৮
কোতওালকে বন্দথানা দিইবার বয়ান **	9•
নেজাম এরাবতীকে লইয়া শ্রীধর রাজার দেশে আদিবার বয়ান *	95
এরাবতী সতিনি দিগের নিকটে আপন আহওাল কহিবার বয়ান 🗱	۹8
তিন জনা সতিনী এরাবতীর দুসমনি করে ও এরাবতীর উপপতির	
বাদ দেয় এবং আখেরে কমলাবতী ও লালমতি ও সুমতী মার। জায়	95
ছওদাগর জাদা কিষ্ণর গাপনা মুল্লুকে এরবেতীকে লইয়া	
জাসি বার বয়ান *	95-
এরাবতী বিবির সাতে নেজামের বিবাহ হইবার বয়ান **	b •
* সুচীপত্ৰ সমাপ্ত *	

বিজ্ঞাপন।

সর্বসাধারনকে জানাইতেছি যে শ্রীমহাক্ষদ মুন্দী সাহেব এই নেজাম পাগলা নামক কেতাব রচনা করিয়া আমার নিকট উচিত মুল্যে কাপি রাইট বিজয় করিয়া নিদত হইয়াছেন। এইক্ষণে আমি সত্তবান হৈয়া উক্ত কাপি রাইট অনেক মেহনতে ওনিজথরচের দ্বারায় আপনারয়া জিয়াপ্রেসে দ্বাপাইলাম ॥ কিন্তু আনার বিনা অনুমতিতে এই কেতাব কেহ ছাপিবেন না ॥ জানি কেহ ছাপেন তবে আমার ক্ষতি পুরনের দাইক হইবেন ইতি
সান ১৩০৭ সাল, ১লা আয়াড় ॥

স্কলিকাতা, বেলিয়াঘাট। মিঞার বাজাবের উত্তর
কোনে ১৩২।৬ নং বাটী
স্কলিকাতান ক্ষিত্র বিয়াজিদিন থান
স্কলিকাত ক্ষান্ত ক্ষাত্র ক্ষান্ত ক্ষা

* ৮৪ * ছিতিয় সত্তাধিকারীর বিজ্ঞাপন।

এতদারা সর্বিসাধারনকে জ্ঞাত করান জাইতেছে যে, এই নিজাম পাগলার পুস্তকের কাপী সত্যের হক, সজ্ঞাধিকারগণদের নিকট হইতে উচিত মুল্যে ১৩২৩ সালের ১ই ভালু তারিখ এক কিন্তা রেষ্ট্রীকৃত দলিল দারায় ক্রয় করিয়া সত্যবান হইয়া, নিজ নামের মোহর দারা আপন ওসমানীরা প্রেদে ছাপাইয়া প্রকাশ করিলাম ॥ অদ্য হইতে এই পুস্তক আমার বিনানুমতীতে যে কেহ ছাপেন বা ছাপান, তাহাতে আমার যে ক্ষতি হইবেক, সম্পুর্ণ ক্ষতিপুরনের দাইক হইবেন। প্রকাশ থাকে যে, এই পুস্তক নিজে ছাপিবার সমন্ন পুস্তকের পুর্বকৃত ভাষা অনেক পরিবর্তিত পরিবন্ধিত করিয়া ছাপা গেল, এহাতে গ্রাহকগণ ক্রয় কালিন যেন মনে কোন প্রকার সন্দেহ না করেন। নিবেদন ইতি। সন ১৩২৩ সাল তারিথ প্রচা চৈত্র॥ নিবেদন ইতি। সন ১৩২৩ সাল তারিথ প্রচা বৈত্র॥ লিবেদক—শ্রীমহাক্ষদ কোরবান আলি॥

এতদ্বতা অনুগ্রাহক গাহক মহোদয়গন দিগের সমীপে আমি বিনিত তাবে জানাইতেছি যে, বোধ করি আপনাদের সদা সর্বদাই (কোরান সরিক) কেতাব পুথি পুস্তক ইত্যাদির দরকার হইয়া থাকে, ও ভজ্জন্য অন্যত্র ওয়াডার দিয়া ঠকিতেছেন॥ তার কারন এই আপনি যে দোকানেই ওয়াডার দেন না কেন কোন দোকান দারই নিজে দোকানে থাকে না, বাড়ীতে থাকে, কাজে কাজেই মাল পত্ৰ ঠিক.মত জায় না॥ সুত্রাং আমি নিজে দোকানে সর্বদা থাকিয়া সয়ং মাল পত্র দেথিয়া শুনিয়া পাঠাইয়া থাকি একটি বার আমার নিকট একটা ওয়া-তার দিয়া দেখুন যে, কি স্থন্দর পরিস্কার মত মাল পাঠাইয়া দেই ও কত সুন্দর মাল পান, আবার সর্বাপেক্ষা দরে সুবিধা।আমারদোকানে আর্থী ফারদী কেতাব কোরান সরিফ সর্ব প্রকারের ছাপা মঙ্কুদ থাকে ও হিন্দি বাংলা নাগরী পুথী পুস্তক নাটক নভেল গানের বই গীতাভিনয় ষ্ফ লপাঠ্য পুস্তক সকল প্রকার উপস্থিত মৌজুদ রাখ্য হয় স্বয়ং আসিয়া কিন্তা পত্র দ্বারা ডিঃ পিঃ পারশেলে অর্থাৎ যে ভাবে আপনার সুবিধা হয় লইতে পারেন তাহাতে সন্দেহ নাই, প্রতারনা নাই॥ বিশেষতঃ আমি নিজ প্রেসে পুস্তকাদি ছাপাইয়া থাকি জানিবেন, বেশী লেখা বাহল্য একবার निर्दनक-श्रीगशक्षाप (काइवान जानि পরিক্ষা প্রাথ নীয়॥ ইতি---

সাচা লড়ায়ের শতন পুস্তক। মৌলবী আজহার আলি প্রনীত॥ ছহি জঙ্গে রচুল ও জঙ্গে হজরত আলি

----°0°

লড়ায়ের' পুস্তক পরিবার জন্য ছাজকাল পাঠকদের সকলেরি মনের অভিলাস কিন্তু বাজারের জঞ্জে খয়বর, ফতুহ স্বাম আমির হামজা গং লড়ায়ের কেতাব বহুতর প্রচলিত আছে কিন্তু তাহা পাঠ করিয়া আর পরিতৃপ্তি হয় না,কারন সেসমস্ত কেতাব বহুদিবসাবধি পড়াহইতেছে ও তাহার হাবভাব গুলিওপ্রায় লোকেই জ্ঞাতব্য। শুতরাং সকলেই বলেন যে এর জেলে ও সাচ্চা কোন লড়ায়ের কেতাব হইয়াছে কি না আমি এই সমস্ত দেখিয়া শুনিয়া বহু পরিশ্রমে ও বহু অর্থব্যয়ে মৌলবী আজ্হার আলি সাহেবকে দিয়া আরবি তৌয়ারিথ হইতে তরজ্যা করা ইয়া এই আদল হিরক হার, আজ পাঠকমহোদয় গনের গলায় তুলাইলাম পাঠক মহোদয় গনের মনরঞ্জন বাসনা পুর্ণ হইলেই আমার সমস্ত পরি শ্রম সফল মনে করিব॥ এই জঙ্গে রছল রেছালায় যে যে বিশয় লিখিত श्हेशाष्ट्र তाश मामाना विकालान लिथिया প্রাকাশ করা অসাধ্য পাঠ করিলেই জানিতে পারিবেন যে সর্ব প্রকার লড়ায়ের কেতাব হইতে এটা উত্তম হইগ়াছে কি না জিনি একবার পাড়বেন তিনার মুক্তকণ্ঠে বলিতে रहेरि य अभी मर्नारिका यथार्थ हे **ऐखमा। अहारिक ह**फत्र बहुन করিম ছঃ স্বয়ং লড়াই করিরা যে যে ভাবে যে যে দেশে পবিত্র এসলাম ধর্ম স্থাপীতকরিয়াছেন, এবং হজরত আলি করমুল্লার সাতে বিবি ফাতেমা রাঃ বিবাহ ও এমাম হাদেন ও হোদেনের জন্ম এবং বিবি ফাতেমার মৃত্ত এবং হজরত রছুল কঃ ও হজরত আলি কঃ দোন একত্রে কাবার বোজ তুড়িয়াএদলাম দিন জারি করানাও এক্ষেন্দারিয়া, এরান তুরান তোগান যোগান স্বামএরাক, খয়বর সহর,বাছেরা সহর গং দেশের বেদিনের সাতে লড়াই করিয়া দিন জারি কড়ান॥ আবার হজরত আলি হইতেই যে ফকিরি মারফতের ভেদ সকল ওলমা গনে প্রাপ্ত হইয়াছেন তাহার নিদর্শনও ছেজরাএবং হজরত আলি কঃ সাহেবের মৃত্ত ও লাশ কোথায় কবর হয় তাহা অর্থাৎ হজরত আলির জন্ম হইতে মৃত্ত প্যগ্যস্ত জিবনে যে যে লড়াই ও যে যে কণ্ঠ করিয়াছেন তাহার বিশেষ বিবরন লিখিত হইয়াছে সামান্যবিজ্ঞাপনে কত লিখিব পাঠ করিলেই বুঝিতে পারিবেন পুস্তক থানা ২৪+ পৃষ্ঠায় সমাপ্ত মুল্য ডাক মাণ্ডল সমেত॥৯০ দুশ আনা

82:Nb.916-8-18म्बानिया लावेदबरीत

স্থলত বিজ্ঞাপন, আবশ্যক মতন নিচের ঠিকানায় পত্র লিখুন।

মেফ তাহলজানাত বড় খয়রল হাশার णातवादेन दापिछ জঙ্গে রছল मिथुरमाना শিবিফরহাদ गाएती कागारे गुत्रनाया डेप्प ज्वान এর সাদে কাউয়ালি আথবার ছালাত ছোলেমানি তালেনামা আখবারল অজুদ একশত ত্রিশ ফরজ সংশার চরিত্র ক্ষরজ্জ্যান খাবনামা বেনজির নাটক ছুরতনামা গোলশানে ওমাক ইন্দ্ৰসভা অজুদনামা निकाय भागना গোলেআরজান হেদাএতল ফোচ্ছাক

थय्यतन्त्रमात्र-(योनू प মরুহর মালতি মুরবক্ত নওবাহার সাহাদতে কারবালা (शालकारन वावत লক্ষি শনির ঝগড়া তাশ্বিহল গাফেলিন রৌশনজামাল হটিল্লা গাজি সহিদে মরতজা যারফত নামা নুরনামা জ্বে ছোহরাব দেলারাম মধুমালতী বড় ছায়েত নামা কুমিয়া গোলে হ্রমুজ লায়লি মজ আজাএব ছোলেমানি কালুগাজি চাম্পাবতী लालवानू माजागान তুদ্যেহের গাজ সোলভান জযজয়া

স্থানাভাবে সকল রকম পুস্তকের নাম দেওয়া গেল না পত্র লিখিলে সকল পুস্তকই পাইবেন।

পত্র লিখিবার ঠিকানা---শ্রীমহাম্মদ কোরবান আলি। ১১ নং মেছুয়াবাজার ষ্ট্রীট, ওসমানিয়া লাইব্রেরী কলিকাতা।